- आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 13

- शाह बोले- बंगाल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा मौजूद - 13

- विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 138, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अखबार पढ़ने की आदत: एक जरूरी पुनर्विचार

1960 से 1980 के दशक में जन्मी पीढ़ी के लिए अख़बार केवल समाचार पत्र नहीं था, बल्कि दिन की शुरुआत का एक अनिवार्य हिस्सा था। सुबह दरवाज़े पर अख़बार गिरने की मद्धम सी आवाज़ के साथ दिन शुरू होता। जो जल्दी उठता, वही सबसे पहले पूरा अख़बार पढ़ने का सौभाग्य पाता। कुछ ही घंटों में उसके पन्ने घर के अलग-अलग सदस्यों तक पहुंच जाते— किसी के लिए समाचार, किसी के लिए खेल, व्यापार या फिर स्थानीय खबरें।

उन दिनों अख़बार समाज की धड़कन हुआ करता। स्थानीय विज्ञापन, वैवाहिक सूचनाएं, शोक समाचार, टेंडर नोटिस, राजनीतिक गतिविधियां, सामाजिक कार्यक्रम और नागरिक मुद्दे-सब कुछ उसी में दर्ज होते। ये समाचार लोगों को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ते और समुदाय के साथ एक आत्मीय रिश्ता भी बनाते थे। आज हम एक डिजिटल और मोबाइल-केंद्रित युग में जी रहे हैं। सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन विश्वसनीयता, पुष्टि और संदर्भ का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर खबरें तेज़ी से आती-जाती हैं, परंतु उनमें गहराई और ज़िम्मेदारी अक्सर नहीं होती। सबसे अधिक नुकसान हाइपरलोकल समाचारों का हुआ है- वे खबरें जो सीधे हमारे जीवन, हमारे शहर और हमारे मोहल्ले को प्रभावित करती हैं।

मीडिया उद्योग में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान मैंने इस परिवर्तन को बहुत करीब से देखा है। तकनीक बदली है, समाचार वितरण के माध्यम बदले हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है- सत्य, संतुलन और विश्वास। अख़बार आज भी प्रमाणिकता, संपादकीय अनुशासन और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग का सबसे मज़बूत माध्यम बने हुए हैं। अखबार समाचारों और सूचनाओं का सच्चा और तठस्थ माध्यम आज भी है, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में अखबार अनिवार्य किया है। साथ ही छात्रों को इसे पढ़ने की आदत डालने के लिए भी कहा है। अख़बार हमें रुककर सोचने की आदत सिखाता है, केवल प्रतिक्रिया देने की नहीं। यह समाज का दस्तावेज़ है— आज का भी और आने वाले कल का भी। अखबार पढ़ना अतीत की कोई धुंधली याद नहीं, बल्कि वर्तमान की एक बौद्धिक आवश्यकता है। यह हमें शोर से बचाकर सार तक ले जाता है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां केवल सूचनाओं से भरी न हों, बल्कि उनके पास विवेक और समझ भी हो, तो अखबार को फिर से ड्राइंग रूम की मेज पर गरिमापूर्ण स्थान देना होगा।

2026 की ओर बढ़ते हुए यह सवाल प्रिंट बनाम डिजिटल का नहीं, सवाल यह है कि हम किस तरह की जानकारी पर भरोसा करना चाहते हैं। घरों, दफ़्तरों और संस्थानों में अख़बार को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाना किसी अतीत की याद नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की ज़रूरत है।

आइए, एक संकल्प लें:

● एक अख़बार की सदस्यता लेने का। ● स्थानीय पत्रकारिता को समर्थन देने का। ● पुष्ट और विश्वसनीय समाचार पढ़ने का। ● और सबसे अहम अगली पीढ़ी को अखबार पढ़ने की आदत सौंपने का।

अमृत विचार की तरफ से आप सभी को नूतन वर्ष मंगलमय हो…

पार्थो कुनार
सीओओ

डीआरडीओ की बड़ी कामयाबी, एक ही लॉन्चर से दागीं दो प्रलय मिसाइलें

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए एक ही लांचर से एक के बाद एक दो स्वदेशी प्रलय मिसाइलों का एक साथ सफल प्रक्षेपण किया। दोनों मिसाइलों ने निर्धारित मार्ग पर सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसकी पुष्टि चांदीपुर स्थित परीक्षण रेंज के ट्रैकिंग सेंसरों से हुई।

- ट्रैकिंग सेंसरों से हुई सफल परीक्षण की पुष्टि

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह से 'सैल्वो' प्रक्षेपण सुबह ओडिशा तट के पास किया गया। सैल्वो प्रक्षेपण में एक से ज्यादा मिसाइलें एक साथ दागी जाती हैं। टर्मिनल घटनाओं की पुष्टि प्रभाव बिंदुओं के निकट तैनात जहाज पर स्थापित टेलीमेट्री प्रणालियों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रलय मिसाइल के 'सैल्वो' प्रक्षेपण की सफलता ने मिसाइल की विश्वसनीयता स्थापित की है।

अत्याधुनिक नेविगेशन है विशेषता

प्रलय देश में ही विकसित ठोस ईंधन आधारित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसमें उच्च सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नेविगेशन प्रणाली का उपयोग किया गया है। यह मिसाइल विभिन्न लक्ष्यों के विरुद्ध अनेक प्रकार के मुखास्त्र ले जाने में सक्षम है। यह मिसाइल हैदराबाद स्थित शोध केंद्र इमारात द्वारा डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से विकसित की गई है।

स्वदेशी उपलब्धियों के नाम नए साल की पूर्व संध्या

एसएसएलवी के तीसरे चरण का स्थैतिक परीक्षण

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की 'सॉलिड मोटर स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी' में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के तीसरे चरण के उन्नत संस्करण का सफल स्थैतिक परीक्षण किया है। इसरो द्वारा विकसित एसएसएलवी तीन-चरणीय, पूर्णत: ठोस-ईंधन प्रक्षेपण यान है और यह दो प्रक्षेपणों के बीच कम समय में तैयारी पूरी कर प्रक्षेपण की जरूरतें पूरी कर सकता है। ऊपरी चरण या तीसरे चरण की ठोस मोटर, प्रक्षेपण यान को चार किमी सेकंड तक का वेग प्रदान करती हैं।

- चार किमी/सेकेंड का वेग प्रदान करने में रहा सक्षम

कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी घंटा की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' का अंतिम चरण का हाईस्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की देखरेख में किया गया यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर हुआ, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से दौड़ी।

इससे पहले वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कई बार निर्धारित समय सीमा से चूक गई थी। अधिकारियों ने ट्रेन के सुरक्षा परीक्षण के बारे में बताया कि सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आकलन सहित व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए। उन्होंने दावा किया, उच्च गति पर ट्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह संतोषजनक पाया गया। परीक्षण में इस्तेमाल की गई 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी के सफर को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है।

- सफलतापूर्वक पूरा हुआ ट्रेन का अंतिम परीक्षण

स्थिर रहे ट्रेन में रखे पानी भरे गिलास

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया जिसमें पानी से भरे गिलासों की स्थिरता का प्रदर्शन किया गया। ट्रेन की तेज गति के बावजूद पानी से भरे गिलास स्थिर रहे। रेल मंत्री ने कहा, आज किए गए परीक्षण में हमारे स्वयं के पानी के गिलास के परीक्षण ने इस नई पीढ़ी की ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

अब देश में हर जगह बोल सकते जय श्रीराम और राम-राम : मुख्यमंत्री

जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरे वर्षगांठ समारोह में बोले योगी

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी समारोह में हुए शामिल

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब किसी भी जगह जयश्रीराम और राम-राम बोल सकते हैं। भारत सरकार की योजना भी अब 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है जो रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (प्रतिष्ठा द्वादशी) बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।

योगी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने राम की शिक्षा का पालन किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामलला के दर्शन करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच परिसर में बने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा जिस प्रकार श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को अद्वितीय बताया। कहा, भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेक देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सबका आंदोलन था। 500 वर्ष अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

लिवर खराब करने वाली निमेसुलाइड दवा पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है। लिवर को नुकसान पहुंचाने वाली इस दवा को मंत्रालय ने एक वर्ष पहले मवेशियों के लिए भी प्रतिबंधित कर दिया था।

- सौ मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाली ओरल दवाएं आएंगी प्रतिबंध के दायरे में

भारत में इस साल्ट का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक इसकी उच्च खुराक से कई समस्याएं पैदा हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पहले ही इससे रोगियों में लिवर-किडनी को घातक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई थी। इसे गिद्धों के लिए भी खतरनाक बताया गया था। इस बारे में आईवीआरआई के एक अध्ययन के दौरान जिन जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गई, वे 24 घंटे के भीतर मर गए।

कई देशों में 20 साल पहले से प्रतिबंध: फिनलैंड, स्पेन, आयरलैंड, सिंगापुर समेत कई देशों ने 2002 और 2007 के बीच इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके लिवर एंजाइम की वृद्धि, लिवर विषाक्तता, आंतरिक रक्तस्राव, थक्के विकार, किडनी को गंभीर रूप से नुकसान जैसे जोखिम बताए गए थे। भारत ने 2011 में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, मगर बार-बार चेतावनियों के बावजूद वृद्ध रोगियों में उपयोग की अनुमति जारी रखी गई।

ब्रीफ न्यूज

बंगाल में नंदिनी पहली महिला मुख्य सचिव

कोलकाता। वरिष्ठ अधिकारी नंदिनी चक्रवर्ती को बुधवार को पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। इसी के साथ वह राज्य में इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बन गईं हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक नंदिनी चक्रवर्ती ने मनोज पंत का स्थान लिया है, जो 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे। हालांकि, उन्हें एक जुलाई से 31 दिसंबर तक छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि चक्रवर्ती अब तक राज्य के गृह सचिव की भूमिका निभा रही थीं।

झारखंड: हाई सिक्योरिटी जेल से तीन कैदी फरार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार से तीन कैदी फरार हो गए हैं। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सकते में ला दिया है। यह जेल हाई सिक्योरिटी के लिए जानी जाती है। जहां खूंखार कैदी और नक्सलियों को रखा जाता है। इसके साथ कई हाई प्रोफाइल विचाराधीन कैदी भी जेल में बंद हैं। ऐसे में तीन कैदी के लापता होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठना शुरू हो गए हैं। इस जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे इन पांच सुरक्षा घेरा से गुजरना होता है। कोई बाहर निकलता है तो भी उसे इन पांच घेरों से होते हुए निकलना पड़ता है।

रिश्वतखोरी में सीजीएसटी उपायुक्त समेत 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के झांसी में सीजीएसटी कार्यालय में रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी व उपायुक्त प्रभा भंडारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य लोगों में अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय कुमार शर्मा, जय दुर्गा हार्डवेयर के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। सीबीआई ने 30 दिसंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस में होंगी 32,679 नई भर्तियां, मिलेंगे नए अवसर

लखनऊ। साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को अच्छी खबर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32,679 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

- पुलिस विभाग में 60,244 भर्ती के बाद 32,679 और नौकरियां

ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती अब अभियान का रूप ले चुकी है। साल 2025 में ही 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती पूरी की गई थी और अब 32,679 नई भर्तियों की घोषणा ने यह साफ कर दिया है कि सरकार कानून-व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

कोहरा: दिल्ली हवाई अड्डे पर 150 उड़ानें रद्द, 400 देरी से हुईं रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह भी घने कोहरे के कारण 150 उड़ानें रद्द हो गईं, दो उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा जबकि 400 से ज्यादा उड़ानें हवाई अड्डे से देरी से रवाना हो पाईं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक बुधवार सुबह 11 बजे तक दूसरे शहरों से दिल्ली आने वाली 79 और दिल्ली से प्रस्थान करने वाली 71 उड़ानें रद्द हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, रात ढाई बजे के बाद हवाई अड्डे पर दृश्यता 600 मीटर से घटकर 50 मीटर रह गई। सुबह नौ बजे के बाद दृश्यता में सुधार शुरू हुआ और दोपहर 12 बजे तक परिचालन सामान्य हो गया। दिल्ली हवाई अड्डे ने एक्स पर बताया कि रात तीन बजे से उपकरण समर्थित सुविधा के तहत कैट-3 की प्रक्रिया में उड़ानों को परिचालन शुरू कर दिया गया था जो सुबह नौ बजे तक जारी रहा।

इंदौर में दूषित पानी से डायरिया, 9 मरे

भोपाल, एजेंसी

- देश में सबसे स्वच्छ घोषित शहर में सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती
- नगर निगम के दो अफसरों को निलंबित, एक को बर्खास्त किया

इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया। डायरिया होने के बाद छह महीने के एक बच्चे सहित अब तक नौ लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सैकड़ों लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा के अब तक 1146 मरीजों का इलाज किया जा चुका है, जबकि 150 से अधिक मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। स्थिति यह है कि क्षेत्र के लगभग हर दूसरे घर से कोई न कोई व्यक्ति बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहा है। लापरवाही सामने आने के बाद निगम के जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को सेवा से बर्खास्त किया गया है। मामले की जांच के लिए एडीएम नवजीवन पंवार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने तथा मरीजों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है। उधर, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता का परिणाम बताते हुए आरोप लगाया कि साल के अंतिम दिन नए वर्ष की खुशियों को मातम में बदल दिया है।

साउथ पोल तक स्कीइंग कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। भारतीय नौसेना ने काम्या को बधाई देते हुए कहा, भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन को बधाई देती है जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।

- नौसेना अफसर की बेटी काम्या ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

माइनस 30 डिग्री तापमान और तेज तूफानी हवाओं का किया सामना

यह शानदार उपलब्धि हासिल करने के लिए काम्या ने अंटार्कटिका की माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान और तेज तूफानी हवाओं जैसी बेहद मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया। वह पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था।

पर्यावरण की चिंता

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख ने दी चेतावनी- ध्यान न रखा तो भविष्य को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

विकास और प्रकृति में संतुलन जरूरी…अरावली पर भागवत

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि विकास और प्रकृति में संतुलन बेहद जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण का ख्याल रखे बगैर विकास की रफ्तार जारी रखी गई तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत बुधवार को रायपुर एम्स में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मौजूदा दौर में विकास की दिशा पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसा कोई मॉडल अब तक सामने नहीं आया है, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण बिना टकराव के एक साथ आगे बढ़ सके। ऐसी परिस्थितियों में समाज को संतुलित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ना ही होगा।

उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में अरावली पर्वतमाला का उल्लेख किया जिसकी नई परिभाषा लागू किए जाने पर देश भर के प्रमुख पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता जताई थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है।

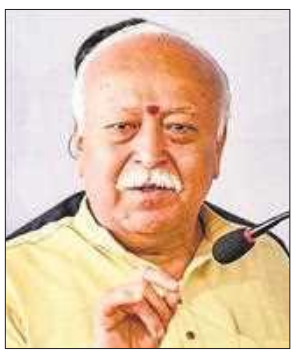

युवा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी समझें और बड़े बदलाव की नींव रखें

संघ प्रमुख ने कहा कि विकास और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों का समानांतर और संतुलित विस्तार जरूरी है। इसके लिए केवल नीतियों में बदलाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे करियर और रोजगार के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की नींव रखें। युवाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर बात करते हुए भागवत ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज का युवा भीतर से अकेलापन महसूस कर रहा है। परिवारों में संवाद की कमी और रिश्तों में भावनात्मक दूरी के कारण मोबाइल और नशा युवाओं के लिए आसान विकल्प बनते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि परिवार के भीतर संवाद और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा, तो नकारात्मक आदतों की ओर युवाओं का झुकाव स्वत: कम होगा। समाज और परिवार को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां युवा अकेलेपन से बचने के लिए नशे की ओर नहीं, बल्कि रचनात्मक और सार्थक गतिविधियों की ओर आगे बढ़ें।

शीतकालीन तीर्थटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

यमुना मंदिर, खरसाली

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल-मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था—शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुनः स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नज़दीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

टिहरी में पैराग्लाइडिंग

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफ़ेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों—जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

औली

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है। मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज़ विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक, आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक

सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ

गर्भगृह में विराजमान रामलला का विग्रह।

अंगद टीला पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का अभिवादन करते केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राम मंदिर आंदोलन दुनिया का सबसे बड़ा आंदोलन : राजनाथ सिंह

नाथ आजु मैं काह न पावा : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने की राम मंदिर परिसर में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा की स्थापना

भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को बताया भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार श्री राम मंदिर पहुंचे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परिसर में खड़े होकर "नाथ आजु मैं काह न पावा" कहकर अपने मनोभावों को व्यक्त कर दिया। बोले ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। कहा, भूगोल और समय दोनों के हिसाब से राम मंदिर आंदोलन दुनिया का सबसे बड़ा आंदोलन रहा है। वह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की द्वितीय प्रतिष्ठा द्वादशी पर मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा का आरोहण करने के बाद अंगद टीला पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगवानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। इसके बाद सड़क मार्ग से दोनों अयोध्या धाम पहुंचे। सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। राममंदिर पहुंच दोनों ने आराधना की। रामलला की आरती उतारी। धर्म ध्वजा का आरोहण करने के बाद अंगद टीला से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। सिंह ने कहा कि आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया है। कनक भवन, दशरथ महल, हनुमानगढ़ी, संपूर्ण अयोध्या मां सरयू की गोद में शोभायमान हो रही है। उन्होंने इस दिन को गौरवपूर्ण बताया। याद दिलाया कि यह वही भूमि है, जिसने वर्षों तक भगवान राम के लिए असहनीय बलिदान दिया, अपमान सहा, लेकिन आस्था को कभी डिगने नहीं दिया। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को राजनाथ सिंह ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा कहा। कहा हम सभी पिछले अनेक पीढ़ियों की तुलना में अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि वह क्षण अपनी आंखों से देखा। जब राजनाथ सिंह बोले रहे थे, सीएम योगी भावुक हो गए। वहीं, मंच पर राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा, पेजावर पीठाधीश्वर विश्व प्रसन्न तीर्थ, जगद्गुरु राम दिनेशाचार्य, जगद्गुरु धराचार्य, महंत गौरी शंकर दास, महंत धर्मदास, महंत भरत दास, महंत शशिकांत दास, महंत वैदेही बल्लभ शरण, जगद्गुरु अनंताचार्य, ज्ञानी गुरजीत सिंह, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, मेयर गिरीशपति त्रिपाठी, जिपं अध्यक्ष रोली सिंह मौजूद रहे। संचालन व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव ने संभाला।

माता अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज का आरोहण करते केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अयोध्या रच रही विकास के नए आयाम

राम मंदिर आंदोलन को उन्होंने दुनिया का सबसे ग्रैंड नैरेटिव बताया। कहा कि यह आंदोलन भूगोल और समय दोनों के हिसाब से अद्वितीय है। भारत से पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेकों देश, जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सब राम को मानने वालों का आंदोलन था। 500 वर्षों के लंबे अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन इतिहास में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। कहा कि अयोध्या में केवल श्रीराम मंदिर का ही निर्माण नहीं हुआ है बल्कि हवाई अड्डा, रेल नेटवर्क, रोड कनेक्टिविटी के साथ उद्योग, व्यापार का सभी क्षेत्रों में अयोध्या विकास के नए आयाम रच रही है।

गोलियां चलवाने वालों की स्थिति दुनिया देख रही

कई विदेशी आक्रांता आए सबने सनातन के केसरिया ध्वज को गिराने की चेष्टा हमेशा की, लेकिन राम मंदिर के शिखर पर जब यह केसरिया ध्वज लहरा रहा है तो इस ध्वज से टकराने वाली हवाएं दुनिया भर में जाकर यह संदेश देगी कि हमारी ओर गौर से देखो। कहा कि जिसने राम का साथ दिया अयोध्या के विकास में साथ दिया वह आज प्रभु की कृपा से निरंतर इस राष्ट्र की सेवा में लगा हुआ है। जिन्होंने रामकाज के मार्ग में अवरोध खड़ा किया। साधु संतों पर गोलियां चलवाईं। त्याग तपस्या को कुचलने का काम किया। उनकी स्थिति भी आज दुनिया देख रही है।

अंगद टीला पर आयोजित प्रतिष्ठा उत्सव में दीप प्रज्वलित करते केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राम जन्म भूमि परिसर में अवलोकन करते केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व ट्रस्ट महासचिव चंपत राय कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

राम मंदिर में दर्शन कर बाहर आते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, विधायक रामचंद्र यादव व महापौर गिरीश पति त्रिपाठी।

रामलाल का दर्शन-पूजन करते केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

रामलला का पंचामृत से अभिषेक, धारण की पीतांबरी

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रामलला की दूसरी प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ भव्यता के साथ मनाई गई। शुरुआत रामलला के स्नान, अभिषेक, पूजन और महाआरती से हुई। नित्य प्रक्रिया में रामलला की मंगला व श्रृंगार आरती हुई। इसके बाद राम भक्तों के लिए पट खोला गया। पुन: 09:20 पर रामलला का पंचामृत से अभिषेक हुआ। इसके बाद उन्हें सोने व चांदी से बना वस्त्र धारण कराया गया। हीरा-पन्ना से जड़ित सोने के आभूषण व मुकुट भी पहनाए गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम स्रोत के मंत्रोच्चारण के साथ 12:20 पर अभिजीत मुहूर्त में आरती उतारी। रामलला के समक्ष 56 व्यंजनों का भोग लगाया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य उडुप्पी पीठाधीश्वर विश्व प्रसन्नातीर्थ, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा, प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक रामचंद्र यादव समेत अन्य लोग मंदिर परिसर में मौजूद रहे। परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थापित माता अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ऊं चिह्न स्थापित केसरिया ध्वज विधि विधान से पूजन कर आरोहण किया। इस पल की अद्भुत छटा देख राजनाथ सिंह भावुक हो उठे। परिसर स्थित शेषावतार मंदिर व सप्त ऋषियों के मंदिर महर्षि विश्वामित्र, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ के साथ अहिल्या देवी, निषाद राज व शबरी के मंदिर में दर्शन पूजन किया है। कुबेर टीला पर विराजमान शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और फिर जटायु व गिलहरी की मूर्ति स्थल पर पहुंच दर्शन किया।

प्रतिष्ठा द्वादशी देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आजादी का दिवस : जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : प्रतिष्ठा द्वादशी देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आजादी का दिवस है। सभी रामलला के चरणों में नतमस्तक हैं, इससे अधिक आजादी क्या चाहिए। यह ऐसे नहीं मिला, इसके लिए विवादित भवन को गिरा कर टाट में रहना पड़ा। अब अगर सोए तो पुन: समस्त मंदिर चले जाएंगे। इसके लिए जागृत होना होगा| इसको स्थिर करने के लिए, गतिमान करने के लिए वर्तमान परंपरा और पीढ़ी के लोगों को जागृत होना होगा। यह बात कथा व्यास जगतगुरु रामदिनेशाचार्य ने राम मंदिर परिसर स्थित अंगद टीला पर आयोजित रामकथा के दौरान कही। उन्होंने बालक राम की कथा का विस्तार देते हुए कहा ज्ञान की पराकाष्ठा लिए कागभुशुन्डिऔर देवाधिदेव महादेव अयोध्या की गलियों में महीनों घूमते रहे। वे बालक राम के दर्शन चाहते थे। संत प्रवर ने "बंदउं बाल रूप सोइ रामू... चौपाई के माध्यम से बालक राम की वंदना की और बताया, कि निर्गुण औऱ सगुण में उतना ही भेद है जितना बर्फ औऱ पानी में है।

अंगद टीला के मैदान में श्री राम कथा कहते रामदिनेशाचार्य।

पिछली सरकारों के शासन में हुआ था अयोध्या को लहुलुहान करने का प्रयास: सीएम

कहा, 2005 में आतंकियों को जवानों ने ठक-ठक कर मार गिराया

धर्म ध्वजा का आरोहण करते वक्त भावुक हो गए थे रक्षामंत्री

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : श्रीरामजन्मभूमि मंदिर परिसर अंगद टीला पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिस अयोध्या में कभी संघर्ष नहीं होता था, उस अयोध्या में पिछली सरकारों के शासन में आतंकी हमले होते थे। अयोध्या को लहुलूहान करने का प्रयास हुआ था, लेकिन जहां प्रभु की कृपा बरसती हो, जहां हनुमानगढ़ी में स्वयं हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, वहां कोई आतंकी कैसे घुस जाता। 2005 में जैसे ही आतंकियों ने दुस्साहस किया, पीएसी के जवानों ने ठक-ठक करके उन्हें मार गिराया।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के अंदर तीन महत्वपूर्ण घटनाओं को अयोध्या कभी विस्मृत नहीं कर सकती। स्वतंत्र भारत में पहली बार 5 अगस्त 2020 को किसी प्रधानमंत्री ने श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 (पौष शुक्ल द्वादशी) को प्रधानमंत्री ने रामलला की भव्य मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न किया। 25 नवंबर 2025 को विवाह पंचमी पर प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के मुख्य शिखर पर सनातन धर्म की भगवा ध्वजा को प्रतिष्ठित किया, संदेश दिया कि सनातन से ऊपर कोई नहीं। सनातन का पताका हमेशा ऐसी ही दिखाई देगी।

कहा यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में और संगठन के दायित्वों का निर्वहन करते राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है। रक्षा मंत्री प्रतिष्ठा द्वादशी पर जब मां अन्नपूर्णा के मंदिर पर सनातन धर्म की ध्वजा का आरोहण कर रहे थे तो मैंने उन्हें भावुक होते देखा है।

पांच साल में 45 करोड़ श्रद्धालु आए अयोध्या

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले अयोध्या में नागरिक सुविधाएं नहीं थी। जयश्रीराम बोलने पर लाठी और गिरफ्तारी होती थी, लेकिन अयोध्या के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए अब देश-दुनिया का हर सनातन धर्मावलंबी अब यहां दर्शन करके अविभूत होता है। पिछले पांच साल में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या आए। सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी के रूप में हो गई है।

रामभक्तों ने नहीं की लाठी और गोली की परवाह

सीएम योगी ने कहा कि हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है। कहा कि 1528 से लेकर 1992 और इसके बाद भी अयोध्या में हर 20-25 वर्ष में राम मंदिर को वापस लेने के लिए राम भक्त लगातार संघर्ष करता रहा। वह रुका, झुका और बैठा नहीं। उसने सत्ता, दमन, लाठी व गोली की परवाह नहीं की बल्कि वह लड़ता रहा। यह आंदोलन सफलता की नई ऊंचाइयों तक तब पहुंचा, जब आरएसएस ने नेतृत्व दिया। पूज्यों संतों को एक मंच पर लाने में अशोक सिंहल ने सफलता हासिल की। गुलामी का कलंक मिटा और भव्य राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ।

यह यात्रा का विराम नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है

सीएम योगी ने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित हुआ। अयोध्या की भव्यता, दिव्यता को अनंत काल तक बनाए रखने के लिए हर सनातन धर्मावलंबी को आगे बढ़ना होगा। यह यात्रा का विराम नहीं, बल्कि नई यात्रा की शुरुआत है। पीएम मोदी ने हर भारतवासी को विकसित भारत की संकल्पना दी है। देश जब आजादी के 100 वर्ष पूरा करेगा तो हर भारतवासी का संकल्प होना चाहिए।

यह हिंदुस्तान के सम्मान का मंदिर-चंपत

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि यह सामान्य मंदिर नहीं है, यह हिंदुस्तान के सम्मान का मंदिर है। इस स्थान पर पहले भी मंदिर था। विदेशी आक्रांता ने तोड़ा, यह कार्य राष्ट्र का समाज का अपमान था। 500 साल के निरंतर परिणाम स्वरूप अपमान का परिमार्जन हुआ। इसलिए राम की जन्मभूमि पर बनाया मंदिर हिंदुस्तान के गौरव का मंदिर है। इसके ऊपर चढ़ाई गई ध्वज जैसे विश्व के अंदर भारतीय संस्कृति की ध्वजा चढ़ाई गई हो। इसके पूर्व राम मंदिर निर्माण और तैयार किए गए श्रद्धालुओं की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

एक होटल में ऋतेश्वर महाराज से मुलाकात करते पूर्व सांसद बृजभूषण और साधु-संत।

राम और कृष्ण भारत की आत्मा : ऋतेश्वर महाराज

अयोध्या। रामलला का दर्शन करने वृंदावन से अयोध्या ऋतेश्वर महाराज ने राम मंदिर में वृंदावन की चरण पादुका और बंसी को समर्पित किया है। पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बाँके बिहारी आए अवध बिहारी, और अबकी बारी मथुरा की बारी। उन्होंने हमें यहां इसीलिए भेजा है। वहां पर भी तैयारी हो गई है। सब अच्छा होगा। सब राष्ट्रवाद के लिए है। भारत की आत्मा राम और कृष्ण है। इससे किसी को विरोध नहीं होगा। सभी राष्ट्र के लोग मिलकर इसे भी बना देंगे। कहा कि आज प्रभु श्रीरामलला का आशीर्वाद लेने आया हूं। बांके बिहारी जी की चरण पादुका इतिहास में पहली बार वृंदावन के बाहर निकल कर यहां तक आई है। उनकी बंसी भी आई है। जिसे रामलला को समर्पित किया गया है। यहां से श्री राम का प्रसाद ले जाएंगे। यह द्वादशी को एक ऐतिहासिक उत्सव है। जिसे जरूर याद रखना, इतिहास में जो कभी घटना नहीं हुई।

अयोध्या व श्रीराम के प्रति छलका राजनाथ व योगी का अनुराग

विशाल तिवारी, अयोध्या।

अमृत विचार : रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' उत्सव में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की श्रीराम व अयोध्या के प्रति भक्ति ने देश के करोड़ों रामभक्तों के हृदय को छू लिया। यह न केवल राजनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन था, बल्कि सनातन संस्कृति के प्रति गहन अनुराग की अभिव्यक्ति भी दिखी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में एक सैकड़ा बार अयोध्या का दौरा किया। हर बार पहले हनुमानगढ़ी में हनुमानजी से रामलला के दर्शन की अनुमति लेने की धार्मिक परंपरा का पालन किया। वह यहां राजनेता नहीं, बल्कि एक संत की भांति सादगी, श्रद्धा और समर्पण से भरे नजर आए। इस बार श्रीराम के प्रति उनके अनुराग के साक्षी बने केंद्रीय रक्षा मंत्री रांजनाथ सिंह। दोनों नेताओं ने पहले हनुमानगढ़ी मंदिर में संकटमोचन हनुमानजी के दर्शन-पूजन की, आरती उतारी। आरती में राजनाथ सिंह की आंखें नम हो गईं, यह उनके श्रीराम मंदिर आंदोलन से जुड़े लंबे संघर्ष और भावनात्मक लगाव का संकेत रहा। जब योगी हनुमानजी की परिक्रमा को बढ़े तो राजनाथ ने भी उनका साथ दिया। दोनों राजनेता गद्दीनशीन प्रेमदास जी महराज से भी मिले, राजनाथ ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, रक्षा मंत्री ने प्रभु श्रीराम को साक्षात दंडवत भी किया, फिर आरती उतारी। ध्वजारोहण के समय राजनाथ सिंह की भावुकता फिर झलकी, जिसका योगी ने सार्वजनिक रूप से उल्लेख भी किया।

हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

रामभक्तों के दिल को छू गया राजनाथ का उद्बोधन

राम मंदिर के भूमि पूजन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ तक के समय में पहली बार अयोध्या पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का उद्बोधन देश के करोड़ों रामभक्त के दिल को छू गया। कहा कि आज से दो वर्ष पूर्व, हमारे प्रभु श्रीराम, सदियों की प्रतीक्षा के उपरांत, अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हुए। अपनी अद्भुत और तेजस्वी छवि के साथ, वे आज केवल अयोध्या ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व को कीर्ति प्रदान कर रहे हैं। कहा कि आज अयोध्या की हर गली, हर चौक, हर द्वार, हर श्वास राममय होकर आनंदित है। यह आनंद केवल अयोध्या तक सीमित नहीं है। आज पूरा अवध क्षेत्र, आज संपूर्ण भारतवर्ष और विश्व का प्रत्येक वह हृदय, जो राम को जानता है, राम को मानता है, राम को जीता है, सब एक साथ आह्लादित है।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

राजा परीक्षित का प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रोता

रानीबाजार, अमृत विचार : मसौधा ब्लाक क्षेत्र के पूरे महावीर अमौना में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन मंगलवार को कथावाचक इंद्रेश कौशिक जी महाराज ने राजा परीक्षित संवाद, शुकदेव जन्म सहित अन्य प्रसंग सुनाया। उन्होंने शुकदेव परीक्षित संवाद के साथ परीक्षित को शाप की कथा सुनाई। कथा में यजमान के साथ श्रोतागण मौजूद थे।

प्रयागराज-अयोध्या तक चलेंगी दो जोड़ी ट्रेनें

अयोध्या। उत्तर रेलवे ने माघ मेले को लेकर दो जोड़ी अनारक्षित ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। यह ट्रेन प्रयागराज-अयोध्या प्रयागराज के लिए चलेंगी। जारी विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 04251, 04252, 04253 व 04254 प्रयागराज से चलकर सुलतानपुर के रास्ते अयोध्या आएगी व इसी रास्ते वापस जाएगी। इसका संचालन एक जनवरी से 17 फरवरी 2026 तक होगा।

भागवत कथा से होता है धर्म जागरण:कथा व्यास

सोहावल, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ड्योढी कुन्दुर्खा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास मनहोमन तिवारी ने कहा कि कथा से धर्म का जागरण होता है। कथा व्यास ने बताया कि भागवत कथा के आयोजन समाज में धर्म जागरण एवं सद्भावना फैलती है। उन्होंने भगवना कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया। पहुंची जिपं सदस्य रेनू रावत ने भगवान श्री कृष्ण की आरती उतारी। जजमान अमर नाथ प्रजापति की सराहना की। श्रवण करने वालो में विपिन पांडे,प्रधान सुरवारी पूनम, नीरज, अक्षय कुमार आदि थे।

सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों को दी विदाई

अयोध्या, अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को सेवानिवृत्त हुए नौ पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन तथा दीर्घायु होने की हार्दिक कामना की गई। विदाई समारोह में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने सभी को सम्मान सहित विदाई दी। उनके योगदान को सराहा। सेवानिवृत्त होने वालों में पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक हासिम अली, सुदर्शन प्रसाद, सोमनाथ सिंह, हरेकृष्ण, राधेलाल, रेलवे उप निरीक्षक ओमकार सिंह, मुख्य आरक्षी अजय कुमार व कहार श्रीराम शामिल रहे।

रानीमऊ में हुआ कलश यात्रा का स्वागत

पटरंगा, अयोध्या। अयोध्या बाराबंकी जिले की सीमा पर स्थित अशरफपुर गंगरेला पेट्रोल पंप पर और रानी मऊ चौराहा पर बुधवार की सुबह हरिद्वार से अयोध्या धाम जा रही ज्योति कलश रथ यात्रा का गायत्री परिवार के सदस्यों ने स्वागत किया। यह यात्रा हरिद्वार गायत्री पीठ के मुख्य संयोजक प्रणव पांडेय की अगुवाई में हरिद्वार से चलकर अयोध्या धाम में समाप्त होगी। इसके अतिरिक्त मवई चौराहा पर और पटरंगा मंडी में गायत्री मंदिर पर यात्रा में शामिल सभी सदस्य रुक कर विश्राम और भोजन करेंगे। इसके बाद यह यात्रा अलियाबाद और नियामतगंज शुजागंज होते हुए अयोध्या धाम को जाएगी। यहां ओंकार नाथ गुप्ता, राम निवास गुप्ता,रामदेव शुक्ला, सियाराम यादव,राजेश शर्मा, राजेश मिश्रा, शिवकुमार, राजेश, राम नरेश गुप्ता, विश्वनाथ, रानीमऊ प्रधान प्रतिनिधि सुनील और मानसिंह सहित पटरंगा पुलिस भी मौजूद रही।

एक शाम अटल के नाम कवि सम्मेलन आयोजित

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : रुदौली में मंगलवार को एक शाम अटल के नाम आयोजित कवि सम्मेलन में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को काव्य साधना से याद किया गया। रूदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और समरसता का प्रतीक है। इस मौके पर मां कामाख्या नगर पंचायत अध्यक्ष शीतला प्रसाद शुक्ला, तेज तिवारी, गन्ना समिति चैयरमेन निर्मल शर्मा, दिनेश यादव, अटल आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य, सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

धू-धू कर जली पिकअप

सोहावल। सत्तीचौरा चौकी क्षेत्र के सारंगापुर स्थित गोविंद टेंट हाउस मालिक गोविंद रावत के घर के पीछे खडी पिकअप मे अचानक आग लग गई। मध्य रात्रि में धू धू कर जल रहे टायरों के धमाको से आसपास मे अफरा तफरी का महौल बन गया। रौनाही प्रभारी निरीक्षक लाल चंद सरोज ने बताया कि पीड़ित से मिली तहरीर में किसी पर आरोप नही लगाया है। तहरीर के अनुसार केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

निर्मला व सोना हॉस्पिटल स्टाफ के करियर पर लग सकता है ब्रेक

सरोज की मौत का मामला: दोषी व लापरवाही बरतने वालों की चल रही गोपनीयता से शिनाख्त

पुनीत श्रीवास्तव, अयोध्या

अमृत विचार : बहुचर्चित सरोज मौत कांड में स्वास्थ्य विभाग की जांच और कार्रवाई अभी नहीं थमने वाली है। मुख्य आरोपी हॉस्पिटल का लाइसेंस रद और ओटी सील करने के बाद जांच की बड़ी आंच निर्मला और सोना हॉस्पिटल कर्मियों तक पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार सरोज के इलाज और उसे अटेंड करने में लापरवाही बरतने वाले दोनों हॉस्पिटलों कर्मियों की शिनाख्त की जा रही। ऐसे कर्मियों को केवल वर्तमान हास्पिटल ही नहीं भविष्य में अन्य कहीं सेवा से प्रतिबंधित तक किया जा सकता है। इसका संकेत भी खुद मुख्य चिकित्सा

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय।

अधिकारी डॉ सुशील कुमार बनियान अमृत विचार से एक विशेष मुलाकात में दे चुके हैं।

दोनों हॉस्पिटल के कर्मियों के बयान के जरिए ऐसे कर्मियों को भी चिह्नित किया जा रहा है जो अप्रशिक्षित होने के साथ इमरजेंसी हैंडिल करने का अनुभव नहीं है।

- **बयानों के जरिए ऐसे कर्मियों को किया जा रहा है सूचीबद्ध**

पहले चरण में निर्मला हॉस्पिटल के 15 से अधिक कर्मियों का बयान स्वास्थ्य विभाग की एसटीएफ से कलमबंद किया जा चुका है। बयानों के आधार पर लापरवाह कर्मियों को छांटा जा रहा है। दोनों हॉस्पिटलों के कर्मियों पर एक साथ कार्रवाई होगी। उन्हें न केवल वर्तमान तैनाती वाले हॉस्पिटल से हटाया जाएगा बल्कि भविष्य में किसी और हास्पिटल में नौकरी न कर सके इसके लिए भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि यह कार्रवाई पूरी तरह से गोपनीय रखी जा रही है।

हंगामे के बाद से विभाग के तेवर सख्त

सीएमओ समेत केवल दो वरिष्ठ अधिकारी ही इसे जान रहे हैं। मंगलवार को जब निर्मला हॉस्पिटल संचालक डॉ. आरके बनौधा की पत्नी डॉ. रंजू बनौधा ने सीएमओ कक्ष में हंगामा काटा तब उसके बाद विभाग के तेवर अंदरूनी तौर पर और सख्त हो गए हैं। सीएमओ ऑफिस से जुड़े जांच अधिकारी डॉ वीपी त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को वीआईपीज दौरे को लेकर बयान दर्ज नहीं हो सके। आने वाले दिनों में बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी चलेगी।

दोनों हास्पिटलों के कर्मियों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। निश्चित रूप से जो लापरवाह और चिकित्सा व्यवस्था नियमों के विरुद्ध पाया जाएगा उसकी सेवाओं को भविष्य के लिए बाधित किया जाएगा। विभाग जनता के हितों से खिलवाड़ नहीं करने देगा। - **डॉ. सुशील कुमार बनियान, सीएमओ**

पार्टनरशिप के नाम पर हड़पे 9.52 लाख रुपये, केस दर्ज

अयोध्या, अमृत विचार : पार्टनरशिप के नाम पर 9 लाख रुपये हड़पने के आरोप में कोतवाली अयोध्या पुलिस ने पति-पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित विपिन सिंह निवासी अहरौली अंबेडकरनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सौरभ वर्मा व उसकी पत्नी मिथिलेश वर्मा निवासी कूढ़ा केशवपुर कोतवाली अयोध्या ने अर्नव फूड कारपोरेशन फर्म के माध्यम से महक सरसों का तेल बनाता है व व्यापार करता है। उसने मुझे व्यापार में 25 फीसदी लाभ का आश्वासन देकर व्यापार में पैसे लगाने को कहा। जिस पर मैंने उसे सितंबर 2023 में कई बार में 11.52 लाख रुपये दिए। कुछ दिन बाद उसने उन्हें दो लाख रुपये दिया। इसके बाद से पैसा देना बंद कर दिया। मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस संदर्भ में अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

- **सरसों के तेल की फैक्ट्री में तय हुई थी 25 फीसदी की भागीदारी**

नववर्ष के जश्न में डूबी रामनगरी

रात भर चला पार्टियों का दौर, रात 12 बजे के बाद हुई आतिशबाजी

नाका स्थित एक होटल में नववर्ष की पर संध्या पर जश्न मनाते लोग। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : रामलला की नगरी अयोध्या नववर्ष 2026 के स्वागत को लेकर अपनी रौ में है।एक ओर राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 'प्रतिष्ठा द्वादशी' का धार्मिक उत्सव मनाया जा रहा है, तो दूसरी ओर शहर के विभिन्न हिस्सों में पार्टियां और उत्सव चल रहे हैं। रात भर होटलों, रिसॉर्ट्स और घरों में नववर्ष की पार्टियां चलती रहीं। रात 12 बजते ही केक काटे गए, आतिशबाजी हुई व लोगों ने नववर्ष की एक-दूसरे को बधाइयां दी।

शहर में नववर्ष की पूर्व संध्या पर लाखों पर्यटक और श्रद्धालु अयोध्या में हैं। परिवारों और युवा समूहों ने राम की पैड़ी और अन्य पर्यटन स्थलों पर पिकनिक मनाई। होटल समेत रेस्टोरेंट में रात में डीजे पार्टी, संगीत कार्यक्रम और डांस का दौर चला। रात 12 बजते ही हैप्पी न्यू ईयर के शोर से शहर गूंज उठा।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर नाका मकबरा के पास फूल की दुकान पर खरीदारी करतीं लड़कियां।

दर्शन-पूजन के साथ की नववर्ष की शुरूआत

अयोध्या दर्शन पूजन करने पहुंचे श्रद्धालु व पर्यटकों ने नए साल की शुरुआत भक्ति और उत्साह के साथ करने की योजना बनाई है। कोलकाता से आई सुकन्या ने बताया कि क्लब की बजाय यहां रामलला के दर्शन और सरयू तट पर जश्न मनाना अलग अनुभव है। पंजाब से आए श्रद्धालु गुरजिंदर सिंह, स्नेहा, हरप्रीत, मीनाक्षी, गुनगुन ने बताया कि सुबह सबसे पहले रामलला व बजरंग बली का दर्शन कर नव वर्ष की शुरूआत करेंगे।

कड़ी सुरक्षा, हुड़दंगियों पर रही पुलिस की नजर

नववर्ष के जश्न में बाधा न आवे इसके लिए पुलिस रात भर चौकसी करती रही। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि नववर्ष को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पार्क, उद्यान व ऐतिहासिक स्थलों पर महिला व पुरुष पुलिसकर्मी व एंटी रोमियो स्कवॉयड की तैनाती की गई है। अपील की कि नववर्ष के जश्न में मर्यादा न खोए, अन्यथा कानूनी कार्रवाई के लिए तैनात रहें।

वीवीआईपी मूवमेंट के चलते गलियों में रही बेरीकेडिंग

अयोध्या कार्यालय। प्रतिष्ठा द्वादशी की द्वितीय वर्षगांठ पर वीवीआईपी मूवमेंट के चलते रामनगरी सुरक्षा के कड़े घेरे में रही। रामपथ पर उदया चौराहे से लता चौक तक व यहां से धर्मपथ पर साकेत पेट्रोल पंप बैरियर तक चार पहिया वाहनों के चलने पर रोक रही। अतिथियों के अयोध्या प्रवास के दौरान रामपथ की एक लेन को रिजर्व रखा गया, एक लेन से श्रद्धालु राम मंदिर व हनुमागढ़ी दर्शन पूजन को आते जाते रहे। रामनगरी में बुधवार सुबह से ही सभी प्रवेश द्वारों पर लगी बेरिकेडिंग गिरी रही। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन से एक घंटे पूर्व रामपथ को खाली करा लिया गया। एक लेन से श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए आते जाते रहे। दंतधावन कुंड, हनुमानगढ़ी चौराहा, खाकी अखाड़ा, प्रमोद वन, पोस्ट ऑफिस तिराहा, तुलसी उद्यान समेत अन्य मार्ग जो रामपथ पर मिलते हैं, वहां पर बेरिकेडिंग की सभी प्रकार के वाहनों को रामपथ पर नहीं आने दिया गया। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान डिवाइडर व फुटपॉथ पर से किसी को सड़क पर नहीं आने दिया। राम मंदिर व हनुमानगढ़ी पर दोनों राजनेताओं के दर्शन पूजन के दौरान कुछ समय के लिए आम श्रद्धालुओं का दर्शन पूजन प्रतिबंधित रहा। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि वीवीआईपी प्रोटोकाल के अनुसार सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। यह ध्यान रखा गया कि व्यवस्था के दौरान श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो।

रामलला का रूप धारण कर महाराष्ट्र से अयोध्या पहुंची वेदिका

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय वर्ष गांठ पर में श्रद्धालु आस्था और आनंद उत्सव में झूम रही है,जिसके रंग को देश भर से आए राम भक्त और चटख कर रहे हैं, ऐसा ही एक दृश्य महाराष्ट्र के राम भक्तों ने प्रस्तुत किया,जब रामलला की हूबहू चल विग्रह का रूप धारण कर एक बेटी वेदिका जय श्री राम के उद्घोष करते हुए अयोध्या पहुंची तो रामलला के इस अद्भुत,आकर्षक और वास्तविक छवि देख लोग कौतूहल से भर गए। जय श्री राम के उद्घोष से वातावरण गूंजने लगा।

अपने परिवार के साथ जन्मभूमि पथ के रास्ते राम मंदिर पहुंची और रामलला का दर्शन किया। उसकी मां दीक्षा ने बताया कि आसपास के लोग यह कहते हैं कि हमारी बेटी का चेहरा

महाराष्ट्र से श्री रामलला के स्वरूप में पहुंची वेदिका।

रामलला की मूर्ति से हूबहू मिलता है। यही नहीं हमारी बेटी रामलला को अपना हमशक्ल दोस्त मानती है, इसके मन में रामलला के प्रति श्रद्धा और भक्ति भर गई है। रामलला की विग्रह बनी वेदिका ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का सच्चा अनुसरण मर्यादा का ग्रहण करना और अहंकार को मिटाना है।

आधुनिक शिक्षा के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किए गए शिक्षक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण में परिषदीय शिक्षकों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षण कार्य में आधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रयोग को बढ़ावा देना और ई-कंटेंट निर्माण के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करना था।

शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार के दिशा निर्देशन के साथ किया गया। उन्होंने बताया वर्तमान युग डिजिटल शिक्षा का है। शिक्षकों को चौक-डस्टर के साथ-साथ स्मार्ट क्लास, दीक्षा ऐप और अन्य डिजिटल टूल्स में भी निपुण होना अनिवार्य है। डायट के प्रशिक्षण प्रभारी मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रतिभागियों को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, इंटरैक्टिव वीडियो, और क्यूआर कोड आधारित शिक्षण सामग्री का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित मूल्यांकन के बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है। नोडल प्रभारी डॉ शरीफ अहमद ने जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को सम्बोधित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पुरुष वर्ग से असगर अली सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय शुक्लापुर रुदौली ,महिला वर्ग से अंजू वर्मा प्राथमिक विद्यालय विठ्ठलपुर मसौधा को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए नामांकित किया गया।

जंप रोप बालिका प्रदेश टीम में सभी खिलाड़ी अयोध्या की

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार: तमिलनाडु में पांच जनवरी से आयोजित होने वाली 22 वीं सब जूनियर राष्ट्रीय जंप रोप चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने वाली उत्तर प्रदेश बालिका टीम में जिले की सभी 10 खिलाड़ियों ने स्थान बनाया है। एएलएस पब्लिक स्कूल की खिलाड़ियों ने राज्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश टीम में चयनित होने का गौरव प्राप्त किया। उप्र जंप रोप संघ के संयुक्त सचिव रमेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश टीम में चयनित खिलाड़ियों में सपना पाल, मानसी वर्मा, आराधना सैनी, दीपिका यादव, रीति गुप्ता, शिवांशी यादव, अनन्या कुमारी, सुहानी कुमारी, जागृति पांडेय, शशि यादव शामिल हैं। टीम कोच योगेंद्र सैनी व टीम मैनेजर संजय यादव को बनाया गया है। जंप रोप संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव रमेन्द्र सिंह, जिला संयुक्त सचिव अनुज कुमार, कोषाध्यक्ष राजीव रंजन मैथ्यूज, एएलएस पब्लिक स्कूल के निदेशक राम निहाल यादव, प्रबंधक बृजेश कुमार यादव, शारीरिक शिक्षक योगेंद्र सैनी, विशाल यादव, रंजू यादव, प्रगति दुबे, रोशनी, संजय यादव, अंकित, संदीप, अखंड प्रताप, उत्तम विश्वकर्मा ने टीम को शुभकामनाएं दी।

प्रधानाचार्यों का मान-सम्मान सर्वोपरि : मणिशंकर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.मणिशंकर तिवारी ने कहा कि विद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षिक व्यवस्था में प्रधानाचार्यों का योगदान मील का पत्थर होता है। तदर्थ प्रधानाचार्यों के सम्मान के लिए परिषद के निर्णय के आधार पर अपर मुख्य सचिव से वार्ता की जाएगी। सभी लंबित मांगों के लिए अनवरत संघर्ष चलता रहेगा।

वह एसएसवी इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य परिषद की ओर से आयोजित धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश

प्रधानाचार्य परिषद के धन्यवाद कार्यक्रम में प्रधानाचार्य को सम्मानित करते डॉ. मणिशंकर।

संरक्षक डॉ. वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी पदाधिकारी का निर्विरोध और उच्च पद पर चुना जाना ही अपने में श्रेष्ठ है। यह गौरव का विषय है कि यह सम्मान अयोध्या को मिला है। एसएसवी इंटर कॉलेज की प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारी पुनीत मेहरोत्रा ने कहा कि बेहतर शिक्षा मनुष्य को संस्कारवान, योग्य, विनम्र और देश का सुनागरिक बनाती है। परिषद के जिला कोषाध्यक्ष डॉ.उदयभान सिंह, परिषद के जिला संरक्षक डॉ.राम सुरेश मिश्रा, प्रधानाचार्य डॉ.रमेश कुमार मिश्रा, डॉ. सुनील कुमार द्विवेदी, निरंकारी सिंह, अशोक कुमार तिवारी, डॉ. रामकृष्ण मिश्रा ने भी संबोधित किया।

विभिन्न कालेजों के सेवानिवृत्त व कार्यरत प्रधानाचार्य सम्मानित

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के सेवानिवृत्त और कार्यरत प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, पीएन सिंह, रुही पाल, नेहा सिंह, रणजीत सिंह, जितेंद्र कुमार राव, तिलकधारी सिंह, शुभम तिवारी, रामभद्र दास, शोभनाथ वर्मा, देवी प्रसाद वर्मा, गोपाल सिंह, अरुण सिंह, पीयूष, अवधेश कुमार शुक्ला, राम कृपाल को पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। परिषद के जिला मंत्री राम प्रिया शरण सिंह ने संचालन किया।

छठवें दिन नदी से मिला लापता युवक का शव

शहनाई गूंजने से पहले उठ गई अर्थी

सोहावल, अयोध्या

अमृत विचार : खंडासा थाना क्षेत्र के खानपुर गांव का लापता युवक शुभम रावत का शव बुधवार को घाघरा नदी से बरामद किया गया। वह 26 दिसंबर से घर से लापता था। फरवरी में उसका विवाह था। शादी के पहले ही उसकी मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक है।

परिजनों के मुताबिक शुभम रावत (21) पुत्र आसा राम पिछली 26 दिसंबर को अपने घर से दो अन्य युवकों के साथ निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो रौनाही थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। रिपोर्ट में दो युवकों के साथ निकलने की बात दर्ज होने पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों युवकों ने शुभम् के ढेमवा के पास घाघरा नदी में कूदने की बात कही। पुलिस ने एसडीआरएफ के सहयोग से सर्च ऑपरेशन चलाया। एसडीआरएफ टीम प्रभारी अंकित यादव के नेतृत्व बुधवार को युवक का शव नदी से बरामद कर लिया गया। गांव के लोगों का कहना है कि शुभम की शादी फरवरी माह में तय थी। जिस घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसर गया। बहनें विलाप कर रही हैं। पिता आशाराम अचेत हो जा रहा था। रौनाही थाना प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी निगरानी में पोस्टमार्टम के लिए शव को भेजा गया। रिपोर्ट आने के बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- **फरवरी में होनी थी युवक की शादी, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल**
- **26 दिसंबर को घर से लापता हुआ था युवक**

नववर्ष का स्वागत | **जयपुर, शिमला व मनाली नहीं अब अयोध्या बनी प्रिय स्थली**

युवाओं को भा रही रामनगरी की आध्यात्मिक गर्माहट

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी आस्था के साथ युवाओं का सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल बन चुकी है। कभी नए साल और छुट्टियों के लिए युवाओं की पहली पसंद जयपुर, शिमला और मनाली जैसे हिल स्टेशन होते थे लकेकिन अयोध्या औ्र रामलला का दर्शन पहली पसंद बन रहा है। प्रतिष्ठा द्वादशी और नववर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर भीड़ का संकेत यही है।

31 दिसंबर को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी मनाई गई। सुबह से ही लाखों श्रद्धालु रामलला के दर्शन

के लिए उमड़े। ठंड के बावजूद युवा पीढ़ी खासा उत्साहित दिखी। राम मंदिर परिसर, राम की पैड़ी, हनुमानगढ़ी, कनक भवन और सरयू घाट हर जगह युवाओं की भीड़ छाई रही। पहले वीकेंड पर पहाड़ों की ठंडक याद की जाती थी, अब रामनगरी की आध्यात्मिक गर्माहट युवाओं को खींच रही है। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करने की होड़

युवाओं में सेल्फी फीवर है। लता चौक पर लगी वीणा, राम पथ, सरयू तट पर जलते दीपक, हर जगह फोटो खींचने और सोशल मीडिया पर शेयर करने की होड़ है।

अयोध्या आना अब ट्रेंड : राहुल

दिल्ली से आए युवा राहुल ने कहा कि अयोध्या सुंदर और सुविधा संपन्न हो गई। यहां आना अब ट्रेंड बन गया है।

अगले वर्ष पत्नी को लेकर आऊंगा: अर्जुन

नैनीताल से आए प्राइवेट जाब करने वाले अर्जुन कहते हैं अयोध्या बहुत ही अच्छा दर्शनीय स्थल लगा। वह दोस्तो के साथ थे। कहा अगले साल मेरी शादी है। पत्नी के साथ दर्शन करने अयोध्या ही आयेंगे।

स्थानीय लोग बोले- अयोध्या का होने पर गर्व हैं

स्थानीय लोग भीड़ देख कर मुदित हैं। स्थानीय निवासी प्रकाश तिवारी ने कहा प्रभु रामलला के दर्शन से मन को शांति मिलती है। आज का दिन हमारे लिए स्वर्ग जैसा है। दुकानदार सुमित्रा देवी कहती हैं हमारी पीढ़ियों की प्रार्थना आज फलीभूत हुई है। नव वर्ष पर राममय अयोध्या देखकर गर्व हो रहा है।

मिल्कीपुर में पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

मिल्कीपुर, अयोध्या।

अमृत विचार: सेवा ही संकल्प अयोध्या जनकल्याण के तत्वावधान में भाजपा नेता संतोष सिंह से अपने पिता स्व. शिव सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित स्व. शिव सिंह स्मारक पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को किया गया।

उद्घाटन विधायक चंद्रभानु पासवान ने किया। हिसामुद्दीनपुर गांव के खेल मैदान पर आयोजित प्रतियोगिता में विधायक चंद्रभानु ने कहा कि खेल व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस प्रकार के खेल आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच पलिया लोहानी और कटरा टीमों के बीच खेला गया, जिसमें निर्धारित आठ ओवरों के मुकाबले में पलिया लोहानी टीम ने जीत दर्ज की। आयोजक संतोष सिंह ने बताया कि अयोध्या मंडल की कुल 24 टीमें इस पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। संचालन अंतिम उपाध्याय ने किया। राकेश तिवारी, नरसिंह, रामबाबू तिवारी, रण विजय सिंह, सनी सिंह, सरवरे आलम सहित सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद रहे।

- **खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग: विधायक**

समस्त जनपद वासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुजीत सिंह
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर पुर
विकास खंड मवई जनपद अयोध्या।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, गोसाईगंज (अयोध्या)
की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं।
नया साल आपके जीवन में
स्वास्थ्य, समृद्धि और सफलता लेकर आए।

पंकज सिंह
ब्रांच मैनेजर
संपर्क: 9554968232

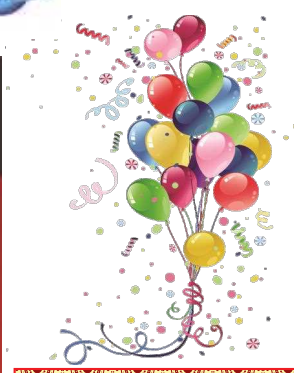

समस्त जनपद वासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं

रामधारी यादव
पूर्व प्रधान एवं
प्रधान पद दावेदार,
ग्राम पंचायत
बेलगरा तारुन।

सभी जनपदवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं

अवधेश प्रसाद
अयोध्या सांसद

धर्मवीर वर्मा
समाजवादी नेता
द्वारा प्रसारित- 276 विधानसभा,
गोशाईगंज, जनपद- अयोध्या

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस
की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अतुल वर्मा
भारत ईंट उद्योग व अन्य
उद्योग, अख्तियार पुर
रुदौली जनपद अयोध्या।

कविता वर्मा
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खंड मवई
अयोध्या।

समस्त रुदौली विधान सभा क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक बधाई

एहसान मो.अली
उर्फ चौधरी शहरयार
विशेष आमंत्रित सदस्य
प्रदेश कार्यकारिणी,
समाजवादी पार्टी
271-विधान सभा क्षेत्र रुदौली

आप सभी को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं
मनीष कुमार पाण्डेय

रानोपाली, अयोध्या

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लालता प्रसाद यादव
ग्राम प्रधान अशरफ
नगर विकास खंड
मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामू रावत
ग्राम प्रधान मोहम्मद पुर
दाऊद पुर विकास खंड
मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

संजय कुमार सावन
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि
अशरफपुर गंगरेला विकास
खंड मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रेनू यादव
ग्राम प्रधान
पत्नी भानु प्रताप यादव ग्राम सभा नवरोज पुर बघेड़ी
विकास खंड मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

गुंजन पाण्डेय
ग्राम विकास अधिकारी सोहावल

सभी क्षेत्रवासियों, माताओं, बहनों को
नए वर्ष 2026
की हार्दिक बधाई

रेनू रावत
जिला पंचायत सदस्य सोहावल तृतीय

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुनीता यादव
प्रधान,
ग्राम पंचायत यादवपुर तारुन।

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

उदयभान वर्मा
प्रबंधक

मिथिलेश वर्मा
प्रधानाचार्य, टीडी पब्लिक
इंटर कॉलेज बेलहिया
नसरतपुर तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामनयन यादव
ग्राम विकास अधिकारी,
थरिया कला, विकासखंड तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

संतोष कुमार यादव
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दुल्लापुर
विकास खंड मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लाल बहादुर वर्मा
प्रधानाध्यापक
पूर्व माध्यमिक विद्यालय नब्सा/ब्लॉक मंत्री
जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नूर मोहम्मद
प्रधान
ग्राम पंचायत सहसीपुर तारुन

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

ओमनाथ वर्मा
प्रबंधक, योग विद्यापीठ इंटर
कॉलेज बेलगरा तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

के.डी. चौबे
प्रधानाचार्य,
सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर
कॉलेज, लालगंज रोड तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुशील कुमार
लेखपाल संघ अध्यक्ष,
समाजसेवी सोहावल।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अमरेश कुमार यादव
उर्फ सोनू यादव
युवा प्रधान पद प्रत्याशी ग्राम सभा जैसुख पुर
विकास खंड मवई जनपद अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

संजीव कुमार सिंह
उर्फ संजू सिंह
समाजसेवी, प्रगतिशील किसान,
ग्राम पंचायत देवराकोट सोहावल।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रामचंद्र रावत
प्रधान ग्राम पंचायत सारंगापुर,
विकासखंड सोहावल अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राम तेज
प्रधान ग्राम पंचायत मीसा,
विकासखंड रुदौली।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

गंगाराम वर्मा
वरिष्ठ नेता सदस्यता मंडल प्रभारी
राष्ट्रीय लोक दल अयोध्या।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नदीम मलिक
प्रधान ग्राम पंचायत मुस्तफाबाद
बड़ागांव सोहावल।
निवेदक- अनिमेष त्रिपाठी ग्रा0 पं0 सचिव मुस्तफाबाद।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हरीराम निषाद
प्रधान ग्राम पंचायत तारुन

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. मंशाराम वर्मा
प्रबंधक,
डायमंड इंटर कॉलेज तारुन।

नव वर्ष, मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस की
सभी ग्राम वासियों और
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

वीरु जायसवाल
समाजसेवी/प्रधान पद दावेदार,
नारायनपुर लालगंज बाजार तारुन।

समस्त जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

कुलदीप मिश्रा (सीईओ)
अथरिस फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, लौव्वा टेपरा बेलसर, गोण्डा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

स्व प्रोफ़ेसर डा० वीरेंद्र कुमार गोस्वामी
डा० आशीष वीरेंद्र गोस्वामी (बाबा)
कुम्हरौरा करनैलगंज गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

जय मां विंध्यवासिनी | मिशन 2026 | ऊँ. नमः शिवाय

- सभी निर्वाचित ग्राम पंचायत सदस्यों को 2000 रुपए व क्षे. पं. स. को 2500 रुपए प्रतिमाह देकर सम्मानित किया जाएगा।
- सभी पात्रों को 500 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी।
- कक्षा 01 से 12 वीं तक के सभी छात्रों को 500 रुपए प्रतिवर्ष।
- बेटियों की शादी में 11 हजार से 01 लाख तक मदद की जाएगी।
- 05 बीघे से कम जमीन वाले किसानों को प्रतिवर्ष खाद, बीज व डीजल की मदद की जाएगी।
- चार धाम यात्रा के लिए निः शुल्क व्यवस्था

आपका अपना
महेंद्र प्रताप सिंह
प्रधान पद प्रत्याशी
ग्राम पंचायत
सेमरीकला बेलसर, गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक पाण्डेय
वन दरोगा
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

गणेश पाण्डेय
(समाजसेवी)
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष पाण्डेय
(समाजसेवी)
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

आशीष गिरि
नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा
महंत भैरवनाथ मंदिर
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

अजहर हेल्थ केयर पाली क्लीनिक एंड अजमल मेडिकल्स
डा० मोहम्मद अजहर एमबीबीएस
जनरल फिजीशियन
विशुनापुर बाजार गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

लईक अहमद
पूर्व प्रधान
एवं लईक ब्रिक फील्ड, लोनावा दरगाह
खरगूपुर गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

जगदीश शरन पाण्डेय
पूर्व प्रधान
ग्राम पंचायत रांगी
ब्लाक तरबगंज गोण्डा
निवेदक- देवी प्रसाद पाण्डेय

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डा० वहीद खान
रायल हास्पिटल जच्चा बच्चा केंद्र
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डा० शहील अहमद
वारसी हास्पिटल
रेलवे स्टेशन के सामने
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

....
प्रधान प्रतिनिधि
परसिया गूदर एवं क्षेत्र पंचायत
सदस्य विकास खंड इटियाथोक

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

रामनरेश मौर्य
ग्राम प्रधान
निधिनगर, विकासखंड रुपईडीह
खरगूपुर गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद शकील खान
सुप्रीयर डायग्नोस्टिक सेंटर
तहसील रोड
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवम खेतान
खेतान मेडिकल्स
सरकारी अस्पताल के सामने
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सुपर डायग्नोस्टिक सेंटर, एंड सिटी स्कैन सेंटर

सरकारी अस्पताल के सामने , करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

KIDZEE
NAWABGANJ
OPENING SOON....

डा० स्नेहा सिंह
(डायरेक्टर) किडजी
नवाबगंज गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रो. मनीष कुमार पटवा
जय बजरंगबली मेडिकल स्टोर
थोक दवाओं के एकमात्र विक्रेता
पुरानी बाजार, खरगूपुर गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

पवन कुमार यादव
प्रधान पद प्रत्याशी
दुर्गागंज माझा
नवाबगंज गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश यादव
युवा समाजसेवी, प्रधान पद प्रत्याशी
कटरा भोगचंद
नवाबगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

जे के फर्नीचर
प्रोपराइटर - काजी जकी उस्मानी
शाहपुर नवाबगंज गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवजी दूबे
समाजसेवी
प्रत्याशी जिलापंचायत सदस्य
हलधरमऊ
करनैलगंज (गोंडा)

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

मदन मोहन पाडेय
ग्राम प्रधान
असिधा विकासखंड रुपईडीह
खरगूपुर गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

नसीर अहमद उर्फ भुट्टो
पूर्व प्रधान एवं ज्वेलर्स
विशुनापुर बाजार
रुपईडीह गोंडा

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

अफसर अली
ग्राम प्रधान
विशुनापुर बाजार
विकासखंड रुपईडीह
गोंडा

समस्त सुलतानपुर जनपदवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 मकर संक्रान्ति गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हनुमान प्रसाद सिंह
प्रबन्धक
प्राचार्य
डॉ. अवनीश कुमार सिंह (गुड्डू)
कमला प्रसाद सिंह विधि महाविद्यालय
मथुरा नगर, रामगढ़-सुलतानपुर
एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)
कमला प्रसाद सिंह महिला महाविद्यालय
मथुरा नगर, रामगढ़-सुलतानपुर
कमला प्रसाद सिंह शिक्षा समिति
मथुरा नगर, रामगढ़ (लम्भुआ)-सुलतानपुर
कमला प्रसाद सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मथुरा नगर, रामगढ़-सुलतानपुर
बी०ए०, बी०बी०ए०, बी०पी०एड्०, बी०एड्०, बी०टी०सी०, एम०ए०, बी०एस०सी० (गृहविज्ञान), पी०जी०डी०सी०ए०
बी०एस०सी०:-
एजी (कृषि) एवं पीजी डिप्लोमा इन योगा
एम०एस०सी०:-
गणित, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 मकर संक्रान्ति गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश चन्द्र दूबे
अध्यक्ष
प्रधान संघ-लम्भुआ
सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 मकर संक्रान्ति गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. गुलाब सिंह
प्रधानाचार्य
सर्वोदय इण्टर कॉलेज
लम्भुआ-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अब्बास अहमद खान
एडवोकेट
जिला एवं सत्र न्यायालय-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
अवधेन्द्र कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह
प्रबन्धक
हौसिला प्रसाद सिंह स्मारक पी.जी. कालेज
सुलतानपुर
मो.9473597880

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
कृष्ण कुमार यादव
पूर्व मण्डल अध्यक्ष-भाजपा, हलियापुर
प्रधान प्रतिनिधि-भवानीगढ़

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस
डी.हालमार्क वर्ल्ड साइंस इण्टर कालेज
पीढ़ी रोड, बगिया चौराहा, जयसिंहपुर-सुलतानपुर
मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएँ
शोभावती शिक्षण सेवा संस्थान इण्टर कालेज
भेवतरी मुड़ली चौराहा, जयसिंहपुर-सुलतानपुर
संस्थापक
डॉ. जय प्रकाश वर्मा
मो.9450214542

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
शिव शंकर प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत-भीलमपुर
वि.ख. दोस्तपुर-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
राजू वर्मा
प्रधान प्रतिनिधि
गुड़िया वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-बरसोमा, वि.ख. जयसिंहपुर, सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
संतोष कुमार पाण्डेय
एडवोकेट
जिला एव सत्र न्यायालय-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
पंडित कृष्णकांत मालवीय
भगवताचार्य
सिविल कोर्ट-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
सुनीता पाल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-कटघर पूरे चौहान

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
आनन्द कुमार मिश्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-महमूदपुर सेमरी, जयसिंहपुर-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
रविशंकर गुप्ता
ग्राम विकास अधिकारी
वि.ख. कूरेभार-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
दिव्यराज सिंह (लकी) ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
खारा, धनपतगंज-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
बलराम यादव प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत-गोसैसिंहपुर
वि.ख. दोस्तपुर-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
ओमेन्द्र सिंह ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
पीपरगाँव, धनपतगंज-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
मिर्जा अल्ताफ बेग
प्रबंधक
चाचा नेहरू इण्टर कॉलेज मानिकपुर
कूरेभार-सुलतानपुर
मो.9415969319

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
दिनेश चन्द्रा
जिलाध्यक्ष
शिक्षामित्र संगठन-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रकाश कुमार मिश्र
ए.डी.ओ पंचायत
वि.ख. कूरेभार-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
दान बहादुर निषाद प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत
बरासिन, धनपतगंज-सुलतानपुर

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल
सीताराम वर्मा
क्रिकेट प्रतियोगिता 2026
भव्य उद्घाटन 1 जनवरी दिन-गुरुवार
सभी खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कार

2026
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत
5 लाख तक का मुफ्त ऑपरेशन प्रतिवर्ष
जनरल सर्जरी • ऑंख गायनी • आर्थोपेडिक्स • यूरोलॉजी
राहत हास्पिटल एण्ड आर्थोकेयर सेन्टर
अखण्ड नगर रोड, बढ़ौली, दोस्तपुर-सुलतानपुर

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
Multispeciality Hospital
संध्या हास्पिटल
पता- अखण्डनगर रोड, दोस्तपुर सुलतानपुर
आयुष्मान कार्ड से फ्री ऑपरेशन की सुविधा

आप सभी जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 गणतन्त्र दिवस मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रमोद दूबे
रोजगार सेवक
वि.ख. दोस्तपुर-सुलतानपुर

न्यूज ब्रीफ

ग्राम प्रहरियों को दिए चौकस रहने के टिप्स

रुपईडीह, अमृत विचार : कौड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों की बैठक थाना परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह ने उपस्थित सभी लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बैठक में उन्होंने उपस्थित सभी ग्राम प्रहरियों को साफा, कोट व जूता मोजा वितरित किया। एसएसआई खुश मोहम्मद, दारोगा धर्मेंद्र यादव व अमरजीत सोनकर, प्रधान आरक्षी उमेश यादव, राजेश मौर्य आदि लोग भी उपस्थित रहे।

आरक्षित भूमि पर कब्जे का आरोप

नवाबगंज, गोंडा : कस्बे के बढ़ई पुरवा मोहल्ले में वृक्षारोपण की आरक्षित सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। मोहल्ला निवासी राजेश कुमार गौतम ने थानाध्यक्ष को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उक्त भूमि पर रामगत निषाद, सोनू, कपिल, सुनील व अनिल द्वारा जबरन कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया गया कि सोमवार को आरोपियों ने मौके पर सीमेंट के पिलर गाड़कर निर्माण शुरू कर दिया, जिसकी सूचना डायल 112 पर दी गई। पुलिस के पहुंचने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में है और राजस्व टीम की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नई उमंग, नए संकल्प संग 2026 का स्वागत

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: नई उमंग और नए संकल्प के साथ वर्ष 2026 का स्वागत किया गया है। बीतता वर्ष 2025 गोंडा जिले के लिए खास उपलब्धियों वाला नहीं रहा। विकास की कई महत्वपूर्ण योजनाएं कागजों में ही सिमटी रहीं, जिसका खामियाजा आमजन को पूरे वर्ष भुगतना पड़ा।

नगर क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित सीवर लाइन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका, जिससे गोंडा शहर आज भी मूलभूत सीवरेज व्यवस्था से वंचित है। वहीं, पूरे साल जाम की समस्या ने नागरिकों को परेशान किया। प्रमुख मार्गों पर घंटों लगने वाले जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। 200 से अधिक बसों का बेड़ा वाले परिवहन निगम के पास कई दशक पुराना बस अड्डा है। हर जिले में परिवहन निगम के अड्डे दुरुस्त हो गए लेकिन गोंडा जहां था वहीं है। उम्मीद है 2026 में इसमें सुधार होगा और नए स्थान पर बस का पड़ाव होगा। इससे जाम से निजात मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाएं भी सालभर चुनौती बनी रहीं। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल सका। कई बार मरीजों को जिला मुख्यालय से बाहर रेफर करना पड़ा। जिला अस्पताल को उच्चीकृत कर मेडिकल कालेज बना दिया गया लेकिन सुविधाएं नदारद रहीं। उम्मीद है कि इस नए साल में सेहत विभाग की सेहत में सुधार होगा। इसी तरह गोंडा-अयोध्या मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य भी आगे नहीं बढ़ सका, जिससे आवागमन की समस्या बनी रही और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी कम नहीं हुआ। हालांकि, वर्ष 2026 को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं।

उम्मीद जताई जा रही है कि गोंडा और करनैलगंज में बाईपास व रिंग रोड की सौगात मिलेगी, जिससे शहर के भीतर लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिल सकेगी। इसके साथ ही गोंडा शहर को सीवरेज व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल होने की संभावना है। इसके अलावा, 125 वर्ष पूर्व स्थापित नगर पालिका के विस्तार को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। जनसंख्या और शहरी जरूरतों को देखते हुए नगर पालिका को नगर निगम या नगर महापालिका का स्वरूप दिए जाने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे विकास कार्यों को नई गति मिल सकेगी। कुल मिलाकर, भले ही 2025 उम्मीदों पर खरा न उतर सका, लेकिन 2026 से गोंडा जिले को विकास, सुविधाओं और बेहतर जीवन स्तर की नई राह मिलने की आशा की जा रही है।

जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बना सिंबल। अमृत विचार

> मंडल में विकास कार्यों को सुचारू रूप से लागू कराने के साथ ही जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। पात्रों को योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जायेगा। महिलाओं की शिकायतों के निस्तारण को चल रहा शक्ति संवाद कार्यक्रम जारी रहेगा।
> **-शशि भूषण लाल सुशील, आयुक्त, देवीपाटन मंडल**

> विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए संकल्पित हूं। श्रमिकों को उनके गांव में रोजगार उपलब्ध कराने और गरीबों को योजनाओं से जोड़ने का अभियान जारी रहेगा।
> **-अंकिता जैन, मुख्य विकास अधिकारी**

स्वागत में सजे बाजार, जमकर हुई खरीदारी

नववर्ष की पूर्व संध्या पर बुधवार को शहर के पीपल तिराहे पर बुके की तकरीबन आधा दर्जन से अधिक दुकानें सजी रहीं। इसके साथ ही दुखहरनाथ मंदिर के पास भी दुकानों को बुके से सजाया गया है। यहां दो सौ रुपये से लेकर 1500 रुपये तक के बुके दुकानों पर बिक्री के लिए सजाए गए हैं। चौक बाजार में बेकरी की दुकानों पर चाकलेट से लेकर अलग-अलग टेस्ट के केक सजाए गए हैं। ढाई सौ रुपये लेकर पांच हजार रुपये तक के केक दुकानों पर बिक्री के लिए तैयार हैं। दर्शन बेकर्स, सिंध बेकर्स, खुराना बेकर्स समेत कई दुकानों पर केक की बिक्री के लिए बाकायदा टेंट लगाया गया है। आवास विकास कालोनी के रहने वाले रमेश तिवारी, मदन मिश्र आदि ने बताया कि नव वर्ष पर सुबह मंदिर में अपने आराध्य का दर्शन पूजन के बाद नए वर्ष के पहले दिन की शुरुआत की जाएगी।

> पीड़ितों को सुलभ न्याय दिलाने के लिए विशेष प्रयास होगा। आपसी सौहार्द और शांति बनाने के लिए लोगों को जागरुक करने के साथ ही करने फ्रेंडली पुलिसिंग से जनता के साथ बेहतर तालमेल लाने की कोशिश करेंगे।
> **-अमित पाठक, आईजी, देवीपाटन परिक्षेत्र**

> सरकार की तरफ से संचालित योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचे इसके लिए प्रशासनिक मशीनरी को और भी चुस्त दुरुस्त बनाया जायेगा। जिले की स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर रहेगा।
> **-प्रियंका निरंजन, जिलाधिकारी**

> आम जनता को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए पुलिस हमेशा संकल्पित है। अपराधियों पर पूर्ण और प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। आमजन को सुरक्षा और पीड़ितों को निष्पक्ष न्याय दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।
> **-विनीत जायसवाल, पुलिस अधीक्षक**

संभल कर मनाएं नया साल, "ड्रिंक एंड ड्राइविंग" पर रहेगी पुलिस की नजर

संवाददाता, गोंडा

विनीत जायसवाल, पुलिस अधीक्षक।

अमृत विचार: नए वर्ष की पार्टी के नाम पर शराब पीकर वाहन चलाना आपको भारी पड़ सकता है। ड्रिंक एंड ड्राइविंग पर गोंडा पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। अगर कोई शराब पीकर वाहन चलाता पाया गया तो पुलिस उससे सख्ती से निपटेगी। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पूरे दिन पुलिस का विशेष अभियान चलेगा और ओवर स्पीड वाहनों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। खासकर युवा अगर ट्रिपलिंग के साथ स्पीड ड्राइविंग करते मिले तो उन्हे हवालात की यात्रा करनी पड़ सकती है। एसपी विनीत जायसवाल ने पुलिस को ड्रिंक एंड ड्राइविंग करने वालों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है।

नए वर्ष पर कई लोगों ने जश्न मनाने का तैयारी कि होगी। इस जश्न में मौज मस्ती के साथ अधिकतर लोग ड्रिंक भी करेंगे। लेकिन ड्रिंक के बाद ड्राइविंग करना भारी पड़ सकता है। पकड़े जाने पर पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। यह कार्रवाई जुर्माने से लेकर हवालात तक की हवा खिला सकती है। "ड्रिंक एंड ड्राइविंग" करने वालों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने एक्शन प्लान तैयार किया है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि अक्सर यह देखने में आता है लोग शराब पीकर वाहन चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटना की आशंका रहती है। इससे आम जनमानस को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को शराब पीकर उत्पाद मचाते हुए देखा गया है। इस स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए नव वर्ष के दिन विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। पार्टी के नाम पर सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने और ड्रिंक एंड ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। जिले के सभी थानों को चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। सड़कों पर स्पीड ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ भी पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। एसपी ने सभी को नव वर्ष की बधाई देते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

नंदिनी नगर में आज से गूंजेगा राष्ट्र व रामभाव का स्वर

नवाबगंज, गोंडा

ऋतेश्वरानंद जी का स्वागत करते कैसरगंज सांसद करन भूषण सिंह और सदर विधायक प्रतीक सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार: पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिवस पर नंदिनी नगर महाविद्यालय परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति की दिव्य अनुभूति से आलोकित होने जा रहा है। 1 जनवरी से 8 जनवरी तक आयोजित होने वाला राष्ट्र कथा महोत्सव श्रद्धा, साधना और सेवा का अनुपम उदाहरण बनेगा। इस महायज्ञ के मुख्य यजमान एवं राष्ट्र कथा वाचक राष्ट्रीय संत सद्गुरु रीतेश्वरा नंद महाराज होंगे, जिनकी अमृतवाणी से राष्ट्रधर्म, सनातन संस्कृति और जीवन मूल्यों का संदेश प्रवाहित होगा। नंदिनी नगर महाविद्यालय के व्यवस्था प्रमुख डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए हर व्यवस्था सेवा-भाव से की गई है, ताकि कथा श्रवण में कोई बाधा न आए और भक्त पूरी तन्मयता से कथा रस का आस्वादन कर सकें।कथा स्थल पर लगभग दो लाख वर्गफुट क्षेत्र में तीन विशाल जर्मन हैंगर पंडाल सजाए गए हैं। इनमें 25 हजार श्रद्धालुओं के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था है। एक साथ करीब 50 हजार श्रद्धालु कथा का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए पंडाल परिसर में इलेक्ट्रॉनिक हीटर और अलाव की व्यवस्था भी की गई है। कथा के दौरान संत-महात्माओं एवं विशिष्ट अतिथियों के लिए वीआईपी और वीवीआईपी खंड बनाए गए हैं, जहां लगभग 800 वीआईपी एवं 800 वीवीआईपी भक्तों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। आम भक्तों के लिए तीन प्रवेश द्वार, जबकि विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग प्रवेश द्वार निर्धारित किए गए हैं। महोत्सव की शोभा बढ़ाने के लिए अयोध्या धाम के प्रतिष्ठित संत-महात्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जिससे कथा का आध्यात्मिक प्रभाव और भी गहन होगा। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। जिला चिकित्सालय व स्थानीय सीएचसी के चिकित्सकों की टीम के साथ-साथ नंदनी नगर के गोनार्द ट्रामा सेंटर की विशेषज्ञ टीम द्वारा 24 घंटे चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। व्यवस्था प्रमुख के अनुसार राष्ट्र कथा महोत्सव में सहभागिता के लिए देशभर में लगभग तीन लाख आमंत्रण पत्र वितरित किए गए हैं, साथ ही डिजिटल आमंत्रण भी प्रेषित किए गए हैं। आयोजन के लिए पीएम, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, अनेक मंत्री, सांसद, विधायक, प्रसिद्ध संत-महात्मा व उद्योग जगत की विभूतियों को आमंत्रित किया गया है।

जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, केस

मनकापुर, गोंडा: क्षेत्र के ग्राम मनकापुर मजरा तेलियन पुरवा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों ओर से गाली-गलौज, लाठी-डंडों से हमला और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। एक पक्ष के पंकज कुमार ने कन्हैया, अरुण कुमार व सूरज पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरे पक्ष से प्रभावती ने पंकज, संदीप, सोनिया व मीना पर हमला करने का आरोप लगाया है। मारपीट में दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आने की बात कही गई है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मारपीट व धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रामभक्तों ने निकाली हिंदू गौरव शोभायात्रा

कटरा बाजार नगर क्षेत्र में शोभायात्रा के दौरान उपस्थित रामभक्त। अमृत विचार

कटरा बाजार, गोंडा : बुधवार को कटरा बाजार में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर श्री हनुमान गढ़ी मंदिर जीर्णोद्धार समिति की अगुवाई में हजारों की संख्या में रामभक्तों ने गाजे-बाजे के साथ हिंदू गौरव शोभायात्रा निकाली। रथ पर प्रभु श्री राम की शोभा यात्रा हनुमान गढ़ी मंदिर से प्रारंभ होकर सम्मय माता मंदिर, पांडेय तिराहा, शंकर चौराहा, पीपल चौराहा होते हुए हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंची। जहां पर पूजा आरती के बाद समापन यात्रा का समापन हुआ। पूरा नगर क्षेत्र राममय रहा। शोभायात्रा प्रशासन की देखरेख में सकुशल संपन्न हुई। रात को लोगों ने मंदिरों पर आतिशबाजी के साथ दीप प्रज्वलित कर भंडारा के साथ खुशियां मनाई। कार्यक्रम में राजू रस्तोगी, उमाकांत, मोहित रस्तोगी, गोपाल रस्तोगी, राजेश, सुमित सहित रामभक्त उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधान की हृदयाघात से मौत

रुपईडीह, गोंडा : ब्लॉक की ग्राम पंचायत तेलियानी पाठक के पूर्व प्रधान रघुवंश लाल पाठक नानमून (65) की हृदय गति रुक जाने से अचानक मृत्यु हो गई। इस घटना पर भाजपा मंडल रुपईडीह के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत मिश्र, ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष विवेक शुक्ल, गोली दूबे, महेश शुक्ल आदि लोगो ने दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना जाहिर की।

जमीनी विवाद में मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

नवाबगंज, गोंडा : थाना क्षेत्र के मौहारी गांव निवासी गुलाबचंद्र ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि जमीनी विवाद में गाँव के ही आशीष, सतीश व नरसिंह ने मंगलवार की सुबह 9 बजे गाली देते हुए लाठी डंडे से मारा पीटा। बचाने आयी पत्नी व बेटी को भी मारा। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है, कार्यवाही की जा रही है।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को विदाई देते एसपी व एएसपी।

विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : पुलिस विभाग से अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर एक रेडियो निरीक्षक, चार उपनिरीक्षक और एक मुख्य आरक्षी सेवानिवृत्त हो गए। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शॉल व फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें छाता, धार्मिक पुस्तकें, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिसकर्मियों का विभाग के प्रति योगदान सराहनीय रहा है और भविष्य में भी उन्हें विभाग की ओर से यथासंभव सहयोग दिया जाएगा।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत, प्रशिक्षु आईपीएस प्रदीप कुमार, प्रतिसार निरीक्षक, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के परिजन एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी मे रेडियो निरीक्षक पान कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी, यादवेन्द्र कुमार सिंह,गायत्री मिश्रा, मैनुद्दीन तथा मुख्य आरक्षी संजय कुमार सिंह शामिल हैं।

स्कूल फार्म की जमीन से कब्जे को प्रशासन ने ढहाया

उमरी बेगमगंज, गोंडा: तहसील क्षेत्र के ग्राम बरौली में गाटा संख्या 1676 स्कूल फॉर्म की जमीन पर नबी हुसैन द्वारा किए गए अवैध कब्जे के विरुद्ध बुधवार को राजस्व और पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई की। तहसीलदार न्यायिक के आदेश पर टीम ने मौके का सीमांकन कर मिट्टी की दीवार और छप्पर हटवा दिए। अतिक्रमणकारी के अनुरोध पर प्रशासन ने पक्का निर्माण खुद हटाने के लिए 1 जनवरी 2026 तक का समय दिया है। गठित टीम में नायब तहसीलदार जयशंकर सिंह व अहमद हसन, राजस्व निरीक्षक अवधेश कुमार द्विवेदी, राजस्व निरीक्षक वीरेंद्र प्रताप सिंह, लेखपाल रामेश्वर दत्त तिवारी, विक्रम बहादुर, विजय प्रकाश तिवारी, सुशील कुमार मिश्रा, नवीन कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

पंचायत निर्वाचन सूची में फर्जी वोटरों के शामिल करने का लगाया आरोप

उमरीबेगमगंज, गोंडा: ग्राम पंचायत सोनौली मोहम्मदपुर में पंचायत निर्वाचन नामावली को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। पूर्व प्रधान देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ राजू ने उप जिला अधिकारी को लिखित आपत्ति दर्ज कराते हुए मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने का दावा किया है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार वार्ड संख्या 1,2 ,3 में एक ही नाम के मतदाता को दो बार दर्ज किया गया है। वहीं वार्ड संख्या 14 और 15 में भी फर्जी मतदाताओं के नाम सूची में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इतना ही नहीं, ग्राम पंचायत बरौली व पसका के निवासी मतदाताओं के नाम सोनौली मोहम्मदपुर की निर्वाचन नामावली में दर्ज पाए गए हैं। पूर्व प्रधान का आरोप है कि नई मतदाता सूची में बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं के नाम जानबूझकर शामिल नहीं किए गए। मृतक व बाहरी वोटरों का सूची से विलोपन नहीं किया गया। कई जीवित वोटरों के नाम निर्वाचन नामावली से हटे हैं। एसडीएम विश्वामित्र सिंह ने बताया प्राप्त आपत्तियों की जांच कराई जाएगी।

अटल जी के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत

नवाबगंज, गोंडा: क्षेत्र के कोल्हमपुर इमाम स्थित कृष्ण अवनि इंटर कॉलेज परिसर में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में अटल जी के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्र निर्माण, लोकतंत्र की मजबूती और जनकल्याण को समर्पित रहा। मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री ने कहा कि अटल जी के दूरदर्शी नेतृत्व और निर्णायक फैसलों ने भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाई। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष केके श्रीवास्तव ने अटल जी को विचार और संस्कार की राजनीति का प्रतीक बताया, जबकि जिला उपाध्यक्ष अनुपम प्रकाश मिश्र ने कार्यकर्ताओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देने वाला नेता बताया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रत्नेश मिश्र ने अटल जी के साहित्य, भाषण और काव्य को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। सम्मेलन में मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने अटल जी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

अटल स्मृति सम्मेलन का हुआ आयोजन

पूर्व पीएम की जन्म शताब्दी समारोह में मंचासीन विधायक व अन्य। अमृत विचार

इटियाथोक, गोंडा : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत बुधवार को विकास खंड परिसर में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रज्ञा त्रिपाठी एमएलसी बहराइच ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनका व्यक्तित्व और समर्पण सदैव याद रखा जाएगा। विधायक विनय कुमार द्विवेदी ने कहा कि अटल जी के विचार आज भी सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अंत में कवि सम्मेलन मनोज मिश्रा कप्तान, सौरभ जायसवाल, आशीष कवि गुरु, विनय शुक्ल अक्षत, मुकेश सोनी, संदीप सुरीला ने काव्य पाठ किया। इस मौके पर राजेश सिंह, सुरेश नारायण पांडेय, सत्यव्रत ओझा, संतोष चौरसिया, राजीव तिवारी, जगदंबा मिश्र, राजेश वर्मा, विजय यादव डॉ रामानंद तिवारी अजय राठौर, राकेश चतुर्वेदी, संदीप पांडे, विनय शर्मा आदि मौजूद रहे।

84 लोगों के नाम विलोपन सूची में, गांव में घमासान

तरबगंज, गोंडा: ग्राम पंचायत रांगी में मतदाता सूची से नाम विलोपन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। गांव निवासी ओम प्रकाश पाण्डेय एवं पूर्व प्रधान के पति जगदीश शरण पांडे ने उपजिलाधिकारी तरबगंज को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। आरोप लगाया गया है कि ग्रापं रांगी के बीएलओ राजेश कुमार द्वारा मतदाता सूची में मनमानी की गई है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार मकान क्रम संख्या 85, वार्ड संख्या 12 पर निवास करने वाली महिला का नाम पूर्व में विधिवत रूप से मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन अब उसे विलोपन सूची में डाल दिया गया है। इतना ही नहीं, आरोप है कि बीएलओ द्वारा कुल 84 लोगों के नाम विलोपन सूची में दर्ज कर दिए गए हैं, जबकि ये सभी लोग वर्तमान में गांव में निवास कर रहे हैं और मतदाता बनने की सभी पात्रताएं पूरी करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला है। मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। यही नहीं जगदीश शरण पाण्डेय की पत्नी गीता देवी पूर्व में ग्राम प्रधान रह चुकी हैं उनका नाम गायब कर दिया गया है और गांव के पूर्व बीडीसी सांवली प्रसाद व शिक्षामित्र नीलम पत्नी ओम प्रकाश का भी नाम बीएलओ द्वारा विलुप्त कर दिया गया है। आरोप है की वर्तमान ग्राम प्रधान इस साजिश में भी सम्मिलित हैं। वहीं एसडीएम तरबगंज को दिए गए प्रार्थना पत्र में मतदाता सूची में गलत तरीके से किए गए विलोपन को निरस्त कर नाम पुनः जोड़ने की मांग की गई है।

पसका मेले की तैयारियों का एसडीएम ने लिया जायजा

करनैलगंज, अमृत विचार : आगामी तीन जनवरी को क्षेत्र के सबसे बड़े पर्व पसका मेले को शांतिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बुधवार को उप जिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने मेला परिसर व स्नान घाट का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मेले को अभूतपूर्व तरीके से सुव्यवस्थित ढंग से निपटाने की तैयारी की गई है। निरीक्षण के दौरान घाटों पर अलाव, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, स्वच्छता व्यवस्था, लगाए जा रहे स्टॉलों तथा कल्पवासियों के ठहरने की व्यवस्था की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट रूप से सौंप दिए गए हैं। पुलिस ड्यूटी चार्ट भी तैयार कर लिया गया है। एसडीएम ने बताया कि मेला क्षेत्र में सफाईकर्मियों की तैनाती कर दी गई है और मोबाइल शौचालय स्थापित किए गए हैं। शौचालयों की दिन-रात सफाई सुनिश्चित की जा रही है। बैरिकेडिंग का कार्य प्रगति पर है, जबकि सड़कों की मरम्मत भी कराई जा रही है। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि पसका घाट पर कल्पवास कर रहे साधु-संतों के लिए अलाव जलाने हेतु लकड़ी की व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें और उनके शिष्यों को कंबल भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रंजिश में हुआ खूनी संघर्ष चले धारदार हथियार

नवाबगंज गोंडा: थाना क्षेत्र के परसापुर गांव में बुधवार सुबह पुरानी रंजिश एक बार फिर हिंसक रूप में सामने आ गई। दो पक्षों के बीच हुए जबरदस्त संघर्ष में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि करीब आधा दर्जन लोगों को चोटें आई हैं। मामले में दोनों पक्षों की ओर से तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने कुल 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पहले पक्ष की ओर से प्रभुनाथ यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ दिन पूर्व पड़ोसी का कुत्ता उनके घर आ गया था, जिसे उन्होंने डांटकर भगा दिया था। इसी बात को लेकर सूरज यादव, रामकुमार, अशोक, इंद्रावती, रामनरेश तथा चार अज्ञात लोग बुधवार सुबह उनके घर पहुंचे और लाठी-डंडा व फरसा से हमला कर दिया। शोर सुनकर बचाव में आई मां, पिता और भाई को भी पीटा गया। आसपास के लोगों के जुटने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से इंद्रावती ने दर्ज कराई गई तहरीर में आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश के चलते भगीरथी, रामजी, प्रभुनाथ, दानी, सुमन और राजमती एकजुट होकर लाठी-डंडा, कुदाल और बांका लेकर उनके घर पर चढ़ आए। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर कुल 12 आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दस हजार रुपये का इनामिया गिरफ्तार

उमरी बेगमगंज, गोंडा : थाना उमरी बेगमगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10 हजार रुपये के इनामिया वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक द्वारा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा एवं क्षेत्राधिकारी तरबगंज के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक उमरी बेगमगंज गोविन्द कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गुलशन सिंह पुत्र श्रीचन्द सिंह, निवासी ग्राम बरौली पूरे कलहंसन पुरवा, थाना उमरी बेगमगंज, जनपद गोण्डा (22) के रूप में हुई है।

नवागत आईपीएस प्रशिक्षु ने संभाला कार्यभार

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : भारतीय पुलिस सेवा के नवागत अधिकारी (प्रशिक्षु) प्रदीप कुमार ने जनपद में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए कार्यभार ग्रहण कर लिया, वे आईपीएस 77 आरआर (2024 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारी हैं, जिन्हें शासन स्तर से प्राप्त आदेशों के क्रम में जिले में प्रशिक्षण के लिए तैनात किया गया है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान वे पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के कार्यों से अवगत होंगे। इसके साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून एवं शांति व्यवस्था, विवेचना प्रक्रिया, यातायात प्रबंधन, जनसंपर्क तथा फील्ड ड्यूटी सहित पुलिसिंग के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। इस क्रम में वे विभिन्न थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर पुलिस कार्यों की बारीकियों को भी समझेंगे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में युवक घायल, भर्ती

जमुनहा(श्रावस्ती) : सोनवा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धुमबोझी के मजरा दुर्गापुर निवासी राजेश यादव (22) मंगलवार की शाम बाइक से नासिरगंज बाजार गए थे। जहां से वाप घर लौटते समय इमालिया के पास सामने से अचानक साइकिल सवार के आ जाने से वो अनियंत्रित होकर बाइक सहित सड़क किनारे बने गड्ढे में गिर गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजेश को राहगीरों में एंबुलेंस से सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती करवाया।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

रुपईडीहा : भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रुपईडीहा क्षेत्र में नववर्ष की पूर्व संध्या पर कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से रुपईडीहा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 42वीं वाहिनी द्वारा संयुक्त गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान कस्बे, बाजार तथा सीमा क्षेत्र में व्यापक भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। रुपईडीहा थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने बताया कि नववर्ष को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए यह संयुक्त गश्त की गई। गश्त के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर आवागमन करने वाले लोगों की सघन जांच की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। संयुक्त गश्त का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित रखना, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना रहा। सुरक्षा बलों की मौजूदगी से स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह, रुपईडीहा थाना पुलिस बल तथा रुपईडीहा सीमा चौकी पर तैनात एसएसबी के जवान मौजूद रहे।

भिनगा में आरक्षी बैरक बनकर तैयार

श्रावस्ती : कोतवाली भिनगा में आरक्षी बैरक बनकर तैयार हो गया है। जिसमें कोतवाली में तैनात आरक्षियों को जल्द ही आवासित किया जाएगा। एसपी ने निरीक्षण कर आरक्षी बैरक की व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने बुधवार को कोतवाली भिनगा के परिसर में नवनिर्मित आरक्षी बैरक का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने बैरक में उपलब्ध आवासीय सुविधाओं व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा को निर्देशित किया कि नवनिर्मित आरक्षी बैरक का शीघ्र उपयोग शुरू कराया जाय और पुलिस कर्मियों के रहने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराई जाएं। जिससे ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को समुचित आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सके।

पुलिस कर्मियों को दी गई विदाई

श्रावस्ती : पुलिस महकमे में तैनात उपनिरीक्षक दिनेश प्रसाद, श्रवण यादव, उप निरीक्षक रेडियो शाखा शशि भूषण व मुख्य आरक्षी रामतेज कन्नौजिया की सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को पुलिस कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें एसपी राहुल भाटी की ओर से सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को उनकी दीर्घकालिक, अनुशासित व निष्ठापूर्ण सेवाकाल के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। एसपी ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी व विभाग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में कानून-व्यवस्था, जनसेवा व अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

बेहतर फसल चक्र अपनाकर बढ़ा सकते आय

सलाहः जलवायु अनुकूल आजीविका कार्यक्रम को आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार ने संबोधित किया

संवाददाता, बहराइच

किसानों को संबोधित करते पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट के निदेशक ध्रुव कुमार।

अमृत विचार। गिलौला विकासखंड के मध्य नगर पंचायत भवन में जलवायु अनुकूल आजीविका कार्यक्रम का शुभारंभ पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट बहराइच एवं सीड्स, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें मृदा स्वास्थ्य एवं सूक्ष्म सिंचाई व्यवस्थापन को ध्यान में रखते हुए समुन्नत खेती पर चर्चा हुई। मध्य नगर ग्राम पंचायत पूरी से राप्ती नदी और तटबंध के बीच में बसा हुआ है जिसमें खरीफ फसल लगभग पूरी तरह से बाढ़ की भेंट चढ़ जाती है।

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्रावस्ती के आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि हम अपने फसल चक्र एवं भूमि स्वास्थ्य तथा बेहतर सिंचाई प्रबंधन के द्वारा किसानों की आमदनी को बढ़ा सकते हैं। साथ ही बाजार के अनुकूल अपने फसल समय चक्र प्रबंधन के द्वारा निपुणता से किसान अधिक आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। यह बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है और यहां पर लगभग 3 महीने नगदी फसल नहीं हो सकती है इसलिए यह आवश्यक है कि हम बाकी के 8 महीने में ही इस तरह की व्यवस्था करें जिससे प्रत्येक किसान की आमदनी अधिक हो। वहीं सीड्स नई दिल्ली के प्रतिनिधि प्रशांत कुमार ने बताया कि बेहतर सिंचाई प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यदि किसान काम करते हैं तो उनकी लागत कम होगी और अधिक आमदनी के अवसर भी बनेंगे।

पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट के निदेशक ध्रुव कुमार ने बताया कि बेहतर फसल समय चक्र प्रबंधन जो बाजार के अनुकूल हो का यदि किसान अनुसंधान करते हैं तो निश्चित रूप से उनकी आमदनी वर्तमान आमदनी से 5- 6 गुना अधिक की जा सकती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए घाघरा नदी के किनारे किए गए पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट के प्रयोग को किसानों के साथ साझा किया और बताया कि वहां पर किसान बहुत आसानी से कुशलता के साथ अपनी आमदनी 5 गुना तक बढ़ा चुके हैं। मध्य नगर के किसान भी शैक्षिक भ्रमण के द्वारा इन सारी तकनीक का अनुसरण करेंगे तो उनके यहां की भी आमदनी अधिक हो सकती है। जलवायु और वार्षिक मौसम परिवर्तन परिस्थितियों के अनुकूल अब किसानों के लिए बिना तकनीक के अधिक आमदनी पाना मुश्किल है। आवश्यक है कि हम नई तकनीक को अपने खेती के व्यवस्था में शामिल करें और अधिक आमदनी प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें।

कार्यक्रम का संचालन राम तेज ने किया तथा आलोकित कश्यप, निशा देबी, इरफान खान, अमित कुमार सिंह, नियाज अहमद, सियाराम वर्मा आदि का सहयोग काफी सुरुचि पूर्ण रहा। इस बैठक में मध्य नगर के 55 से अधिक किसान उपस्थित थे।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत मखाने की खेती करें जिले के किसान

बहराइच। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि मखाना की गुणवत्ता उसकी सफेदी, अखंडता और पोषक तत्वों से भरपूर होने (कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स) पर निर्भर करती है, अच्छी गुणवत्ता वाले मखाने हल्के, कुरकुरे और बिना दाग के होते हैं, जो हड्डियों, हृदय और पाचन के लिए फायदेमंद है। मखाना की गुणवत्ता को देखते हुए उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा मखाने की खेती को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत सम्मिलित किया गया है। जनपद बहराइच में मखाना की खेती को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत लक्ष्य की मांग की गई है, जिसके अन्तर्गत रू. 80,000 .00 प्रति हे. की दर से अनुदान अनुमन्य है। उन्होनें बताया कि मखाना की खेती मुख्य रूप से पानी में सिंघाड़े की भाँति की जाती है। मखाना की बाजार में अच्छी मॉग है और इसके बाजार में अच्छे दाम भी है। जल भराव वाले क्षेत्र में मखाना की खेती अधिक लाभकारी है। मखाना की खेती पर लाभ प्राप्त करने के लिए किसान भाई आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट साइज फोटो एवं मोबाइल नम्बर की सहायता से उद्यान विभाग के पोर्टल डीबीटी, यूपीहर्टीकल्चर डाट काम पर पंजीकरण स्वयं/ जनसेवा केन्द्र से कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में सम्पर्क कर सकते हैं।

अलाव ताप रहे परिवार को कार ने रौंदा , बुजुर्ग की मौत व दो घायल

दुर्घटना करने वाली कार को घेरकर खड़े नागरिक। अमृत विचार

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। जिले के दरगाह इलाके में स्थित अशरफा ग्राम में मंगलवार की रात ठंड से बचने के लिए घर के बाहर अलाव ताप रहे पति पत्नी व बेटे को एक अनियंत्रित ऑल्टो कार ने रौंद दिया । हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। वहीं हादसे के चलते मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

परिजन तीनों को इलाज के लिए लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां पर पति की मौत हो गई, वही पत्नी व बेटे का इलाज चल रहा हैं। अशरफा ग्राम के रहने वाले सुंदर लाल यादव मंगलवार की रात अपनी पत्नी पूजा व बेटे अमरीश के साथ घर के बाहर अलाव ताप रहे थे। तभी ग्राम का ही रहने वाला प्रदीप नाम के युवक ने तीनों पर ऑल्टो कार चढ़ा दी। जिसके चलते सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद युवक मौके से फरार हो गया। परिजन व ग्रामीण तीनों को आनन फानन में इलाज के लिए लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां पर परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने सुंदर को मृत घोषित कर दिया। वहीं पत्नी व बेटे का इलाज चल रहा है।

अफरा-तफरी

- हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार

अलाव तापते समय झुलसी वृद्ध महिला, गंभीर, बहराइचः जिले के पयागपुर इलाके में स्थित एक ग्राम में अलाव तापते समय एक वृद्ध महिला झुलस गई । पास में मौजूद लोगों ने आग बुझाकर महिला को बचाया , परिजनों ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है । जहां पर उसका इलाज चल रहा है। सत्रही ग्राम की रहने वाली वृद्ध महिला मालती ठंड से बचने के लिए अलाव ताप रही थी । तभी अचानक आग की लपट तेज होने से वो झुलस गई । साथ में अलाव ताप रहे लोगों ने आग बुझाते हुए उन्हें पीछे खींचा, लेकिन तब तक उनका हाथ व पैर झुलस गया। वहीं परिजन उन्हें इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल के बर्न वॉर्ड में महिला को भर्ती कर चिकित्सकों की ओर से इलाज किया जा रहा है। महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है।

शुरू हो जलापूर्ति, तो 7 गांवों को मिले नल से जल

संवाददाता, जमुनहा, (श्रावस्ती)

समस्या

शोपीस बनी पानी की टंकी। अमृत विचार

अमृत विचार। सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर जल योजना जिले में रफ्तार नहीं पकड़ पाई है। निर्माण अवधि पूरा होने के बाद भी कई गांवों में पानी टंकी का निर्माण अधूरा पड़ा है। लाखों खर्च के बाद भी हीलाहवाली के चलते लोगों को पानी टंकी से शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हुआ है।

सरकार जल जीवन मिशन के माध्यम से पिछले पांच वर्ष से हर घर जल पहुंचाने का दावा तो कर रही है। लेकिन जमुनहा क्षेत्र में न तो सरकारी दावा पूरा हो रहा है न ही ग्रामीणों का सपना। करोड़ो रुपये पानी की तरह खर्च तो किया जा रहा है लेकिन गांवों में लगाई गई टोंटियों से आज तक पानी नहीं बहा। जिससे ग्रामीणों को जल जीवन मिशन का लाभ मिलता नहीं दिख रहा है। जमुनहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत लालबोझा दरबेश गांव, कलकलवा, सागर गांव, बालापुर, फतेहपुर बनगई, परसोहना सहित कई ग्राम पंचायतों में अभी तक जल जीवन मिशन के तहत टंकी निर्माण कार्य या तो अधूरा है या फिर निर्माण पूरा होने के बाद भी जलापूर्ति नहीं हो रही है। लाखों खर्च कर इन ग्राम पंचायतों में पानी टंकिया बनाकर तो खड़ी कर दी गई है। लेकिन कहीं पाइप लाइन का काम अधूरा पड़ा है तो कहीं तकनीकि समस्या के चलते जलापूर्ति शुरू नहीं की गई है।

फतेहपुर बनगई गांव में पांच साल पहले तक तो जलापूर्ति हो रही थी। लेकिन कुछ खराबी के चलते टंकी से जलापूर्ति ठप हो गई। जिसके बाद जिम्मेदारों ने ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा। जिस कारण लोगों को पांच साल से टंकी से पानी नहीं मिल रहा है।

वहीं परेशान लोगों का कहना है कि गांवों में बनाई गई पानी टंकी महज शोपीस है। जिसके बनने के बाद उसका लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है।

निर्माण अवधि पूरा होने के बाद भी काम अधूरा

ग्राम पंचायत लालबोझा दरबेश गांव में करीब 350 .4 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। विभागीय अभिलेखों के अनुसार निर्माण कार्य सितंबर 2023 तक पूरा किया जाना था। लेकिन दिसंबर 2025 तक भी यहां पानी टंकी का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। टंकी तो बनाकर खड़ी कर दी गई है। लेकिन उससे एक बूंद पानी भी ग्रामीणों को नसीब नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों में घर-घर पाइपलाइन बिछा दी गई है और जगह-जगह टोटियां भी लगा दी गई हैं। लेकिन आज तक उनमें पानी नहीं आया। इससे पेयजल की समस्या जस की तस बनी हुई है। इस पर विभाग ध्यान दे रहा है और न उच्चाधिकारी रुचि दिखा रहे हैं। हीलाहवाली से ग्रामीणों की पेयजल की समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। अफसरों की लापरवाही के चलते योजना रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है और पानी टंकी से शुद्ध पेयजल का ग्रामीणों का सपना पूरा नहीं हो रहा है।

बहराइच के सुंदरेशा होंगे नए डीएफओ

बहराइच। प्रदेश सरकार के निर्देश पर बहराइच के प्रभागीय वनाधिकारी का तबादला करते हुए उनके स्थान पर एटा के प्रभागीय वनाधिकारी सुंदरेशा को जिले का नया डीएफओ नियुक्त किया है। जिले में बीते चार माह में आदमखोर भेड़िए के हमले में 11 मासूमों समेत 13 लोगों की मौत हो चुकी थी। भेड़ियों के लगातार हमलों में अब तक 11 बच्चों की जान गई थी, वहीं वन विभाग के सर्च आपरेशन में आठ भेड़िये भी मारे गए है। बीते 48 घंटों में डीएफओ राम सिंह यादव के नेतृत्व में वन विभाग की टीम की ओर दो आदमखोर भेड़िए को मारे जाने बाद भी सरकार की ओर से तबादला किया गया।

छठे दिन नहर में उतराता मिला महिला का शव

जमुनहा (श्रावस्ती), अमृत विचार। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम चंदरखा बुजुर्ग के मजरा कोरीपरवा निवासी रुकसार बेगम ने शुक्रवार को सोनवा क्षेत्र के बढहीपुरवा गांव पास स्थित सरयू मुख्य नहर में छलांग लगा दी थी। इससे वह गहरे पानी मे लापता हो गई थी। यूकी सोनवा पुलिस व परिजनो के साथ मिलकर तलाश कर रहे थे। जिसका शव नहर में करीब 5 किलोमीटर दूर थाना क्षेत्र के ही बाबूपुरवा गांव के पास दिखाई दिया। इसके बाद मौके पर पहुचे सोनवा थानाध्यक्ष विसुनदेव पाण्डेय ने शव को पानी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी में जुट गए।

शिवपुर में पंचायत कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

खैरीघाट, बहराइच

अमृत विचार। शिवपुर ब्लाक सभागार में बुधवार को पंचायती राज विभाग के अंतर्गत स्वयं की आय विकसित करने के लिए प्रधान पंचायत सहायक एवं सचिव को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक सतीश कुमार बाजपेई, हरि ओम बताया कि 1500 से कम आबादी की ग्राम पंचायतें जितनी आय अर्जित करेंगी सरकार उसका पांच गुना तक अनुदान देगी। उन्होंने बताया कि लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिलेगा इसके साथ ही ओएसआर बढ़ने के लिए पांच चरणों की जानकारी दी गई, जिसमें पंचायतें अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकेंगी।

प्रशिक्षण दे रहे सतीश कुमार बाजपेई ने बताया कि ग्राम पंचायत की खाली जमीन पर नर्सरी लगाकर व तालाबों का पटटा कराकर तालाबों के किनारे कृषि बाजार मेरा स्वच्छता पे पंचायत शुल्क लगाकर आत्मनिर्भर बन सकती है सामुदायिक गतिविधियां चलाकर गौशाला से गोबर लेकर जैविक खाद बनाकर सेवा केंद्र स्थापित कर आए बढ़ाई जा सकती है और बहुत कुछ बताया। कार्यक्रम में एडिओ पंचायत राजेंद्र प्रसाद, मनोज कुमार सुनील वर्मा, जगजीत पटेल, राजेंद्र कुशवाहा, महावीर प्रसाद विकास श्रीवास्तव,कुमार आशुतोष, प्रधान सतीश कुमार यादव, सभी प्रधान उपस्थित रहे। पंचायत सहायक संतोष कुमार, प्रज्ञा यादव, ममता, खुशबू सिंह, अल्ताफ हुसैन, आशा जायसवाल, सभी पंचायत सहायक मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता हुआ मिला युवक का शव,परिवार में कोहराम

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

खैरीघाट, बहराइच, अमृत विचार। थाना खैरीघाट अंतर्गत एक युवक का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला। घटना बुधवार दोपहर करीब 12 :30 बजे की है मटेरा कला ग्राम पंचायत के दीवानपुरवा गांव के बाहर नहर के पास एक शीशम के पेड़ पर एक युवक शव लटकता हुआ मिला। वहीं शव मिलने से परिवार मे कोहराम मचा रहा। खेत में काम करने जा रहे लोगों ने सबसे पहले शव को देखा। इसकी सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संदीप कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचित किया। वहीं सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतारा गया और उसकी शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक की पहचान संकल्पा राजापुर कला निवासी कमला प्रसाद के पुत्र धनीराम यादव (32 वर्ष) के रूप में हुई है तथा शीशम के पेड़ से मफलर के फंदे से लटकता हुआ मिला है ये कल अपने घर से निकले थे। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सिटी डायरी

मरीजों के आंखों की जांच करतीं डॉ. अंजली राय।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 250 मरीजों का हुआ नेत्र परीक्षण

नवाबगंज (बहराइच) । बुधवार को आंखों का तारा अभियान के तहत सीतापुर आंख अस्पताल के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 250 मरीजों का नि :शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। एक सौ मोतियाबिंद के मरीज निकले, जिनका नि :शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। तथा अन्य मरीजों को चश्मा और औषधि देकर उन्हें परामर्श दिया गया। नवाबगंज कस्बे के छत्रपति शाहू जी महाराज इंटर कॉलेज में सीतापुर आंख अस्पताल के तत्वावधान में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में नेत्र परीक्षण के लिए मरीज पहुंचे नेत्र चिकित्सकों ने शिविर में आए 250 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर 100 मरीजों को मोतियाबिंद के लिए चुना। इस दौरान डाक्टर अंजलि राय ,डॉक्टर अंजली राय, शाहनवाज हुसैन , रोहित श्रीवास्तव, हर्षित शुक्ला,आदि नेत्र शिविर में मौजूद रहे।

व्यापारी कमल कुमार गुप्त को सम्मानित करते बैंक प्रबंधक।

प्रतिष्ठित व्यापारी कमल कुमार को इलाहाबाद बैंक ने किया सम्मानित

रुपईडीहा (बहराइच), अमृत विचार। प्रतिष्ठित व्यापारी एवं माही ट्रेडर्स के प्रोपराइटर कमल कुमार गुप्ता को इलाहाबाद बैंक रुपईडीहा शाखा के प्रबंधक पवन सिंह, एवं उप प्रबंधक योगेश शर्मा ने उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं तथा बैंक की ओर से स्मृति चिन्ह स्वरूप डायरी, कैलेंडर और कलम भेंट कर उनका सम्मान किया। इस नव वर्ष के शुभ अवसर पर अवसर बैंक अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ बेहतर समन्वय एवं सहयोग की बात कही तथा नववर्ष में व्यापारियों की प्रगति और सफलता की कामना की।

श्रीरामचरितमानस का पाठ करते श्रद्धालु।

राम चरित मानस का किया पाठ

नवाबगंज (बहराइच) । रामजन्म भूमि मंदिर निर्माण व प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राम चरित मानस के पाठ के बाद विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन कस्बे के छावनी चौराहा स्थित श्री हनुमान मंदिर में किया गया इस अवसर पर कथा वाचक पंडित कपिल देव शर्मा द्वारा राम चरित मानस का पाठ किया गया। यहां पुजारी कोईली प्रसाद पांडेय, पिन्टू गुप्ता, अनिल जायसवाल,राजकुमार गुप्ता, प्रमोद गुप्ता,अभिषेक जयसवाल, रेखा जयसवाल रहे।

जलाशयों में छाई चहचहाहट | **वन्य जीव प्रभाग में सात समंदर पार से पहुंचे हजारों प्रवासी पक्षी**

कतर्नियाघाट की वादियों में गूंजी विदेशी मेहमानों की चहक

भागवत शुक्ला, बहराइच

वाइल्ड लाइफ सेंचुरी की झील में मस्ती करता लालसर का झुंड। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में स्थित कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग इन दिनों अंतरराष्ट्रीय सैलानियों यानी प्रवासी पक्षियों की आमद से गुलजार हो उठा है। कड़ाके की ठंड शुरू होते ही साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप के ठंडे इलाकों से हजारों किलोमीटर का सफर तय कर रंग-बिरंगे पक्षी यहां के जलाशयों में डेरा डाल चुके हैं।

जलाशयों की बढ़ी रौनक कतर्नियाघाट की गेरुआ और कौड़ियाला नदी के साथ-साथ ताल बघेल जैसे प्रमुख जल निकायों में विदेशी पक्षियों का जमावड़ा देखा जा रहा है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, इन दिनों यहाँ मुख्य रूप से बार-हेडेड गूज, सुर्ख़ाब (रुडी शेल्डक), नदर्न पिनटेल और रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड जैसी प्रजातियां बड़ी संख्या में दिखाई दे रही हैं। हिमालय की ऊंची चोटियों को पार कर आने वाले ये पक्षी यहां के अनुकूल वातावरण और भोजन की प्रचुरता के कारण हर साल यहां खिंचे चले आते हैं।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र पक्षियों के इस अद्भुत संसार को देखने के लिए प्रकृति प्रेमियों और बर्ड वॉचर्स की भीड़ भी बढ़ने लगी है। सुबह के समय जब सूरज की किरणें गेरुआ नदी पर पड़ती हैं, तब इन पक्षियों की अठखेलियां और चहचहाहट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। वन विभाग ने भी इन विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए गश्त बढ़ा दी है ताकि इनका शिकार न हो सके और इन्हें कोई मानवीय बाधा न पहुंचे। मार्च तक रहेगा बसेरा वन अधिकारियों का कहना है कि ये पक्षी फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत तक यहां प्रवास करेंगे। जैसे ही उत्तर भारत में तापमान बढ़ना शुरू होगा, ये पक्षी पुनः अपने वतन की ओर उड़ान भर लेंगे। फिलहाल, कतर्नियाघाट का शांत वातावरण इन नन्हे मेहमानों के कलरव से जीवंत हो उठा है, जो क्षेत्र के इको-टूरिज्म को एक नई ऊंचाई दे रहा है। कतर्नियां फ्रेंड्स क्लब के डायरेक्टर व वन्यजीव प्रेमी बीडी लखमानी बताते हैं कि यहां प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए काफी दूर दूर से लोग आते हैं।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को विदाई देते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को दी विदाई

बहराइच। पुलिस विभाग में अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर तीन पुलिस कर्मी सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अशोक कुमार सिंह ने इन सेवानिवृत होने वाले पुलिसकर्मियों को फूल माला पहनाकर, शाल उढ़ाकर एवं उपहार दिये। सेवानिवृत होने वालों में उनि उमा शंकर सिंह, उनि प्रकाश पाण्डेय व आरक्षी चालक विनय कुमार सिंह रहे।

अमृत विचार

गुरुवार, 1 जनवरी 2026

भगवान का कोई धर्म नहीं है।
–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

चौथी अर्थव्यवस्था का अर्थ

साल के आखिरी दिन यह खबर अत्यंत उत्साहवर्धक रही कि हम साल बीतने से पहले जापान की 368 लाख करोड़ की जीडीपी को पीछे छोड़ 376 लाख करोड़ वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बने और सरकार को उम्मीद है कि अगले तीन साल के भीतर हम जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में यह भी जानकारी दी गई कि महंगाई दर जो पहले चार से ऊपर थी घट कर एक फीसद से भी नीचे आ गई है और बेरोजगारी दर में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। देश की जीडीपी की विकास दर भी खासी ऊंची है। महंगाई बेहद कम, लोगों को काम और जीडीपी बढ़त पर, विदेशी मुद्रा भंडार भी भरा हुआ, यानी दौर वाकई 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' है।

ये सरकारी दावे नये साल की शुरुआत करने के लिए शानदार उत्प्रेरक की तरह काम कर सकते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने इस बात को दोहराया है कि भारत की विकास दर आगे भी सात फीसदी से ज्यादा रहने से वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। यानी इस साल हम इस दिशा में कुछ और नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। यह ठीक है कि जापान लंबे समय से जनसंख्या घटने, कमजोर घरेलू मांग और कर्ज के बोझ तले है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था भी ऊर्जा संकट, औद्योगिक सुस्ती और यूरोप की समग्र मंदी के कारण लगभग ठहराव की स्थिति में है, सो हमारी रैंकिंग में परोक्षतः दूसरों का भी हाथ है। एक महत्वपूर्ण पहलू भी गौरतलब है, बड़ी अर्थव्यवस्था अधिकतर आम लोगों के बेहतर जीवन की गारंटी नहीं है। अच्छी सड़कें, आधुनिक परिवहन, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व प्रभावी शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और प्रदूषण से राहत- ये सब केवल जीडीपी के आकार से नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं से तय होते हैं। प्रति व्यक्ति आय का अंतर इसे साफ दर्शाता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग दो लाख रुपये सालाना मान भी लें, तो जापान की प्रति व्यक्ति आय औसतन 40 लाख प्रतिवर्ष है, जर्मनी, अमेरिका में इससे भी अधिक है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी पर आम भारतीय विकसित देशों से पीछे रहेगा। मानव विकास सूचकांक में भारत अभी मध्यम श्रेणी में है, जबकि अमेरिका, जर्मनी और जापान शीर्ष पायदानों में हैं और चीन भी भारत से ऊपर है। स्पष्ट है कि आर्थिक रैंकिंग और मानव विकास रैंकिंग में सीधा संबंध नहीं होता।

कुल मिलाकर बड़ी अर्थव्यवस्था का असली अर्थ है, जन कल्याण के लिए अधिक संसाधन। यदि ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में नहीं लगे, तो आंकड़ों की चमक आम आदमी तक नहीं पहुंचेगी। यह बदलाव केवल जीडीपी का नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांतिकारी सुधार का प्रतीक बने, इसके लिए विकास को समावेशी, रोजगार-प्रधान और मानव-केंद्रित बनाना होगा। तभी 'चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' एक वास्तविक उपलब्धि कहलाएगी, न कि सिर्फ एक सांख्यिकीय मील का पत्थर।

प्रसंगवश

नए साल में चुनाव और सियासी समीकरण

2025 में राजनीति के जो समीकरण बनते बिगड़ते रहे, 2026 में उसको कसौटी पर कसा जाएगा। बिहार के चुनावों से निकले जनादेश ने बीजेपी को देश की सशक्त पार्टी साबित किया, इसकी असली ताकत पश्चिम बंगाल में तय होगी, जहां ममता बनर्जी के सियासी तिलिस्म से भाजपा की रणनीति का आमना-सामना होगा। पश्चिम बंगाल का यह सियासी रण 2026 के अप्रैल-मई महीने में ही देखा जाना है। इतना ही नहीं, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव भी आने वाले साल में प्रस्तावित हैं, जो देश की सियासत की दिशा निर्धारित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं, जिसका बिगुल नए साल की आमद के साथ बजने ही वाला है। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश समेत देश के तमाम राज्यों में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले ही सियासत गरम है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

अगले वर्ष जिन राज्यों के चुनाव होने हैं, वहां अलग-अलग राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाते दिखाई देंगे। राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की शुरुआत तो जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा सत्ता के वनवास से निकल कर बाहर आने को बेचैन है, उधर भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के भरोसे अंगद की तरह पांव जमा दिया है। कौन किस पर भारी साबित होगा, यह तो 2027 के चुनाव ही बता पाएंगे, लेकिन जीत-हार की रस्साकशी 2026 में ही नजर आने लगेगी। पंचायत चुनावों से ही सियासत का अखाड़ा सज उठेगा।

भाजपा दिल्ली और यूपी के अन्तर्द्वन्द से कैसे निपटेगी और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आते ही जातिगत झमेले में जा उलझी पार्टी को पटरी पर नेतृत्व कैसे लाएगा, यह सब 2026 में देखने को मिलेगा। 2026 देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई न कोई चैलेंज लेकर आ रहा है। आने वाले साल में सियासत की तासीर बदली नजर आएगी और राजनीतिक घमासान के बादल देश पर मंडराते रहेंगे।

क्या मोदी और क्या योगी सबको अपने राजनीतिक कौशल की परीक्षा देनी पड़ेगी। मायावाती और अखिलेश यादव को अपनी-अपनी ताकत में इजाफा करके दिखाना होगा। राहुल गांधी की लगातार मेहनत को भी आने वाला साल अपनी कसौटी पर कसने वाला है। शुरुआत तो उत्तर प्रदेश से ही हो जाती है, जहां पंचायत चुनावों की तपिश के बीच नये साल की आमद दर्ज होने जा रही है। नये साल की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश में सियासत के इन दो ध्रुवों भाजपा और सपा के बीच द्वंद्व होता नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ का चेहरा और उनकी राजनीति के कायल प्रदेशवासियों ने लगातार दूसरी बार उन्हें प्रचंड जनादेश के साथ प्रदेश की सत्ता पर बैठाया था। अब पंचायत चुनाव और अन्य राजनीतिक पैरामीटर यह तय करेंगे कि योगी का जादू बरकरार है या नहीं। उधर लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड सीटों से जीतकर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं, लोकसभा की जीत से 2027 के लिए बड़ी उम्मीदें निकल कर आई हैं। अखिलेश यादव की चुनौती है कि वोट बैंक के बिखराव पर कैसे विराम लगाएं और अपने परंपरागत वोट बैंक को कैसे फिर सहेजें, जो भाजपा की ओर शिफ्ट हो गए हैं, हालांकि सपा कार्यकर्ताओं में लोकसभा की जीत और शिवपाल यादव के पार्टी में विलय से गजब का उत्साह भरा हुआ है, लेकिन अखिलेश यादव को उसे बनाये रखने की जरूरत है।

देश के लिए अच्छे नहीं हैं मौसम के संकेत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हर साल मौसम में हो रहा बड़ा वैश्विक बदलाव देश और खासकर उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के जल, जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। पढ़ने में ये शब्द भले ही अब सामान्य बातें लगती हों, लेकिन यह सब हमारी-आपकी जिंदगी से जुड़ा अहम विषय है। प्रकृति हमें चेता रही है, लेकिन हम बहुत लापरवाही से सोच-समझकर भी नजरंदाज कर रहे हैं और यही बेहद चिंता का विषय है। शीतकालीन मौसम की वर्षा और बर्फबारी में कमी की सीधी मार हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़नी है। जीव-जंतु बढ़ते तापमान को सह नहीं पाएंगे और कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा सूखे मौसम को झेल नहीं सकेगा। बदलाव इसी तरह से जारी रहा, तो बढ़ते वैश्विक ताप से उत्तर भारत समेत नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलापूर्ति भंग हो सकती है।

दरअसल, मौसम के लिहाज से हिमालयी क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालयी राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

> उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव-जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा ईको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। बसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि बसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रबी की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी।

मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है, हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। इधर, पश्चिमी विक्षोभों का उत्तराखंड में असर बेहद कमजोर हो चला है। यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तक असर डाल रहे हैं, जिस कारण चरम मौसम (एक्स्ट्रीम वेदर) की परिस्थितियां बदलने लगेंगी।

इस गंभीर विषय पर नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव-जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी, तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

यह वास्तव में बड़ी चिंता का विषय है। लिहाजा पर्यावरण को लेकर समय रहते हम सभी को सजग रहने की सख्त जरूरत है। जिला कृषि अधिकारी ऋतु टम्टा कहती हैं कि इस बार शीतकालीन बारिश समय पर नहीं हुई, तो वर्षा पर निर्भर रबी की फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गत वर्ष भी शीतकाल सूखे के साथ कटा था और इस बार भी सूखे की आशंका को ध्यान में रखकर कृषि बीमा की योजना निर्धारित है। मौसम में बदलाव अथवा प्रभाव के चलते फसलों को भी उसी तरह से उगाने को लेकर किसानों को परामर्श दिए जा रहे हैं।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी कहते हैं कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाना अब आसान नहीं रह गया है। ऋतुओं का समय शिफ्ट होने लगा है, तो तूफान की घटनाओं में तीव्रता आने लगी है। मौसम में आ रहे बदलाव, भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जिस कारण आर्थिक, कृषि और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मानसून में बादल फटने जैसी आपदाओं की त्रासदी को हमने देखा है और इस बार शीतकालीन वर्षा अभी तक रूठी हुई है। गत वर्ष शीतकाल की वर्षा सूखे की भेंट चढ़ गई थी। पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात का अभाव बढ़ता जा रहा है, जो मौसम के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। तापमान में वृद्धि का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, तो दो हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में मौसम का बड़ा बदलाव आया है।

भले ही मौसम में बदलाव से अनेक दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, लेकिन इन सभी के बीच शीतकाल में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुंच रहा है। नैनीताल व मसूरी में तीन दशक पहले तक शीतकाल में जमा देने वाली ठंड पड़ा करती थी। न्यूनतम तापमान शून्य के इर्द-गिर्द अधिक रहा करता था, तो इन पर्यटन नगरों से शीत के महीनों में मैदानों की ओर पलायन हुआ करता था, लेकिन मौसम में बदलाव आने से वैसी ठंड अब नहीं रही, जिसका यहां के पर्यटन को भरपूर लाभ मिल रहा है। अब शीतकाल के दौरान बड़े पैमाने पर सैलानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। निष्कर्ष यही है कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी हमें जरूरत है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन बंद करना होगा। जल-जंगल को बचाना होगा। पर्यावरण से निपटने के लिए नयी रणनीतियों पर काम करना होगा।

आमने

भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। हम न सिर्फ घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार होगी, क्योंकि जनता ने मन बना लिया है।

–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

सामने

जब कश्मीर या दिल्ली में घटनाएं होती हैं, तो हर बार बंगाल को ही क्यों दोषी ठहराया जाता है? भाजपा 'अब की बार, 200 पार' जैसे बड़े दावे नहीं कर पा रही है। इस बार भाजपा को देश की राजनीति से बाहर हो जाना चाहिए।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों की बदलती कहानी

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते 1971 में बांग्लादेश की आजादी के साथ शुरू हुए। उस समय भारत की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ युद्ध में बांग्लादेश का समर्थन, इतिहास की एक निर्णायक घटना थी, लेकिन आज यही रिश्ते तनाव और अविश्वास की गहराई तक पहुंच चुके हैं। 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, दोनों देशों के बीच माने जाने वाले स्वर्णिम युग के पतन का प्रतीक बन गया है।

1971 की युद्धभूमि से लेकर 2023–24 तक बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को भारत के निरंतर समर्थन की नीति रही। यह समर्थन केवल वैचारिक सम्मान पर नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी पर भी आधारित था। इस बीच 1975 के बाद सेना के द्वारा सत्ता पर कब्जे और ज़िया-उर-रहमान तथा बाद में हुसैन मोहम्मद इरशाद के शासन के बावजूद भारत के हित बुरी तरह प्रभावित नहीं हुए। भारत ने अवामी लीग को उस समय भी समर्थन दिया जब वह राजनीतिक रूप से कमजोर थी, क्योंकि भारत की नजर में अवामी लीग ही एक स्थिर और भारत-समर्थक राजनीतिक शक्ति थी।

> 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, भारत–बांग्लादेश के बीच 'स्वर्णिम युग' के पतन का प्रतीक बन गया है।

शेख हसीना ने भारत के समर्थन के साथ बांग्लादेशी राजनीति में मजबूती प्राप्त की। अवामी लीग का सत्ता में बने रहना भारत की नीति का मुख्य आधार बन गया। इस कारण बांग्लादेश की राजनीति में अवामी लीग का प्रभुत्व भारत की नीतिगत प्राथमिकता बन गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में जनविरोध की लहर उठी और देखते ही देखते इतनी व्यापक हो गई कि शेख हसीना के इस्तीफे और सत्ता परिवर्तन की मांगें उठने लगीं। पांच अगस्त को शेख हसीना को भारत आना पड़ा। यह घटना केवल राजनीतिक शरण का मामला नहीं रही, बल्कि संकेत बन गई कि बांग्लादेश की राजनीति अब मित्र के पुराने समीकरणों से कहीं अधिक जटिल हो चुकी है।

विपक्षी दलों और उनके समर्थक समूहों का आरोप रहा है कि शेख हसीना भारत के समर्थन से सत्ता में बनी रहीं। जब भारत शरणस्थली बनकर सामने आया, तो भारत–बांग्लादेश मित्रता की पारंपरिक नींवों पर भी सवाल उठे। यह विश्वास कमजोर पड़ा कि भारत बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में निष्पक्ष भूमिका निभा सकता है। ढाका की सड़कों पर उभरती भावनाएं संकेत देती हैं कि बांग्लादेशी समाज अब केवल भारत के साथ करीबी रिश्तों के आधार पर किसी नेतृत्व की वैधता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

इतिहास पर नजर डालें तो अविश्वास के बीज काफी पहले बोए जा चुके थे। संबंध सतही तौर पर भले संघर्षपूर्ण न रहे हों, लेकिन भीतर से तनाव हमेशा मौजूद रहा। भारत की धारणा रही कि बांग्लादेश ने स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वहीं बांग्लादेश में यह भावना रही कि भारत ने केवल अपने सामरिक हितों के लिए हस्तक्षेप किया और उसे बराबरी के साझेदार के रूप में कम ही माना।

सैन्य शासनों के दौर में ढाका द्वारा भारत के पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूहों को परोक्ष सहयोग देने के आरोपों ने संदेह और बढ़ाया। 1980 के दशक में सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की भारतीय नीति ने भी बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को मजबूत किया। सहयोग के स्थान पर कई बार उलझन और कटुता बढ़ती रही। इन ऐतिहासिक कारकों ने आज की जटिल परिस्थिति की नींव तैयार की।

2025 के इस दौर में संबंध केवल राजनीतिक नेतृत्वों के बीच का विषय नहीं रह गए हैं। वे अब सार्वजनिक भावनाओं, सुरक्षा चिंताओं और कूटनीतिक तनावों का समुच्चय बन चुके हैं। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से तनाव लगातार बढ़ा है। वीजा सेवाओं का निलंबन और तीखे आधिकारिक बयान इसके संकेत हैं कि संस्थागत स्तर पर भी दरारें उभर चुकी हैं। यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सत्ता में आती है, तो संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वह अधिक समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित रिश्ते की अपेक्षा कर सकती है। फिर भी दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक हित इस रिश्ते को संभालने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। संवाद, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान ही विश्वास बहाली के उपकरण हैं।

भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों की कूटनीति, अविश्वास, सामरिक हितों और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेपों का परिणाम हैं। जनता की वास्तविक राजनीतिक भावनाओं की समझ, परस्पर सम्मान और विश्वास की बहाली ही इन संबंधों को फिर से स्वर्णिम दौर की ओर ले जा सकती है। यदि दोनों देश नई सोच, धैर्य और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ें, तो यह साझेदारी समय की धारा में खोने के बजाय भविष्य की स्थिरता का आधार बन सकती है।

सोशल फोरम

जालिम वक्त किसी को भी नहीं बख्शता

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शक्स का बेहतरीन ढंग से ख़याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए, कहीं भी और किसी भी वक्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका की जानी-मानी फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एकदिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन।

1981 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे, तो उनकी लोकप्रियता दोगुनी हो चुकी थी।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निजी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याद्दाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी, तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख्स जब यादों से निकल गया। वो, वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी खत्म हो गया था।

ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरूर लगा आना चाहिए। वहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

घर का तापमान और स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

महिलाएं घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी! अपनापन सांस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद— ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

कृति आरके जैन
लेखिका

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है- इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है, जब 'बिगाड़ने' के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है। नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है। उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है- शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है।

यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है। कठिनाई तब उत्पन्न होती है, जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले, जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए, क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियां सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

वर्ड स्मिथ

कहानी हाईजैक शब्द बनने की

हाईजैक शब्द की उत्पत्ति काफी दिलचस्प है और इसका रिश्ता सीधे अमेरिकी इतिहास से जुड़ता है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना माना जाता है- 'Hi' और 'Jack'।

1920 के आसपास अमेरिका में प्रोहिबिशन एरा (शराबबंदी का दौर) चल रहा था। उस समय अवैध शराब की तस्करी आम थी। शराब लूटने वाले गिरोह ट्रकों या नावों को रोकते समय ड्राइवर को धमकाते हुए कहते थे- 'Hi, Jack!' यानी, 'रुको जैक!' या 'हाथ ऊपर करो!'

धीरे-धीरे यह बोलचाल का वाक्य एक क्रिया (verb) में बदल गया और इसका मतलब हो गया- जबरदस्ती किसी वाहन या सामान पर कब्जा करना।

अर्थ का विस्तार : शुरुआत में 'हाईजैक' का इस्तेमाल सिर्फ शराब या माल लूटने के लिए होता था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया- ट्रक हाईजैक, गाड़ी हाईजैक, विमान हाईजैक (1950-60 के दशक में यह अर्थ बहुत प्रचलित हुआ) और जहाज हाईजैक।

आज 'हाईजैक' का मतलब - धमकी, बल या डर के जरिए किसी वाहन, वस्तु पर नियंत्रण या कब्जा करना है।

दिलचस्प तथ्य : 'Jack' उस दौर में आम आदमी या ड्राइवर के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम था, जैसे हिंदी में 'बब्लू'।

हाईजैक शब्द अपराध की दुनिया से निकला, लेकिन आज यह वैश्विक भाषा का हिस्सा बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

- संतकबीरनगर जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चकदही में 05 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 :00 बजे से अपराह्न 03 .00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके तहत उप्र परिवहन निगम के बस्ती डिपो के लिए संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले की जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam .up .gov .in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, दो फोटो एवं बायोडाटा के साथ मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एमए और एमएसी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से शुरू हो जाएंगी। इसी के साथ ही बैक व इंप्रूवमेंट परीक्षा कार्यक्रम भी जारी हुआ है। परीक्षाएं 22 जनवरी तक चलेंगी। विद्यार्थी परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट www . lkouniv .ac .in पर जाकर देख सकते हैं।

करियर डिसीजन में क्यों झिझकते हैं स्टूडेंट्स

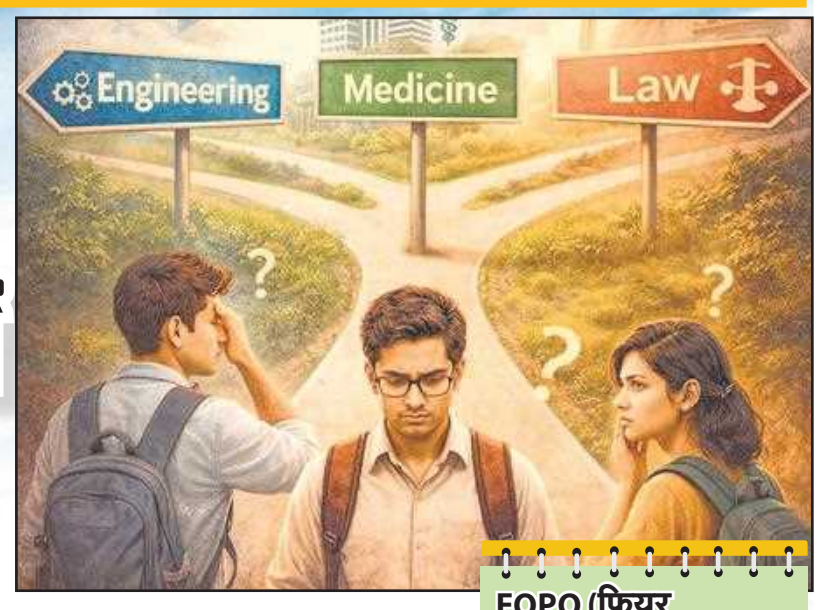

सूचनाओं, अवसरों और विकल्पों की बढ़ोतरी ने बाहरी जीवन को तेज बनाया है, लेकिन निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर। प्रगति की यह निरंतर दौड़ मन को उस मोड़ पर ले आई है, जहां कदम आगे बढ़ते हैं, पर भीतर दिशा स्पष्ट नहीं होती। तकनीक ने दुनिया बदल दी है। आज जानकारी की इतनी अधिकता है कि किसी को कुछ जानने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। फोन उठाइए और दुनिया सामने है, लोग कहां घूम रहे हैं, कौन कितना कमा रहा है, किसकी जिंदगी कितनी शानदार दिख रही है। पर एक विरोधाभास भी जीवन के बीच खड़ा है। जैसे-जैसे दुनिया बाहरी रूप से आसान हुई है, भीतर मन उतना ही जटिल हो गया है। जितनी सुविधा मिली है, उतनी ही बेचैनी बढ़ी है, जितने विकल्प बढ़े हैं, उतनी ही दृढ़ता कम हुई है। कई बार ऐसा लगता है कि हम जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही अनिश्चित भी। इस अनिश्चितता के पीछे पांच ऐसे मनोवैज्ञानिक भाव अथवा रूप हैं, जो आज के समय की नब्ज को समझने की कुंजी हो सकते हैं- FOMO, FOFO, FOBO, FOPO और FOMU। ये नाम भले अंग्रेज़ी में हों, लेकिन इनमें जो भाव छिपे हैं, वे किसी भाषा, क्षेत्र या समाज की सीमा में नहीं रहते। स्टूडेंट्स पर करियर को लेकर इनका असर दिखाई देता है। फर्क बस इतना है कि इनके नाम बहुत कम लोग जानते हैं, पर इनके प्रभाव से लगभग हर कोई गुजर रहा है।

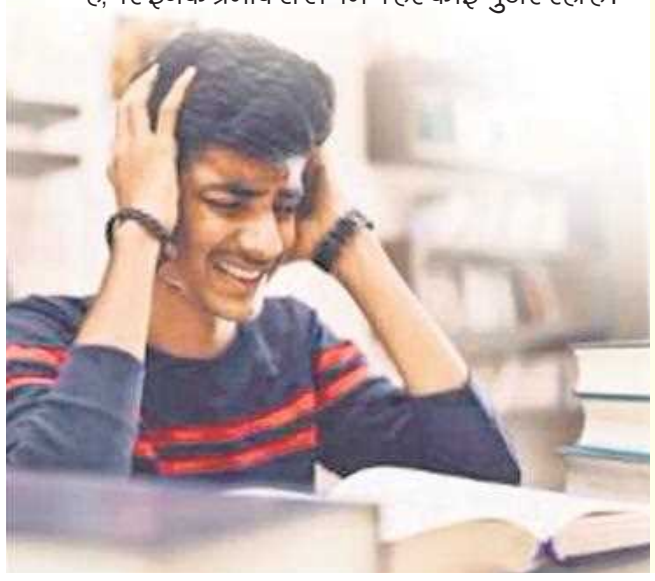

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्या हैं ये फियर

पहले आता है FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) कुछ छूट जाने का डर। सोशल मीडिया के विस्तार के साथ ही लोगों की जिंदगी दूसरों की नजरों के सामने खुलने लगी। हर उपलब्धि, हर अवसर, हर खुशी और हर सफलता अब सार्वजनिक हो गई। तुलना वहीं से शुरू हुई, जो दूसरे कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि हम कुछ कम कर रहे हैं। हर पार्टी, हर यात्रा, हर प्रमोशन, हर समारोह, हर तस्वीर मानो एक संदेश देती है- "देखो, तुम पीछे रह रहे हो।" यही डर व्यक्ति को लगातार दौड़ में धकेलता है। वह उन कामों की तलाश में रहने लगता है, जो उसे "पीछे छूटने" की भावना से बचा लें। किंतु विरोधाभास यह है कि जितना इंसान दौड़ता है, उतना ही उसे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ छूट रहा है। यह डर प्रेरणा से ज्यादा दबाव पैदा करता है, उपलब्धि से ज्यादा अधूरापन बढ़ाता है।

FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट)

यहीं एक और भाव जन्म लेता है- FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट), यानी सच जानने का डर। जब स्टूडेंट्स दौड़ में लगा रहता है और फिर भी खुद को पीछे महसूस करता है, तो सच्चाई डरावनी लगने लगती है। कोई रिपोर्ट हो, नतीजा हो, फीडबैक हो, मेडिकल जांच हो, करियर या रिश्तों पर बातचीत हो या आर्थिक स्थिति की हकीकत बहुत से लोग इन्हें केवल इसलिए टालना चाहते हैं या टालते हैं कि सच सामने आ गया, तो मन को स्वीकार करना पड़ेगा कि सब उतना सुंदर नहीं जितना मान रखा है या दिखता है। ऐसे में मन यह मानने लगता है कि "न जानना" अस्थायी राहत देता है। अनिश्चितता सुरक्षित लगती है, लेकिन यही बचाव आगे और कठिनाइयां पैदा करता है, क्योंकि सच्चाई जितनी देर बाद सामने आती है, उतनी भारी हो जाती है।

FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन)

इसी तरह आगे बढ़कर मन FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन) में प्रवेश करता है यानी बेहतर विकल्प छूट जाने का डर। आधुनिक जीवन में चुनाव आसान नहीं रहे। नौकरी हो या शहर, शादी हो या करियर, व्यवसाय हो या मकान हर जगह इतने विकल्प हैं कि किसी एक विकल्प को अपनाने का मतलब है बाकी सब छोड़ देना। तब मन बार-बार पूछता है- "जो चुना, इससे बेहतर भी कुछ हुआ तो?" और इस सवाल के चलते फैसला लेना मुश्किल होता जाता है। बहुत से लोग सपनों के रास्ते पर इसलिए नहीं निकल पाते, क्योंकि वे गलत राह चुनने से अधिक डरते हैं। वे दिशा तय करने में इतना समय लगा देते हैं कि सफर शुरू ही देर से होता है। यही वजह है कि फैसलों की संख्या से ज्यादा दुविधाओं की मात्रा बढ़ती है।

FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन)

जब फैसले देर से होने लगते हैं और आत्मविश्वास हिलने लगता है, तो अगला भाव FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन) जन्म लेता है- लोगों की राय का डर। अपनी पसंद पर भरोसा कम होने के बाद व्यक्ति दूसरों की प्रतिक्रिया को मार्गदर्शक बना लेता है। फिर चुनाव अंदर की जरूरतों से नहीं, बाहर की नजरों से होते हैं। कौन-सी जीवनशैली "स्वीकार्य" होगी, कौन-सी नौकरी "सम्मानजनक दिखेगी" इस तरह के तमाम सवाल अंदर की आवाज को दबाते जाते हैं। जीवन धीरे-धीरे निजी नहीं, भीड़ के मानदंडों से संचालित होने लगता है। व्यक्ति वही बनने की कोशिश करता है, जो दूसरों को पसंद आए, भले वह स्वयं उस भूमिका में सहज न हो। वह "दिखने वाले" सम्मान के बदले "महसूस होने वाली" शांति खोने लगता है और अंत में इस पूरी यात्रा की परिणति होती है।

FOMU (फियर ऑफ मेसिंग अप)

- फियर ऑफ मेसिंग अप अर्थात गलती कर देने का डर। यह शब्द भले ही बहु-प्रचलित न हो, लेकिन इसका अनुभव लगभग हर पीढ़ी महसूस कर रही है। ऐसे में कई बार व्यक्ति पहला कदम इसलिए नहीं उठाता, क्योंकि उसे लगता है, अगर गलती हो गई, तो दुनिया देख लेगी। असफलता की चिंता से ज्यादा अपमान की कल्पना भयावह हो जाती है। सपने और योजनाएं आदर्श रूप में तो टिकी रहती हैं, पर वास्तविक शुरुआत रुक जाती है। यही वह दुखद क्षण है, जहां जिंदगी निर्णय से नहीं, डर से चलने लगती है। यह डर अक्सर बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर से पैदा होता है।
- इन पांचों भावों को अलग-अलग नाम देना आसान है, पर इन्हें अलग-अलग होकर समझना गलत है। ये एक-दूसरे से पैदा होते हैं, एक-दूसरे को बढ़ाते हैं और एक-दूसरे के बिना पूरी तरह समझ नहीं आते। कुछ छूट जाने का डर स्टूडेंट्स को दौड़ में धकेलता है, दौड़ की थकान उसे सच से बचने पर मजबूर करती है, सच से बचाव निर्णय को टाल देता है, निर्णय में देरी दूसरों की राय पर निर्भरता पैदा करती है और यही निर्भरता गलती को असहनीय बना देती है। यह कोई वैज्ञानिक रूप से तय "अनिवार्य क्रम" नहीं, लेकिन आधुनिक मन की चालकों समझने का एक बेहद उपयोगी मनोवैज्ञानिक चक्र जरूर है- एक ऐसा पैटर्न, जिसमें जीवन ऊपर से सक्रिय दिखता है, पर भीतर से स्थिर बना रहता है। लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, पर महसूस होता है कि कुछ भी पूरा नहीं हो पा रहा।
- इन मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोष देना नहीं है और न ही यह मान लेना कि इंसान कमजोर हो गया है। यह समय ही ऐसा है, जिसमें मन पर दबाव पहले से कहीं अधिक है। जितना समाज सार्वजनिक हुआ है, उतनी ही निजी दुनिया उलझी है। उपलब्धियों की प्रतिस्पर्धा में भावनाएं पीछे छूट गई हैं। हम सब किसी-न-किसी रूप में इस संघर्ष में हैं कुछ खुलकर, कुछ चुप रहकर, कुछ जानकर और कुछ जाने बिना।
- हो सकता है आगे भी जीवन जटिल बना रहे, अवसर बढ़ते रहें, विकल्प उलझाते रहें, लेकिन इतना समझ होगा कि डर होना कमजोरी नहीं, संवेदनशीलता है। संघर्ष होना असामान्य नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन का हिस्सा है। हम सब अपनी-अपनी जगह पर कोशिश कर रहे हैं- कभी तेज, कभी धीमे या कभी डरे हुए।
- जीवन में ज्यादातर बदलाव किसी "बड़े कदम" से नहीं आते। कई बार बदलाव तब शुरू होता है, जब हम बस इतना स्वीकार कर लेते हैं कि हां, हम डरे हुए हैं, पर कोशिश छोड़ने वाले नहीं हैं। हो सकता है आगे भी निर्णय आसान न हों, संतुलन, स्पष्टता और आत्मविश्वास एक दिन में न आएं, लेकिन इतना तो तय है कि जिंदगी अक्सर वहीं खुलती है, जहां मन सबसे ज्यादा अटका होता है।
- डर पूरी तरह चला जाए, तब चलना शुरू हो, यह जिंदगी का नियम नहीं है। असली बात यह है कि डर रहते हुए भी चलना शुरू हो, क्योंकि साहस का अर्थ डर के अभाव में बहादुरी दिखाना नहीं, बल्कि डर के साथ कदम बढ़ाना है। वही पहला कदम, चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, आगे की असली दिशा बनाता है।

कैंपस में पहला दिन

प्रथम श्रेणी प्राप्त करने का रहा दबाव

डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मेरे लिए कॉलेज का पहला दिन उम्मीदों से भरा रहा। मेरी स्नातक (बी.ए.) की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर से हुई। यह सरयू नदी के किनारे तीन भवनों के रूप में था, जिनमें से एक भवन टिन शेड के रूप में था और एक मुख्य भवन, जिसमें एक हॉल और प्राचार्य कक्ष और दूसरे भवन में एक लाइब्रेरी और कुछ कक्षाएं होती थीं।

पहले दिन जब मैं महाविद्यालय पहुंचा तो मेरी मुलाकात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार से हुई। मैंने उनसे प्रवेश के साथ-साथ अपने परीक्षा परिणाम के बारे में भी बताया तो उन्होंने बड़े खुश होकर मुझे प्रवेश के बारे में जानकारी दी। मैं अपने सत्र में राजकीय इंटर कॉलेज बागेश्वर का कला विषयों से अकेला प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी था, इसलिए उन्होंने प्रवेश प्रभारी से कहा कि देखो, महाविद्यालय में एक प्रथम विद्यार्थी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने मुझे स्कॉलरशिप तथा अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय के पहले दिन ही एक सुसज्जित पुस्तकालय देखा, जिसमें हमारे विषय की पुस्तक कम थी, लेकिन

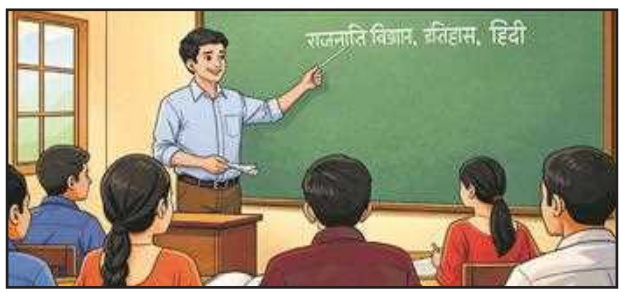

पुस्तकों के प्रति मेरे प्रेम के कारण मुझे अनेक पुस्तकों से जुड़ने का अवसर मिला। हिंदी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी की कक्षाओं में मुझे उपस्थित रहकर बहुत आनंद आया। महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के बाद अपने पुराने इंटरमीडिएट के समय के अनेक साथी कक्षा में दिखाई दिए, उनमें एक स्पर्धा भाव भी देखा, स्नातक कक्षा के दौरान निरंतर यह दबाव भी बना रहा कि महाविद्यालय में भी प्रथम श्रेणी प्राप्त करनी है। बाद में अपने शैक्षिक जीवन में आने के बाद पता चला कि विश्वविद्यालय शिक्षा में किस प्रकार चैलेंज आते हैं।

करेंट अफेयर्स

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गई हैं, वह मिताली राज के बाद 10,000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला और सबसे तेज खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में यह उपलब्धि हासिल की।
- पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज- II पनबिजली परियोजना (Dulhasti Stage-II hydropower project) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिससे 3,200 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत वाली इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने आज बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) हेलीकॉप्टर डिवीजन में ध्रुव एनजी सिविल वेरिएंट (Dhruv NG civil variant) हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस हेलीकॉप्टर को इसके स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नागरिक प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। रॉकेट का परीक्षण उसकी अधिकतम 120 किमी की सीमा के लिए किया गया। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट द्वारा हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग से, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के समर्थन से डिजाइन किया गया है।

जॉब अलर्ट

LDCC बैंक

- पद का नाम -क्लर्क, सबग्रेड (मल्टीपर्पस सपोर्ट स्टाफ), ड्राइवर
- पदों की संख्या- 375
- योग्यता-10 वीं पास से ग्रेजुएट (पदानुसार)
- आयु सीमा-19 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 21 जनवरी 2026
- वेबसाइट-https ://laturdccb .com

नाबार्ड यंग प्रोफेशनल भर्ती

- कंपनी का नाम- नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड)
- पद का नाम- यंग प्रोफेशनल (14 विषय)
- पदों की संख्या-44
- वेतन-70,000/- प्रति माह (सभी भत्ते सहित)
- योग्यता- विषय की आवश्यकता के अनुसार बैचलर/मास्टर डिग्री
- आयु सीमा-21 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 12 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www .nabard .org

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, रेल मंत्रालय

- पद का नाम- चीफ लॉ असिस्टेंट, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जूनियर ट्रांसलेटर (हिंदी), सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, साइंटिफिक असिस्टेंट (ट्रेनिंग), लैब असिस्टेंट ग्रेड III, साइंटिफिक सुपरवाइजर
- पदों की संख्या-312
- सैलरी-19,900 से 44,900 प्रति माह
- योग्यता-12 वीं से मास्टर डिग्री (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आयु सीमा- 18 से 30-40 वर्ष (पदानुसार)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 29 जनवरी 2026

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि.

- पद का नाम- ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET)
- पदों की संख्या-110
- वेतन-40,000 - 1,40,000 प्रति माह
- योग्यता-इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री
- आयु सीमा-अधिकतम 30 वर्ष, 22 जनवरी 2026 तक
- आवेदन की अंतिम तिथि-22 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www .nalcoindia .com

बदलती इकोनॉमी में कॉमर्स स्ट्रीम के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में कॉमर्स स्ट्रीम करियर की दृष्टि से एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है। अकाउंटिंग, फाइनेंस, बैंकिंग और बिजनेस से जुड़े अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां न सिर्फ अच्छी सैलरी, बल्कि स्थायी करियर की संभावनाएं भी मौजूद हैं। सही कोर्स, उपयुक्त स्किल्स और व्यावहारिक अनुभव के साथ कॉमर्स स्टूडेंट्स आकर्षक पैकेज हासिल कर सकते हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियां और कॉर्पोरेट सेक्टर की बढ़ती जरूरतें कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए नए अवसर खोल रही हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए कौन-कौन से हाई-पेड करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। *– फीचर डेस्क*

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और हाई-पेड प्रोफेशन माने जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) आज भी करियर की पहली पसंद बना हुआ है। एक सीए कंपनी के ऑडिटिंग, टैक्सेशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे अहम कामों की जिम्मेदारी संभालता है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा संचालित किया जाता है। करियर की शुरुआत में एक फ्रेशर सीए की सालाना सैलरी करीब 6 से 10 लाख रुपये होती है, जो अनुभव के साथ 15 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। सीए करके प्रोफेशनल्स कॉर्पोरेट कंपनियों, मल्टीनेशनल फर्म्स और सरकारी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य करने के मौके मिलते हैं।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंपनी लॉ में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए कंपनी सेक्रेटरी एक बेहतरीन और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। बदलते कॉर्पोरेट नियमों और कानूनी ढांचे के चलते सीएस प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) द्वारा संचालित किया जाता है। सीएस प्रोफेशनल्स बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट हाउस और लीगल फर्म्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी लगभग 5 से 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष होती है।

इंवेस्टमेंट बैंकर

इंवेस्टमेंट बैंकिंग को फाइनेंस की दुनिया का सबसे ग्लैमरस और हाई-रिस्क व हाई-रिवॉर्ड करियर माना जाता है। इंवेस्टमेंट बैंकर कंपनियों को पूंजी जुटाने (Capital Raising), मर्जर-एक्विजिशन और फाइनेंशियल स्ट्रैटजी से जुड़ी सलाह देते हैं। यह प्रोफेशन चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कमाई के लिहाज से बेहद आकर्षक है। अनुभव, कंपनी, लोकेशन और पद (एनालिस्ट, एसोसिएट, VP, MD) के अनुसार सैलरी में बड़ा अंतर होता है। एक एनालिस्ट की शुरुआती सैलरी करीब 6 से 15 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो सकती है।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए)

अगर इंटरनेशनल लेवल पर करियर बनाने की बात हो, तो सीएफए कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए टॉप करियर ऑप्शंस में शामिल है। यह एक ग्लोबली रिकग्नाइज्ड प्रोफेशनल कोर्स है, जो इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट पर फोकस करता है। सीएफए होल्डर्स पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुभव और प्रोफाइल के आधार पर सीएफए प्रोफेशनल्स की सैलरी लगभग 10 से 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है।

MBA (फाइनेंस, मार्केटिंग, HR)

MBA आज भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पॉपुलर और वर्सेटाइल करियर ऑप्शन बना हुआ है। फाइनेंस, मार्केटिंग और HR जैसे स्पेशलाइजेशन सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इस कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स में मैनेजमेंट, लीडरशिप और स्ट्रैटजिक थिंकिंग स्किल्स विकसित होती हैं। MBA के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं। कॉलेज और स्पेशलाइजेशन के अनुसार सैलरी पैकेज 6 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकता है।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मत्स्य पालन योजना के लिए आवेदन शुरू

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद में निजी भूमि और ग्राम सभा के तालाबों में सघन मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए एरेशन सिस्टम योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक लाभार्थी 07 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मत्स्य निदेशक श्वेता सिंह ने बताया कि यह योजना ग्राम सभा के तालाबों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और महिला मत्स्य पालकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसके तहत तालाबों में एरेशन सिस्टम स्थापित कर मत्स्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि की जाएगी। योजना के अंतर्गत महिला मत्स्य पालकों को अनुदान का प्रावधान है। सामान्य वर्ग की महिला मत्स्य पालकों को 50 हजार रुपए की लागत पर 50 प्रतिशत यानी 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। वहीं अनुसूचित वर्ग की महिला मत्स्य पालकों को 60 प्रतिशत यानी 30 हजार रुपए की धनराशि अनुदान के रूप में देय होगी। इच्छुक लाभार्थी विभागीय वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

दो दिवसीय महफिल कार्यक्रम तीन से

अंबेडकरनगर : अकबरपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत सिकंदरपुर में दो दिवसीय महफिल कार्यक्रम जश्ने मौलूदे काबा 03 व 04 जनवरी को आयोजित होगा। असर जैदी के मुताबिक पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के उत्तराधिकारी हजरत अली के जन्म दिवस 13 रजब के अवसर पर उक्त वार्षिक महफिल कार्यक्रम में उल्मा और शायरों का जमावड़ा होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के अलावा दिल्ली प्रांत के उल्मा व शायर शामिल होंगे। जिसमें मौलाना फजल मुम्ताज जौनपुर तथा दिल्ली के मौलाना सैयद जैगमुर्रिजवी मौला हजरत अली के फजाएल बयान करेंगे।

नए साल में बदलेगा बलरामपुर नगर की सड़कों और गलियों का चेहरा

डीएम ने किया नपा क्षेत्र का निरीक्षण, अतिक्रमण मुक्त बाजार को लेकर दिए निर्देश

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार: नववर्ष की पूर्व संध्या पर बलरामपुर शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार प्रातः 08 बजे जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने नगर पालिका परिषद बलरामपुर क्षेत्र का व्यापक स्थलीय निरीक्षण कर साफ-सफाई, नाली सफाई, कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही का गहन जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने वीर विनय चौक से चौक बाजार तक पैदल भ्रमण कर मुख्य बाजार क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, जलनिकासी, नालियों की स्थिति, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई एवं अतिक्रमण हटाए जाने की प्रगति को प्रत्यक्ष रूप से देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नालियों को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा दुकानों एवं प्रतिष्ठानों को नियमानुसार नालियों से जोड़ा जाए, ताकि जलभराव, गंदगी और दुर्गंध की समस्या से स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों ने सर्वसम्मति से सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाए जाने पर सहमति जताई। जिलाधिकारी ने इसे प्रशासन और समाज के बीच सकारात्मक साझेदारी का उदाहरण बताते हुए कहा कि जनसहयोग से ही स्वच्छ और सुंदर शहर का सपना साकार होगा।

बलरामपुर नगर में भ्रमण कर सड़कों और गलियों का जायजा लेते जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन और अन्य। अमृत विचार

जनसुविधाओं पर भी विशेष ध्यान: निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने पुलिस चौकी परबटोला का भी जायजा लिया और परिसर में बाउंड्री निर्माण, प्रवेश गेट तथा रंगाई-पुताई के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य बाजार क्षेत्र में नागरिकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त स्थान चिन्हित कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता, जलनिकासी, अतिक्रमण नियंत्रण, सौंदर्यीकरण एवं जनसुविधाओं का सुदृढ़ीकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इन कार्यों को निर्धारित समयसीमा में ठोस परिणाम के साथ पूरा कराया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका बलरामपुर के चेयरमैन धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू', एडीएम वित्त एवं राजस्व ज्योति राय, एडीएम न्यायिक शिवनारायण सिंह, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रमेश पाहवा, व्यापारीगण एवं स्थानीय जनमानस मौजूद रहे।

डीएम ने कहा, व्यापारियों की सहभागिता से बनेगा स्वच्छ और व्यवस्थित बाजार

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पालिका अध्यक्ष, व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ शहर के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विस्तृत संवाद किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि बाजार क्षेत्र में शाम के समय भी नगर पालिका की कूड़ा कलेक्शन गाड़ियां नियमित रूप से चलेंगी, जिससे व्यापार समाप्ति के बाद उत्पन्न कचरे का तत्काल निस्तारण किया जा सके।

नए साल में बदलेगा बाजार का स्वरूप

जिलाधिकारी ने बताया कि आगामी नववर्ष में नगर पालिका क्षेत्र का स्वरूप पूरी तरह बदलेगा। चौक बाजार से वीर विनय चौराहे तक बाजार को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा तथा एक समान थीम पर पेंटिंग एवं फसाड लाइटिंग कराई जाएगी, जिससे शहर को एक नई और आकर्षक पहचान मिलेगी।

आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी, तीन घायल

श्रीदत्तगंज, बलरामपुर : कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम बनगवां में आपसी विवाद के दौरान चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई में जुट गई है। ग्राम निवासी अहमद रजा पुत्र अब्दुल्ला के अनुसार मंगलवार रात करीब 11:45 बजे गांव के ही आरिफ पुत्र सिराज अहमद और आसिफ पुत्र हसरत अली द्वारा रिजवान पुत्र अब्दुल कादिर और उसकी बहन कमरूननिशा पत्नी सफात के साथ गाली-गलौज व मारपीट की जा रही थी। बीच-बचाव करने पहुंचे अहमद रजा पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। आरोप है कि आरिफ ने चाकू से जानलेवा हमला किया, जिसमें अहमद रजा की पीठ में चाकू लगा, जबकि रिजवान व कमरूननिशा भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों को देख आरोपी फरार हो गए।

152 पंचायतों में तैनात होंगी बीसी सखियां

बलरामपुर, अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ और सहज बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले की 152 ग्राम पंचायतों में बीसी सखियों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए विभाग की ओर से आवेदन आमंत्रित किए गए थे जिनके सापेक्ष अब तक 94 महिलाओं ने आवेदन किया है। प्रभारी उपायुक्त स्वतः रोजगार सुशील कुमार अग्रहरि ने बताया कि जिले के नौ विकास खंडों में कराए गए सत्यापन के दौरान 152 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं जहां अभी तक बीसी सखी की तैनाती नहीं हो सकी है। बीसी सखी न होने के कारण ग्रामीणों को बैंकिंग कार्यों के लिए दूर-दराज के बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते हैं जिससे उन्हें समय और धन दोनों की समस्या झेलनी पड़ती है। जिला मिशन प्रबंधक विवेक कुमार गोदर ने बताया कि बीसी सखी के लिए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं पात्र होंगी। आवेदक महिला का कक्षा 12 उत्तीर्ण होना, आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होना और मोबाइल चलाने का ज्ञान आवश्यक है। इच्छुक व पात्र महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि बीसी सखियों का चयन लिखित परीक्षा के बाद मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गठित चयन समिति के साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

युवाओं ने लिया सीमा सुरक्षा का संकल्प

बलरामपुर, अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अनुषांगिक इकाई सीमा जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय सेना भर्ती प्रशिक्षण शिविर का समापन श्रीदत्तगंज स्थित कुबेरमति पांडेय मेमोरियल इंटर कॉलेज परिसर में राष्ट्रभक्ति और अनुशासन के वातावरण में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर युवाओं के वर्ग अभ्यास के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि एवं वक्ता लेफ्टिनेंट जनरल नितिन कोहली ने युवाओं को सफलता, लक्ष्य निर्धारण और राष्ट्रप्रेम का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा सबसे बड़ा धर्म है, जिसके लिए युवाओं को अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ आगे आना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रकाश चंद्र मिश्रा ने सीमा जागरण मंच की पहल को सीमावर्ती जिले के युवाओं को सैन्य सेवा के लिए प्रेरित करने वाला बताया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. जनार्दन प्रसाद पांडेय ने की। कार्यक्रम में उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अनूप गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी व सदर विधायक पलटू राम उपस्थित रहे। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन में सहसंयोजक डॉ. पम्मी पांडेय की भूमिका सराहनीय रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को सम्मानित करते आयोजक गण। अमृत विचार

नए साल में उपहारों की खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

भाई चारे के साथ किया नववर्ष-2026 का स्वागत

उतरौला, बलरामपुर : नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ उतरौला ने वर्ष 2026 का स्वागत आपसी सौहार्द और उल्लास के वातावरण में किया। नववर्ष पर विभिन्न समुदायों के लोगों ने अमन, चैन और खुशहाली की दुआएँ व प्रार्थनाएँ कीं। मुस्लिम समाज की ओर से मोहम्मद इदरीस राज, अबुल क़ासिम, नसीर अहमद, मंजूर कुरैशी और कलीम सिद्दीकी ने देश की सलामती और शांति की कामना की। हिंदू समाज से घनश्याम, हर्षित, अमन, अनमोल, राजन और विष्णु ने समाज में सुख-शांति, भाईचारे और तरक्की की प्रार्थना की। वहीं सिख समाज की ओर से राकेश खुराना, गगनप्रीत पाहुजा, त्रिलोचन सिंह और प्रताप सिंह ने नववर्ष 2026 का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए देश की खुशहाली की कामना की। उतरौला की यह तस्वीर गंगा-जमुनी तहज़ीब की सजीव मिसाल है, जो नए साल 2026 को एकता, प्रेम और उम्मीदों का संदेश दे रही है।

छापेमारी में 16 लीटर कच्ची शराब बरामद 2100 लीटर लहन नष्ट

उतरौला, बलरामपुर : नववर्ष को देखते हुए जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए जिला प्रशासन ने सख़्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को थाना रेहरा बाजार क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम ग्वालियरग्रट और रघुनाथपुर में एक साथ छापेमारी कर अवैध मद्य निष्कर्षण के ठिकानों को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान मौके से 16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। साथ ही जमीन में गाड़कर और गन्ने के खेत में छिपाकर रखी गई करीब 2100 लीटर लहन को जेसीबी मशीन की सहायता से नष्ट किया गया।

प्रदेश में कायम है जंगलराज : अजय राय

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जनपद में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूरी तरह जंगलराज कायम है, जहां पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि एक मां अपने लापता बेटे के लिए पिछले 41 दिनों से धरने पर बैठी है और दो बार मुख्यमंत्री से जनता दर्शन में मिलने के बावजूद उसे न्याय नहीं मिला। यह सरकार की संवेदनहीनता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

बता दें कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय टांडा तहसील क्षेत्र के रसूलपुर मुबारकपुर निवासी मृतक शिक्षिका सुशील वर्मा के घर जाते समय अकबरपुर के कलेक्ट्रेट स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर 41 दिनों से धरना दे रहे हिमांशु विश्वकर्मा के परिजनों से मिले। उन्होंने बताया कि हिमांशु पिछले 41 दिनों से लापता है और उसकी तलाश के लिए उसकी मां और परिजन लगातार धरना दे रहे हैं, लेकिन न तो प्रशासन हरकत में आ रहा है और न ही सरकार की ओर से कोई ठोस कदम उठाया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जब एक मां की पीड़ा भी सरकार को नहीं दिख रही, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में हर तरफ लूट मची हुई है। कहीं कोडीन की अवैध तस्करी हो रही है, तो कहीं भूमाफिया खुलेआम जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने तीखे शब्दों में कहा कि जब मुख्यमंत्री छोटे-छोटे बच्चों को भी न्याय नहीं दिला पा रहे हैं, तो उन्हें नैतिकता के आधार पर पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की सरकार बनने पर कानून का राज स्थापित होगा और हर पीड़ित को न्याय मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी पंचायत चुनाव पूरी मजबूती के साथ अकेले चुनाव लड़ेगी।

धरने पर बैठे परिजनों से बातचीत करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

- **कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- एक मां अपने लापता बेटे के लिए 41 दिन से धरने पर बैठी है**

एक हजार लाभार्थियों को मिलेगा पारंपरिक कार्यों का प्रशिक्षण

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में जिला उद्योग एवं प्रोत्साहन केंद्र द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। योजना के अंतर्गत जनपद में विभिन्न पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कुल एक हजार लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन यूपी इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स लिमिटेड यूपीकॉन द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक अनील कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर सहायक आयुक्त एचपी मौर्य, अजय कुमार शर्मा, निवेदिता सरोज, उद्यमी मित्र अखिलेश पटेल व यूपीकॉन से धीरेन्द्र प्रताप मौजूद रहे।

महिला अस्पताल में काटा गया पीपल का पेड़

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जलालपुर महिला अस्पताल परिसर में स्थित एक विशाल और वर्षों पुराना पीपल का पेड़ माफिया तत्वों द्वारा अवैध रूप से कटवा दिए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। हैरानी की बात यह है कि मामले की जानकारी अस्पताल के अधीक्षक को भी नहीं है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल परिसर में मौजूद यह पीपल का पेड़ न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के लिए छाया और शुद्ध हवा का महत्वपूर्ण स्रोत था। इसके बावजूद बिना किसी अनुमति के इसे काट दिया गया। मामले की जानकारी मिलने पर वन विभाग हरकत में आया। वन रेंजर स्नेहा मौर्य ने बताया कि पेड़ कटाई में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना अनुमति पेड़ काटना वन अधिनियम के तहत अपराध है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों में आक्रोश है।

अस्पताल परिसर में काटा गया पीपल का पेड़। ● अमृत विचार

- **वन रेंजर ने पेड़ कटाई में प्रयुक्त वाहन को किया जब्त**

जलालपुर नगर में नो एंट्री आज से, जाम से मिलेगी बड़ी राहत

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार: नगर में रोजमर्रा लगने वाले भीषण जाम से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। पुलिस व प्रशासन द्वारा एक जनवरी से नगर पालिका क्षेत्र जलालपुर में नो एंट्री व्यवस्था लागू की जा रही है। जिसके तहत निर्धारित समय पर भारी वाहनों का नगर में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

नो एंट्री का समय सुबह 7 बजे से 10 बजे तक तथा अपराह्न 1 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान बड़े वाहन नगर सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। प्रशासन द्वारा नो एंट्री का सख्ती से पालन कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

बता दें कि फुलवरिया से जलालपुर की ओर आने वाले भारी वाहन बंदीपुर मोड़ से कटका की ओर डायवर्ट किए जाएंगे। फुलवरिया से जलालपुर होते हुए शाहगंज-अकबरपुर जाने वाले भारी वाहनों को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस रोड से भेजा जाएगा। सुरहुरपुर से जलालपुर की ओर आने वाले भारी वाहनों को सुरहुरपुर से ही मालीपुर मार्ग अथवा पट्टी चौराहा मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। मालीपुर से जलालपुर आने वाले भारी वाहन सलाहुद्दीनपुर चौराहे से पट्टी चौराहा की ओर मोड़े जाएंगे। अकबरपुर से जलालपुर की ओर आने वाले भारी वाहनों को पट्टी चौराहे से डायवर्ट किया जाएगा।

निरीक्षण में गौशाला में मिली लापरवाही

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जलालपुर नगर पालिका गौशाला में भ्रष्टाचार और गंभीर लापरवाही के आरोपों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि के नेतृत्व में नगर टीम ने मंगलवार रात आकस्मिक निरीक्षण में गौशाला में जो हालात पाए वह चिंताजनक और गंभीर हैं।

रात करीब 7:30 बजे गौशाला का मुख्य द्वार बंद था और परिसर में कोई भी कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद नहीं था। ईओ को कई बार फोन करके जानकारी देना चाहे, लकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसडीएम राहुल कुमार गुप्ता को मामले की सूचना देने के बाद उनके कहने पर भी वरिष्ठ लिपिक या कोई अन्य अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। एक बड़ा अंतर सामने आया कि अभिलेखों में 72 पशु दर्ज हैं, लेकिन मौके पर केवल 68 पशु मिले। इसके अलावा रैन बसेरे का भी निरीक्षण किया गया, जहां कोई भी जिम्मेदार कर्मचारी मौजूद नहीं था। नगर महामंत्री कृष्ण गोपाल गुप्ता, आनंद मिश्र, मीडिया प्रभारी विकाश निषाद, नगर मंत्री सोनू गुप्ता, पिछड़ा मोर्चा नगर अध्यक्ष जितेन्द्र गौड़, युमो नगर उपाध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने अपनी शिकायत में इसे नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रैन बसेरे का जायजा लेते भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि।

- **प्रशासन को सौंपी लिखित शिकायत, भाजपाइयों ने की सख्त कार्रवाई की मांग**

कार्यक्रम

अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती शताब्दी वर्ष पर कलेक्ट्रेट स्थित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय बाल विहार पार्क में लगी प्रदर्शनी

अटल बिहारी ने सत्ता को लक्ष्य नहीं साधन माना : त्रयंबक तिवारी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के जन्म जयंती शताब्दी वर्ष पर कलेक्ट्रेट स्थित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय बाल विहार पार्क में अटल बिहारी वाजपेई के व्यक्तित्व और कृतित्व पर लगी प्रदर्शनी का समापन जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी की अध्यक्षता में समारोह पूर्व संपन्न हुआ।

प्रदर्शनी के समापन समारोह में उपस्थित जन समूह को आंग्ल नव वर्ष की पूर्व संध्या पर भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने बधाई देते हुए अटल बिहारी वाजपेई की व्यक्तित्व और कृतित्व पर स्वरचित कविता का पाठ किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी बाजपेई भारतीय राजनीति में उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे जिन्होंने सत्ता को लक्ष्य नहीं साधन माना। 1940 के दशक में जब देश स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत था, बल्कि जीवन दृष्टि था। अटल के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत ने कारगिल युद्ध को जीत कर पाकिस्तानी सैनिकों को परास्त किया था। उपस्थित लोगों ने अटल बिहारी की कविता और उनके व्यक्तित्व, कृतित्व पर रचनाओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमरेंद्र कांत सिंह ने किया।

समापन समारोह में मुख्य रूप से विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञान सागर सिंह, यमुना प्रसाद चतुर्वेदी, पूर्व विधायक त्रिवेणी राम, जय राम विमल, चेयर मैन चंद्र प्रकाश वर्मा, ब्लाक प्रमुख संजय सिंह, पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अवधेश द्विवेदी, मौसम वर्मा, पूर्व चेयर मैन सरिता गुप्ता, विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, भाजपा नेता विवेक मौर्य, भाजपा नेता धीरेंद्र सिंह, सतपाल पटेल व उमा शंकर सिंह आदि शामिल रहे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कटेहरी विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष। ● अमृत विचार

अटल बिहारी वाजपेयी को दी गई श्रद्धांजलि

जलालपुर, अंबेडकरनगर : भारत रत्न स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशती के अवसर पर आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन और मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान कार्यशाला में उनकी अमर विरासत और राष्ट्र निर्माण में दिए योगदान का स्मरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अटल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि एवं भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने अटल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश उनका सदैव आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पंडित अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देकर भारत की प्रतिष्ठा को विश्व पटल पर अमिट छाप छोड़ी। पोखरण परमाणु परीक्षण कर उन्होंने देश को सुरक्षा के साथ-साथ आत्मविश्वास से भरा। वह सच्चे अर्थों में सर्वमान्य नेता थे, जिन्होंने विकास की एक नई धारा प्रवाहित की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी।

फसल बचाने के लिए गोवंशों को पकड़ने में करें मदद: डॉ. अरविंद

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, **अमृत विचार:** जनपद के समस्त 38 गौशालाओं में गो संवर्धन एवं गौ सेवा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी और जनपद से नामित नोडल अधिकारियों द्वारा प्रतिभा करते हुए गौशाला में आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया। पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा गोवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण और बीमार गोवंशों का इलाज किया गया।

बता दें कि जनपद के समस्त गौशालाओं में कुल 4 हजार 996 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने जनपद के समस्त किसानों से अपील किया है कि यदि कहीं पर भी निराश्रित गोवंश दिखाई पड़ते हैं तो संबंधित खंड विकास अधिकारी, पंचायत सचिव और पशुपालन विभाग को सूचित करें और गोवंशों को पकडने में ग्रामीण अपना पूरा सहयोग प्रदान करें। जिससे निराश्रित गोवंश को पडक़र गौशाला में संरक्षित कराया जा सके और किसानों के फसलों को नुकसान होने से बचाया जा सके।

- **38 गौशालाओं में गो संवर्धन एवं गौ सेवा दिवस का आयोजन**

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,220.60	26,129.60
बढ़त	545.52	190.75
प्रतिशत में	0.64	0.74

सोना 1,37,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

तीन साल के लिए लगा रक्षोपाय शुल्क

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू इस्पात उद्योग को सस्ते विदेशी आयात से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कुछ चुनिंदा इस्पात उत्पादों पर तीन साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लगा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पहले वर्ष में 12% शुल्क लगाया जाएगा, जो 21 अप्रैल 2025 से 20 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा। दूसरे वर्ष में यह शुल्क घटाकर 11.5% होगा, जो 21 अप्रैल 2026 से 20 अप्रैल 2027 तक वहीं, तीसरे वर्ष में यह घटकर 11% होगा, जो 21 अप्रैल 2027 से 20 अप्रैल 2028 तक प्रभावी रहेगा। यह शुल्क व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिश के बाद लगाया गया है। इससे पहले, इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने इन इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12% की अस्थायी रक्षोपाय शुल्क लगाया था।

हुंदै इंडिया 1 जनवरी से बढ़ाएगी वाहनों के दाम

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड 1 जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 0.6% की बढ़ोतरी करेगी। कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि से कंपनी वाहनों के दाम बढ़ा रही है। हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि कीमती धातुओं और जिंस उत्पादों की कीमतें बढ़ने से कंपनी सभी मॉडलों के दाम में 0.6% की औसत वृद्धि करेगी। कंपनी ने कहा कि उत्पादन लागत को अनुकूल करने और ग्राहकों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी प्रयासरत है, लेकिन इस वृद्धि से बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा बाजार पर डालने को कंपनी बाध्य है। वर्तमान में, कंपनी हैचबैक आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक5 तक कई वाहनों की बिक्री करती है।

प्रीमियर को 2,300 करोड़ का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली। एकीकृत सौर उपकरण विनिर्माता प्रीमियर एनर्जी को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 2,300 करोड़ रुपये से ज्यादा के सेल और मॉड्यूल आपूर्ति के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि ये ऑर्डर प्रमुख घरेलू ग्राहकों द्वारा दिए गए हैं। उसने 2025-26 की तीसरी तिमाही में 2,307.30 करोड़ के नए ऑर्डर हासिल किए हैं। इन ऑर्डर को 2026-27 और 2027-28 में पूरा किया जाना है।

अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता की रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका पर बोले गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामक यह मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है। नवाचार एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं की रक्षा करना, विनियमन व पर्यवेक्षण के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जो वित्तीय प्रणाली की दक्षता में सुधार करता है, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवर्नर ने कहा कि नीति निर्माताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक ऐसी वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो मजबूत और झटकों के प्रति मजबूत हो,

● कहा- वित्तीय क्षेत्र के नियामक मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में लक्ष्य नहीं

वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में कुशल हो तथा जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा दे। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि अस्थिर और प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत एवं निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था के उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। फिर भी, हम बाह्य प्रभावों से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक चुनौतियों को पहचानते हैं और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए निरंतर मजबूत उपाय कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि की संभावना

मुंबई। वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन करने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी।

समाशोधन निगमों की स्थिति मजबूत

रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने 1 जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप

● बिजली मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की अधिसूचना के अनुसार नियम आज से लागू

रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे।

डीआईआई के साथ से सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी

● पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बाजार ने की वापसी

साल के आखिरी सत्र में बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का साथ मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए। लगातार कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद दोनों सूचकांक ने बढ़त दर्ज की है।

बीएसई का सेंसेक्स 545.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान 762.09 अंक बढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी चार दिनों की गिरावट से उबरकर 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टाइटन और ट्रेंट के शेयर बढ़त में रहे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों में बिकवाली देखी गई। इस साल सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी 9% चढ़ा, जबकि निफ्टी में 2,484.8 अंक यानी 10.50% की तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 3,844.02 करोड़ के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,159.81 करोड़ के शेयर खरीदे।

वीआईएल के एजीआर बकाया पर सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जतायी है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

● वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए दी गई पांच साल की मोहलत

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है। इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी। इन बकाया राशियों के अलावा 2017-18 और 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया कंपनी द्वारा 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना बदलाव के देय होगा।

ईयू का कार्बन कर आज से होगा लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) 1 जनवरी से लागू होने जा रहा है, जिससे भारत के इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात को झटका लग सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूरोपीय संघ के 27 देशों का समूह उन वस्तुओं पर यह कर लगा रहा है, जिनके निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) मार्ग में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है जबकि गैस आधारित डीआरआई में यह कम तथा कबाड़ (स्क्रैप) आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) में सबसे कम होता है। इसी तरह एल्युमीनियम में बिजली का स्रोत एवं ऊर्जा की खपत अहम भूमिका निभाती है। कोयले से उत्पादित बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है, जिससे सीबीएएम लागत भी अधिक होती है।

छोटे निर्यातक ईयू बाजार से हो सकते हैं बाहर

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू में प्रवेश करने वाली भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम की हर खेप पर कार्बन लागत जुड़ेगी क्योंकि सीबीएएम रिपोर्टिंग चरण से भुगतान चरण में प्रवेश करेगा। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रियाओं से अनुपालन लागत बढ़ेगी, जिससे कई छोटे निर्यातक ईयू बाजार से बाहर हो सकते हैं। उत्सर्जन का सही आकलन अब प्रतिस्पर्धा का आधार बन गया है। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा और केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ताओं को ही स्वीकार किया जाएगा। आईएसओ 14065 पर्यावरणीय सूचना विवरणों के सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करने वाले निकायों के लिए सिद्धांतों और आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है। कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों के लिए हालांकि सीबीएएम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी बन सकता है। जीटीआरआई के अनुसार, भारत का ईयू को इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर से घटकर 2025 में 5.82 अरब डॉलर रह गया जो 24.4 प्रतिशत की गिरावट है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें। भारतीय निर्यातकों को सीधे तौर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यूरोपीय संघ स्थित आयातकों (जो अधिकृत सीबीएएम घोषणाकर्ता के रूप में पंजीकृत हैं) को आयातित वस्तुओं में निहित उत्सर्जन से संबंधित सीबीएएम प्रमाणपत्र खरीदने होंगे। इसका भार अंततः भारतीय निर्यातकों पर पड़ेगा।

सुलतानपुर

मुठभेड़ में छात्रा का हत्यारा गिरफ्तार

● गला काटकर उतारा था मौत के घाट, 10 घंटे के अंदर दबोचा गया

कूरेभार, सुलतानपुर

अमृत विचार: एक युवक ने घर में घुसकर 13 साल की छात्रा का छेड़खानी के बाद गला काटकर निर्मम हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। वारदात के 10 घंटे के अंदर ही पुलिस ने मुठभेड़ में उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने मंगलवार को नौवीं की छात्रा की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। मरने से पहले छात्रा ने किसी तरह कागज पर आरोपी विनीत का नाम लिख दिया था। तब पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। इस दौरान आरोपी व पुलिस का आमना-सामना हो गया। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने

मुठभेड़ के बाद घायल आरोपी।

लगा। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। आरोपी मुंह के बल गिर पड़ा। पुलिस ने उसे पकड़ा और सीएचसी में भर्ती कराया। मृतक छात्रा के परिवार ने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की है। छात्रा के दादा का कहना है कि अगर आरोपी गांव में जिंदा वापस आया तो मैं उसका गला काट दूंगा। घटना कूरेभार थाना क्षेत्र से करीब सवा किलोमीटर दूर एक गांव की है। आरोपी लगातार लोकेशन बदल रहा था। घटना के साढ़े 10 घंटे बाद पुलिस ने मुठभेड़ में उसे गिरफ्तार कर लिया।

किशोरी को भगा ले गया युवक, केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी को गांव के ही युवक द्वारा बहला-फुसलाकर अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार किशोरी 12 दिसंबर की सुबह आठ बजे स्कूल के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक घर न लौटने पर तलाश शुरू की गई। जांच-पड़ताल में जानकारी मिली कि उसे गांव के ही अंकुश ने अगवा कर लिया है। बुधवार को किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने अंकुश के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सरदार पटेल कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज आज से

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकास खंड के हनुमानगंज के बिकवाजीतपुर मेला बाग में लगातार 15 वर्षों से आयोजित लौह पुरुष सरदार वल्लभ पटेल कैश मनी क्रिकेट प्रतियोगिता गोसाईबाबा का आयोजन हो रहा है। 15 दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिले और आस पास के जिलों से खिलाड़ी प्रतिभाग करते हैं। उद्घाटन के मुख्य अतिथि विधायक सीता राम वर्मा होंगे। प्रतियोगिता के आयोजक जगन्नाथ वर्मा ने बताया कि इस टूर्नामेंट में बेहतरीन खिलाड़ियों को देखने का मौका क्षेत्रवासियों को मिलता है, पहले ये प्रतियोगिता गोसाईबाबा मैदान पर आयोजित होती थी, लेकिन विगत तीन वर्षों से मेला बाग बिकवाजीतपुर में आयोजित हो रही है। प्रतियोगिता के अध्यक्ष मुनेंद्र मिश्रा ने बताया कि खिलाड़ी किट में ही प्रतिभाग करेंगे। अंपायर का निर्णय सर्वमान्य होगा। संरक्षक राम शिरोमणि वर्मा की देख रेख में समापन खिचड़ी के दिन किया जाता है।

सम्मेलन में हिन्दू एकता और संस्कार पर दिया गया जोर

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : नगर पंचायत क्षेत्र के बभनैया पूरब स्थित स्थल पर बुधवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश मोदनवाल ने की। सम्मेलन में वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और बच्चों में संस्कार की आवश्यकता पर बल दिया। कसौधन महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रचना साव कसौधन ने कहा कि हिंदुओं का एकजुट होकर देश और सनातन धर्म की रक्षा करना परम कर्तव्य है। विदेशी संस्कृति से दूरी बनाकर अपने बच्चों को संस्कार देना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि माताओं की भूमिका बच्चों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण होती है। मुख्य अतिथि जिला प्रचारक वृजेश ने कहा कि हजारों वर्षों की गुलामी ने हमारे बीच खाइयां पैदा कर दीं, अब जागृत

हिंदू सम्मेलन में सम्मानित किए गए अतिथि गण।

● विराट हिंदू सम्मेलन का किया गया आयोजन

होने का समय है। संघर्ष की बदौलत ही राम मंदिर निर्माण संभव हुआ। हिंदू समाज का हीरो बॉलीवुड नहीं बल्कि हमारे महापुरुष होने चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में उन्होंने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया और अंत में भारत माता की आरती उतारी गई। इस अवसर पर समाजसेवी रमाशंकर विवेक तिवारी, पाठक, स्वर्णिम बरनवाल समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जमीन कब्जे की धमकी में 9 पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : जान से मारने और जबरन जमीन कब्जा कराने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने छह नामजद एवं तीन अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। अनिरुद्ध नगर निवासी पुष्कर नाथ मिश्र ने पुलिस को बताया कि विवादित मकान का मामला एसडीएम कोर्ट में लंबित है। इसी दौरान तीन अज्ञात लोग पहुंचे और बाहरी अराजक तत्व बुलाकर जबरन जमीन घेरवाने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि दयाशंकर यादव, रामाशंकर यादव, अरविंद यादव, गोविंद यादव, राम पूजन यादव, राम अनुज यादव सहित तीन अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

दिव्यांग से 22 हजार की ठगी, नामजद केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : दिव्यांग कंप्यूटर ऑपरेटर से धोखाधड़ी कर 22 हजार रुपये वसूलने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। दोस्तपुर क्षेत्र के गंगापुर भुलिया गांव निवासी मुन्ना पांडे ने आरोप लगाया कि राकेश तिवारी ने धमकाकर मोहम्मद तालीम खान के खाते में जबरन 22 हजार रुपये डलवाए और लौटाने से इंकार कर रहा है। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने अंबेडकरनगर के मालीपुर थाना क्षेत्र स्थित सलाहपुर गांव निवासी राकेश तिवारी के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार को विदाई देते एसपी। ● अमृत विचार

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को दी विदाई

सुलतानपुर, अमृत विचार : 31 दिसंबर 2025 को अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर जनपद सुलतानपुर में तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। पुलिस लाइन सुलतानपुर स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त होने वालों में पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार, उप निरीक्षक तीरथराज सिंह, उप निरीक्षक चन्द्रशेखर गौतम एवं मुख्य आरक्षी राजकुमार मिश्रा शामिल रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के दीर्घकालीन सेवाकाल, कार्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि उनके अनुभव और सेवाएं विभाग के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगी। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी नगर, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

एबीवीपी प्रांत उपाध्यक्ष बने डॉ. संतोष अंश

सुलतानपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 65वें प्रांत अधिवेशन में राणा प्रताप पीजी कॉलेज के डॉ. संतोष कुमार सिंह अंश को पुनः प्रांत उपाध्यक्ष चुना गया। जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 28 से 31 दिसंबर तक चले इस अधिवेशन में ओलंपियन योगेश्वर दत्त, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही, संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख युद्धवीर, प्रांत प्रचारक रमेश सहित 810 प्रतिनिधि शामिल हुए। चयन पर प्रांत अध्यक्ष व मंत्री ने बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि डॉ. अंश के नेतृत्व में एबीवीपी के माध्यम से विद्यार्थी, समाज और राष्ट्र उन्नयन की गतिविधियों को और गति मिलेगी। डॉ. सिंह के चयन से कार्यकर्ताओं व शिक्षकों में हर्ष की लहर है।

संतोष सिंह अंश

कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहीं एडीओ भगवन्ता विश्वकर्मा

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर

● ब्लॉक सभागार में सहायक विकास अधिकारी को दी गई विदाई

अमृत विचार: धनपतगंज विकासखंड में तैनात महिला सहायक विकास अधिकारी भगवन्ता विश्वकर्मा बुधवार को सेवानिवृत्त हो गईं। तीन वर्ष के धनपतगंज कार्यकाल सहित कुल 36 वर्षों की शासकीय सेवा पूर्ण करने पर ब्लॉक सभागार में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी शब्दों के साथ उन्हें सम्मान पूर्वक विदाई दी।

समारोह के दौरान खंड विकास अधिकारी दिव्या सिंह ने उन्हें रामचरित मानस भेंट की और उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घ, स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बताया। कहा गया कि उनका व्यक्तित्व और कार्यशैली संगठन के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी दिव्या सिंह ने की। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी विजय चैधरी, सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) अविनाश श्रीवास्तव, सहायक विकास अधिकारी राधेश्याम कुशवाहा, लेखाकार अमित श्रीवास्तव, ग्राम विकास अधिकारी सुनील कुमार, रवि राणा, ग्राम पंचायत अधिकारी रवि सिंह, जितेन्द्र वर्मा, शत्रुघ्न पांडेय, रूबी सिंह, ग्राम प्रधान पिंकू सिंह, ओमेंद्र सिंह, कुलभद्र सिंह सहित विकासखंड के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

विवाद में महिला को पीटा, तीन पर केस

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार: मामूली विवाद में एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। दौलतपुर तकिया गांव निवासी रेहाना बेगम नल पर कपड़ा धो रही थीं, इसी दौरान बाल्टी को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि विपक्षियों ने लाठी से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने मोहम्मद फरीद, मोहम्मद आबिद व मोहम्मद इश्तियाक फरीद के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

शराब पीकर गाली देने से रोका तो दंपति समेत भतीजे को पीटा

नरोत्तमपुर गांव में शराब पीकर गाली देने से मना करने पर विपक्षियों ने दंपती व भतीजे को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित सुनेलाल ने बताया कि लोहे की रॉड व लाठी-डंडे से हमला किया गया। पुलिस ने बुद्की, रजनीश, नीरज, राजकुमार, राजन व शैलेंद्र पर मुकदमा दर्ज किया है।

लोड बढ़ा तो कराहने लगी चीनी मिल

● कभी बॉयलर तो कभी टरबाइन में आ रही खामी

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल पर जैसे ही गन्ने का लोड बढ़ा तो कराहने लगी। प्रतिदिन कभी-कभी बॉयलर तो कभी टरबाइन में खामी आ जा रही है। जिसके चलते चीनी मिल का संचालन घंटों रुक जाता है। इस कड़ाके की ठंड में गन्ना किसान ट्राली के नीचे रात गुजारने को मजबूर है।

उद्योग के नाम पर जिले की इकलौती किसान सहकारी चीनी मिल के संयंत्र जर्जर हो चुके हैं। चुनावी दौर में चीनी मिल के झमता वृद्धि व सुधार के लिए बड़े बड़े दावे किए जाते हैं। चुनाव समाप्त होते ही जन प्रतिनिधि किसान सहकारी चीनी मिल को भूल जाते हैं। जिसका नतीजा गन्ना किसानों को भुगतना

चीनी मिल परिसर में खड़े गन्ना लदे वाहन। ● अमृत विचार

किसान सहकारी चीनी मिल के संयंत्र काफी पुराने हो चुके हैं, कुछ न कुछ तकनीकी खामी आती रहती है। फिलहाल किसानों के गन्ने की पेराई चल रही है। - राजेंद्र प्रसाद, प्रधान प्रबंधक किसान सहकारी चीनी मिल

पड़ रहा है। शुभारंभ के बाद से ही चीनी मिल कभी भी लगातार 12 घंटे संचालित नहीं हो पाई है। गेहूं की बुवाई के लिए किसान अपने पेड़ी गन्ने को कटवा मिल लेकर पहुंच रहे हैं। आलम यह है कि मिल परिसर में गन्ने से भरे ट्रालियों का अंबार लगा हुआ है। दो से तीन दिन के इंतजार के बाद जब किसान के गन्ने के तौल का नंबर आता है तो मिल में कोई तकनीकी खामी आ जाती है। जिसके चलते उन्हें फिर से मिल संचालन की राह देखनी पड़ती है। किसान राम बहादुर ने बताया कि सोमवार से गन्ने से भरी ट्राली लेकर मिल पहुंचे हैं। इसके तीन दिन मिल पर गन्ना लाने की तैयारी में लगे थे। बुधवार को जब तौल का नंबर आया तो मिल में तकनीकी खामी आ गई। अब तकनीकी खामी दूर होने पर ही उनके गन्ने की तौल हो सकेगी। ऐसे ही अन्य किसान भी चीनी मिल पर अपने गन्ने को बेचने को लेकर परेशान हैं।

दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

-आंद्र डि ग्रासे, फर्राटा धावक

स्टेडियम

अयोध्या, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ली और कॉप ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू की ट्रेनिंग

मडगांव (गोवा)। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कॉप और उनकी हमवतन लिजेल ली आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

साई के नए केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।

आईसीसी ने ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई। "यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है," भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026

अंडर-19 विश्व कप से शुरुआत और विश्व शतरंज से होगा वर्ष का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी समेत कई नए खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे ऐसे में पीटीआई ने नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है। पेश है विवरण।

जनवरी, फरवरी, मार्च

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी, क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

पीवी सिंधु।

अप्रैल, मई, जून

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जायेगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिये भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विंबलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

कोनेरू हम्पी।

अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

जुलाई, अगस्त, सितंबर

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में विकेट लेने बाद जश्न मनाती दीप्ति शर्मा। फाइल फोटो

दीप्ति शर्मा ने बनाया एक और रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं**

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है। दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पर्दापण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

यूपी की लगातार चौथी जीत जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन

राजकोट, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

- **वीजेडी प्रणाली से असम को 58 रनों से हराया**

उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसमें कप्तान सुमित घडीगांवकर ने 86 गेंद में शानदार 101 रन बनाए। उनके अलावा सिबशंकर रॉय ने 83 गेंद में 82 रन की पारी खेली। लेकिन जीशान अंसारी (60 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम (66 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जुयाल ने 140 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने पिछले तीन मैच में से दो में 80 और 134 रन बनाए थे। वह फिलहाल विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं। जुयाल को प्रियम गर्ग का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पांच चौके की मदद से 53 गेंद में 52 रन बनाए जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 15 गेंद में 37 रन का योगदान दिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तो उत्तर प्रदेश ने 42 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बना लिए थे। और अंत में उसे 'वीजेडी' प्रणाली से विजेता घोषित किया गया।

मुकेश कुमार और आकाश दीप ने अपनी बेहतरीन गेंदों से कहर बरपाया जिससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को कम स्कोर वाले मुकाबले में नौ विकेट से शिकस्त दी। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मुकेश (16 रन देकर चार विकेट) और आकाश (32 रन देकर चार विकेट) ने चार-चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी ने 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर ऑल आउट कर दिया। केवल कप्तान पारस डोगरा (19) और शुभम खजूरिया (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए जबकि तीन बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाए। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप कुमार घरामी (25) ने 9.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर बंगाल को तीसरी जीत दिलाई जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई।तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे ने निरंजन शाह स्टेडियम में चार विकेट झटककर विदर्भ को चंडीगढ़ पर आठ विकेट से जीत दिलाई जो टूर्नामेंट में उनकी तीसरी जीत थी।

नालकंडे (33 रन देकर तीन विकेट) के अलावा नचिकेत भुटे (18 रन देकर दो विकेट) और दीपेश परवानी (22 रन देकर दो विकेट) ने भी गेंद से प्रभावित किया जिससे विदर्भ ने चंडीगढ़ को 29.1 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट कर दिया।

आर्यन जुयाल।

मुंबई ने गोवा को 87 रनों से हराया

जयपुर। सरफराज खान ने बुधवार को यहां 75 गेंद में 14 छक्कों की मदद से 157 रन की विस्फोटक पारी खेलकर 2025 का अंत शानदार अंदाज में किया जिसकी बदौलत मुंबई की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में गोवा को 87 रन से हराकर नॉकआउट चरण के करीब पहुंच गई। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शानदार फॉर्म में रहे सरफराज ने 56 गेंद में शतक पूरा किया जो उनका लिस्ट ए क्रिकेट में तीसरा शतक था। मुंबई ने इसकी मदद से आठ विकेट पर 444 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर गोवा को नौ विकेट पर 357 रन पर रोक दिया। अब बचे हुए तीन मैच में से एक और जीत उसे निश्चित रूप से क्वार्टर-फाइनल में पहुंचा देगी।

फीफा रेफरी सूची में तीन और भारतीय शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रेफरी को फीफा की 2026 अंतर्राष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। एआईएफएफ ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है जबकि रचना कमानी यह कोर्स कर रही हैं।

फुटबॉल महासंघ ने क्लबों से कहा लीग में हिस्सा लेने की करें पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को क्लबों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के देर से शुरू होने वाले सत्र और प्रस्तावित प्रारूप में अपनी भागीदारी की पुष्टि एक दिन के अंदर करने को कहा जिससे कि वह महाद्वीपीय संस्था को प्रतियोगिता में खेले जाने वाले मुकाबलों की सही संख्या बता सके।

आईएसएल 2025-26 अभी शुरू नहीं हुआ है, जिससे यह तय है कि क्लब एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) चैंपियन्स लीग दो में खेलने का पात्र होने के लिए शीर्ष डिविजन लीग और घरेलू कप में जरूरी 24 मैच नहीं खेल पाएंगे। इस संदर्भ में आईएसएल क्लबों ने एआईएफएफ से अपील की थी कि वह एएफसी से कम से कम 24 मैच खेलने की जरूरत में एक बार छूट देने का आग्रह करे जिससे कि वे एसीएल दो में खेल सकें।

क्लबों के प्रतिनिधियों और एआईएफएफ द्वारा बनाई गई एक समिति ने 2025-26 आईएसएल सत्र को कैसे आयोजित किया जाए इसे लेकर 24 दिसंबर 2025 से अब तक पांच बैठक की हैं। एआईएफएफ ने आईएसएल क्लबों को एक पत्र में कहा 28 दिसंबर 2025 को हुई बैठक में आईएसएल क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से आग्रह किया था कि वह 24 मुकाबलों की न्यूनतम जरूरत में एक बार की छूट के बारे में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के साथ बात करे। पत्र के अनुसार एआईएफएफ ने आईएसएल क्लबों से एक जनवरी 2026 तक आईएसएल 2024-25 में हिस्सा लेने और प्रस्तावित प्रतियोगिता प्रारूप की पुष्टि करने के लिए कहा है। एएफसी, खेल मंत्रालय और उच्चतम न्यायालय को इसके बारे में बताया जाएगा। एआईएफएफ ने यह भी कहा कि उसे आईएसएल क्लबों के साथ हुई बैठक के नतीजे के बारे में दो जनवरी 2026 से पहले खेल मंत्रालय को बताना होगा। एआईएफएफ ने आईएसएल 2025-26 सत्र के लिए दो प्रतियोगिता प्रारूप का सुझाव दिया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **सुप्रिया गोस्वामी पुत्री राम धीरज निवासी तेंदुआ बाजार शुकुल** के निवासी हैं मेरी हाई स्कूल के मूल मार्कशीट बाजार आते समय कही गिर गई है जिसका अनुक्रमांक 2384809 है बहुत खोजबीन करने के बाद भी मेरी मार्कशीट मुझे नहीं मिली है।

सूचना

मैं, अमन श्रीवास्तव, पुत्र ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने अपना एमबीए डिग्री प्रमाणपत्र जो डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 में जारी किया गया था, खो दिया है। यह प्रमाणपत्र शहर/क्षेत्र, में कहीं गुम हो गया है। यदि किसी को प्राप्त हो, तो कृपया नीचे दिए गए पते/संपर्क पर लौटाएँ। **अमन श्रीवास्तव पुत्र ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, पता– अश्वनीपुरम कालोनी जप्ती वजीरगंज जिला अयोध्या, संपर्क–8429827575**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MERCILLINA DEANE था। मैने अपना नाम बदलकर MAHI AGARWAL रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। Add 38, कोतवाली नगर, मोहल्ला फतेहपुरा जिला बहराइच, यूपी।

सूचना

मैं चन्द्रशेखर प्रसाद से अपना नाम बदलकर चन्द्रशेखर रख रहा हूँ आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। पता– 544/1396 बरौरा रोड हुसैन बाड़ी, एकता नगर बाला गंज लखनऊ है।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ZIAUL HAQ से बदलकर MOHD ZIAULHAQ रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD HASEEB ADD-335/158 NEW 335/236, GALI GURDEEN, MAHMOOD NAGAR CHOWK, PO-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैं **सपना पुत्री राजेंद्र पाल ग्राम काशीपुर पोस्ट करकसा थाना डलमऊ रायबरेली** की निवासिनी हूं। मेरा हाई स्कूल रोल नंबर 1523808 व इंटरमीडिएट रोल नंबर 1140 320 के अंक पत्र वास्तव में खो गए हैं। खोजबीन के बाद भी मिले नहीं है।

सूचना

मैने अपना नाम SAYYAD MEESAM HUSAIN से बदलकर MEESAM HUSAIN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHAMIM HUSAIN ADD-390/034A RUSTAM NAGAR KASHMIRI MOHALLA CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL RAHEEM ANSARI से बदलकर ABDUL RAHIM JALALUDDIN ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JALALUDDIN ANSARI ADD-UTRAULA PACHAUTA, ALLIPUR BUJURG, DIST-BALRAMPUR-271604 (U.P.)

सूचना

मैं Uzma Jabeen, यह घोषित करती हूँ कि मेरे हाईस्कूल सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम गलती से Vasi Mohammad छप गया है। पिता का सही नाम Wasi Mohammad है, जिसे भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिये सही माना जाए। D/o Wasi Mohammad R/O 431/217, Niwati Tola, Moazzam Nagar, Hanuman Mandir, Lucknow

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MAHMOOD KHAN से बदलकर MAHMOOD ALI KHAN रख लिया है। अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुये नाम से जाना व पहचाना जाये। पुत्र HAJI YASEEN KHAN निवासी–दक्षिणी कोलिया, पो.–छपिया, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

सूचना

मैं **पुत्ती लाल पुत्र बच्चू, निवासी– ग्राम चक्रधरपुर, परगना व तहसील अमेठी, जनपद अमेठी** का निवासी हूं, मैंने अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से अपने पुत्र ललित उर्फ ननित को पूरी तरह बेदखल कर दिया है। उक्त वसीयत मैंने बिना किसी दबाव, जोर–जबरदस्ती के, अपनी स्वेच्छा और स्वस्थ मस्तिष्क की अवस्था में की है। मेरा ललित उर्फ ननित तथा उसके पूरे परिवार से अब किसी प्रकार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं है। भविष्य में यदि ललित उर्फ ननित या उसके परिवार द्वारा मेरी संपत्ति या हक पर कोई दावा किया जाता है तो उसका मुझसे कोई लेना–देना नहीं होगा।